THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 38 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.8 2082 सोमवार, 5 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बढ़ रहे तनाव को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान पर निशाना साधा। नई दिल्ली में हो रहे आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री ने कहा कि हम दुनिया में भागीदारों की तलाश करते हैं, उपदेशकों की नहीं। हमें ऐसे उपदेशक नहीं पसंद हैं, जो विदेश में उपदेश देते हैं, उसे अपने देश में नहीं अपनाते। दरअसल पाकिस्तान यूएन और वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के समर्थन की बात नकारता है, लेकिन आतंक को पनाह देता है।

रामबन में सेना का वाहन 700 फीट गहरी खाई में गिरा

लोहे का ढेर बना आर्मी ट्रक, तीन जवान बलिदान

जम्मू, 4 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। सेना का ट्रक फिसलकर करीब 700 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस दर्दनाक दुर्घटना में तीन जवान बलिदान हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हादसा नेशनल हाईवे-44 पर बैटरी चश्मा के पास सुबह 11:30 बजे हुआ। सेना का यह ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहे एक काफिले का हिस्सा था।

हादसे के तुरंत बाद, एसडीआरएफ, पुलिस, सेना और स्थानीय स्वयंसेवकों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया। दुर्घटना में वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीन सैनिक बलिदान हो गए। शहीद हुए सैनिकों का नाम अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर है। उनके शवों को खाई से बाहर निकाला जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि हादसा इतना दर्दनाक है कि वाहन दुर्घटना के बाद लोहे के ढेर में तब्दील हो गया। सेना और प्रशासन दोनों ने जवानों के बलिदान पर शोक व्यक्त किया है।

वायुसेना प्रमुख ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

सीमा पर तनाव के बीच अहम बैठक

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में यह अहम बैठक हुई। इससे पहले नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उन्हें अरब सागर में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की समग्र स्थिति से अवगत कराया था।

लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास पर बैठक :

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और प्रधानमंत्री मोदी के बीच राष्ट्रीय राजधानी में लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर हुई यह बैठक पीएम की अध्यक्षता में उस बैठक के कुछ दिनों बाद हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए थे। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे।

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक भी हुई थी

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी। हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। सरकार ने आतंकवाद को करारा झटका देने के भारत के राष्ट्रीय संकल्प के प्रतिबद्धता जताई।

पीएम मोदी ने कहा कि हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों और इसके पीछे के साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा मिलेगी। सरकार ने सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर निर्णय लेने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी।

सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी

इससे पहले पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ सरकार की ओर से की गई किसी भी कार्रवाई के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया है। सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकी हमले के सीमा पार संबंधों को उजागर किया गया। यह पाया गया कि यह हमला जम्मू-कश्मीर में चुनावों के सफल आयोजन और आर्थिक विकास की दिशा में इसकी निरंतर प्रगति के मद्देनजर हुआ। सरकार ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कड़ी कार्रवाइयां कीं। सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। इसके अलावा भी मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर कई पाबंदियां लगाई हैं।

एसीबी ने बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल को किया ट्रैप

20 लाख रुपये की पहली किस्त लेते पकड़े गए

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। बांसवाड़ा के बागीदौरा से भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक जयकृष्ण पटेल को एसीबी ने रिश्वत मामले में ट्रैप किया है।

सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई उस समय हुई जब विधायक के गनमैन के जरिए 20 लाख रुपये की पहली किस्त के रूप में कथित रिश्वत ली जा रही थी। बताया जा रहा है कि कुल 2.5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। एसीबी की टीम ने जयकृष्ण पटेल को हिरासत में ले लिया है और फिलहाल विधायक आवास पर कार्रवाई जारी है। वहीं, रिश्वत की रकम लेकर फरार हुए गनमैन की तलाश की जा रही है।

इस मामले को लेकर एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा शाम 5:30 बजे प्रेस वार्ता की, जिसमें कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की। विधायक की गिरफ्तारी से प्रदेश की सियासत में हलचल मच गई है और सभी की नजरें अब आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले

यात्रा में मिलिट्री बैंड बजा, पारंपरिक नृत्य हुआ, 10 हजार श्रद्धालु पहुंचे

चमोली, 4 मई (एजेंसियां)। बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजे खोल दिए गए। मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) ने गणेश पूजा के बाद मंदिर के कपाट खोले। महिलाओं ने लोकगीत गाए। गढ़वाल राइफल्स के बैंड ने पारंपरिक धुनें बजाईं। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूरी तरह से शुरू हो गई है।

कपाट खुलने के बाद अगले 2 घंटे में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजन-दर्शन किए। श्रद्धालु अगले 6 महीने तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। 3 मई को भगवान बद्रीविशाल की पालकी, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, कुबेर और उद्धव की उत्सव डोली धाम पहुंची थी। इससे पहले 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री-यमुनोत्री धाम और 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे।

भारत ने बगलिहार बांध से चिनाब नदी का पानी रोका

पाक के खिलाफ मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारत ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बगलिहार बांध के जरिए चिनाब नदी पर पानी के प्रवाह को रोक दिया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध पर भी इसी तरह का कदम उठाने पर विचार कर रहा है।

बताना होगा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने और एयर स्पेस बंद करने जैसे कई बड़े फैसले लेकर पाकिस्तान के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। शनिवार को बड़ा फैसला लेते हुए भारत ने पाकिस्तान से आयात पूरी तरह बंद कर दिया था।

जब भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित किया था तो पाकिस्तान ने इसका पुरजोर विरोध किया था और कहा था कि पानी को रोकने की किसी भी कोशिश को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। इस बीच भारत ने रविवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो के एक्स अकाउंट पर बैन लगा दिया।

भुट्टो ने भारत को चेतावनी दी थी कि अगर भारत ने सिंधु नदी का पानी रोका तो खून बहेगा। बगलिहार बांध दोनों देशों के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पाकिस्तान इस मामले में वर्ल्ड बैंक से मध्यस्थता करने की मांग कर चुका है। इसके अलावा किशनगंगा बांध को लेकर भी कानूनी और कूटनीतिक जांच हो चुकी है। यह सभी नदियां भारत से पाकिस्तान की ओर बहती हैं और इन्हें पाकिस्तान की जीवन रेखा माना जाता है क्योंकि पाकिस्तान की आबादी के बड़ा हिस्से को इससे पीने का पानी मिलता है। पाकिस्तान खेतों की सिंचाई और फसल के लिए भी इन नदियों पर निर्भर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि भारत सरकार पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों को सख्त से सख्त सजा देगी।

इजराइल में हूती मिसाइल अटैक से एअर इंडिया फ्लाइट डायवर्ट

300 पैसेंजर के साथ अबूधाबी में उतरी 6 मई तक तेल अवीव की उड़ानें रोकीं

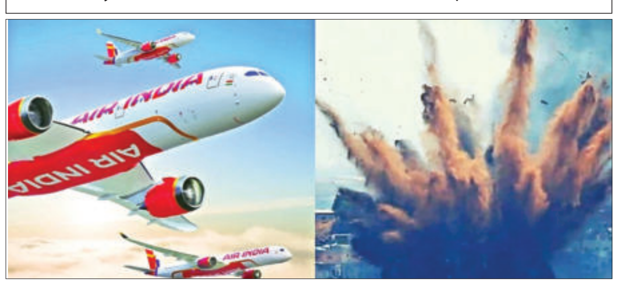

तेल अवीव, 4 मई (एजेंसियां)। इजराइल के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे, बेन गुरियन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस हमले की वजह से दिल्ली से तेल अवीव जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई139 को अबू धाबी डायवर्ट करना पड़ा।

हमले के वक्त विमान की लैंडिंग में महज एक घंटा बाकी था। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के मुताबिक, विमान उस समय जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में था। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्लेन में करीब 300 लोग सवार थे।

एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि फ्लाइट ने अबू धाबी में सुरक्षित लैंडिंग की है और उसे जल्द ही दिल्ली लौटाया जाएगा। एअर इंडिया ने कहा है कि जिन यात्रियों ने 3 से 6 मई 2025 के बीच की उड़ानों के लिए टिकट बुक किए हैं, उन्हें अपना टिकट एक बार बदलने की सुविधा या पूरा पैसा वापस पाने का विकल्प दिया जाएगा।

मिसाइल ने एयरपोर्ट के परिसर में एक सड़क और एक वाहन को नुकसान पहुंचाया। इजराइली सेना ने माना है कि उनका डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को रोकने में नाकाम रहा।

'कांग्रेस राज की गलतियों का जिम्मा लेता हूं'

राहुल के पुराने वीडियो को भाजपा ने राजनीतिक ढोंग कहा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। पिछले महीने कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और भारत से जुड़े कई मामलों पर अपनी बात रखी थी। इसी दौरान का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक सिख व्यक्ति ने इतिहास में समुदाय के प्रति कांग्रेस के बर्ताव पर सवाल उठाए। शख्स ने सज्जन कुमार और उनके जैसे नेताओं का कांग्रेस में होने का जिक्र किया। इस पर राहुल ने कहा कि जो कुछ भी हुआ, उस वक्त मैं नहीं था। हालांकि, कांग्रेस राज में जो कुछ भी गलत हुआ, उसके लिए मैं जिम्मेदारी लेता हूं। इस वीडियो को भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी पोस्ट किया और राहुल के बयान को राजनीतिक ढोंग करार दिया।

पहले जानते हैं कि वीडियो कब का है :

भाजपा नेता की ओर से शेयर किए गए वीडियो पर 21 अप्रैल 2025 की तारीख दिखाई दे रही है। कार्यक्रम वॉटसन इंस्टीट्यूट

फॉर इंटीनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में आयोजित किया गया था। इस दौरान एक सत्र में राहुल ने हिस्सा लिया था, जब वहां मौजूद लोगों ने उनसे सीधे सवाल किए थे। इस दौरान राहुल से एक सिख शख्स ने राहुल से तीखे सवाल किए थे और कांग्रेस के बीते इतिहास को याद दिलाया था।

राहुल से क्या पूछा गया था...

सिख व्यक्ति ने राहुल गांधी से पूछा कि आपने अपनी पिछली अमेरिका यात्रा के दौरान ट्वीट किया था, जिसमें आपने भारत और बाहर के सिखों से बात की थी। आपने पूछा था कि क्या भाजपा राज में आपको कड़ा पहनने और पगड़ी बांधने दिया जा रहा है? जबकि कांग्रेस ने खुद भी सिखों को अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी। पार्टी ने सिखो के बीच एक डर तैयार किया, जैसा आप भाजपा को बता रहे हैं। आप निष्पक्ष राजनीति की बात करते हैं, डर के बिना राजनीति की बात करत हैं। हम सिर्फ कड़ा नहीं पहनना चाहते हैं, सिर्फ पगड़ी नहीं बांधना चाहते हैं। हम अभिव्यक्ति की आजादी चाहते हैं, जो कांग्रेस पार्टी ने इतिहास में हमें नहीं दी। आपकी पार्टी ने कभी गलती मानने की परिपक्वता नहीं दिखाई। सज्जन कुमार जैसे नेता इसके उदाहरण हैं। ऐसे कई नेता आज भी पार्टी में हैं। आप सिख समुदाय के साथ इसे कैसे सुधारेंगे?

राहुल का जवाब :

राहुल गांधी ने जवाब में कहा, बहुत कुछ तब हुआ, जब मैं राजनीति में नहीं था। हालांकि, मैं कांग्रेस पार्टी की ओर से की गई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा भी है कि 80 के दशक में जो कुछ भी हुआ, वह गलत था। मैं कई बार स्वर्ण मंदिर जा चुका हूं।

शिवानंद बाबा नहीं रहे

पीएम मोदी बोले- योग से समाज की सेवा की, उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा

वाराणसी, 4 मई (एजेंसियां)। योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा का शनिवार रात निधन हो गया। 129 वर्ष के योग गुरु पद्मश्री शिवानंद ने वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में अंतिम सांस ली। डॉ. देवाशीष ने बताया कि योग गुरु ने शनिवार की रात 8.30 बजे इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था। शिवानंद बाबा का शिवलोक प्रयाण हम सब काशीवासियों और उनसे प्रेरणा लेने वाले करोड़ों लोगों के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं इस दुःख की घड़ी में उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।

अन्न नहीं खाते थे पद्मश्री शिवानंद

पद्मश्री शिवा नंद अन्न नहीं खाते थे। योग गुरु और योग साधना में निपुण थे। वह योग साधना को ज्यादा प्राथमिकता देते थे। वह महाकुंभ में भी स्नान के लिए पहुंचे थे। आश्रम से जुड़े लोगों का दावा है कि वह देश के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे। उन्हें 2022 में पद्मश्री से नवाजा गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें सम्मानित किया था।

योग साधना को ज्यादा प्राथमिकता देते थे :

योग गुरु शिवानंद योग साधना को ज्यादा प्राथमिकता देते और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करते थे। अस्पताल के डॉ. देवाशीष ने बताया कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह तीन दिनों से बीएचयू में भर्ती थे। उनका पार्थिव शरीर शनिवार की देर रात दुर्गाकुंड स्थित आश्रम पर लाया गया।

चुनाव आयोग ला रहा है एक नई ऐप

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा। यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज़्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा। ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा, क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह पर हो सकेंगे। अब लोगों को अलग-अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग लॉगिन याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस प्लेटफॉर्म की शुरूआत मार्च 2025 में हुई थी जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में इसकी योजना बनाई थी।

मुस्लिम युवक ने हर्षा रिछारिया को भेजा शादी का प्रस्ताव को दिया करारा जवाब

भोपाल, 4 मई (एजेंसियां)। महाकुंभ की सबसे सुंदर साध्वी नाम से फेमस हर्षा रिछारिया को एक मुस्लिम युवक ने शादी का प्रस्ताव भेजा है। शादी के इस प्रस्ताव पर हर्षा ने तगड़ा जवाब दिया है। हर्षा ने जवाब में कहा है कि तुमको क्या लगता है कि हिंदू शेरों को छोड़कर हमें सुअर पसंद आएंगे?

दरअसल, भोपाल की रहने वाली हर्षा रिछारिया ने सोशल मीडियो पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने अपने ईमेल का एक स्क्रिनशाट डाला हुआ है। हर्षा रिछारिया का कहना है कि यह मेल एक मुस्लिम युवक असलम पठान ने भेजा है। उसने लिखा है कि हेलो हर्षा आप कैसे हैं? मुझे आपसे शादी करनी है, आप बताओ क्या करना होगा, आप जब भी भोपाल जाओ, कल कहो तो कल ही कर लूंगा, लेकिन करूंगा आपसे ही। बस शर्त बताओ क्या शर्त है?

इस मेल को देखकर हर्षा भड़की हुई हैं। उन्होंने जवाब में कहा है कि यह मेल मैंने आज सुबह देखा। सबसे पहले तो इस बन्दे की हिम्मत की तारीफ करनी चाहिए कि उसने ये भेजा भी तो किसको भेजा। दूसरी बात, तुमको क्या लगता है की हिंदू शेरो को छोड़कर हमें सुअर पसंद आयेंगे? तीसरी बात, अगर मैं आज हिंदू हूं तो इसका मतलब मेरे दादा/परदादा ने धर्म परिवर्तन के लड़ाई लड़ी होगी। और धर्म परिवर्तन के खिलाफ अब मैं खड़ी हूं। चौथी बात, तुम ना अपनी मां के सगे हो और ना ही अपनी बहन-बेटियों के तो फिर तुम किसी और के सगे क्या बनोगे?

कौन हैं हर्षा रिछारिया :

बता दें कि हर्षा रिछारिया मूल रूप से मध्य प्रदेश के भोपाल की रहने वाली हैं। वह उत्तराखंड में रहती हैं। प्रयागराज महाकुंभ में अचानक सबसे सुंदर साध्वी के रूप में वायरल हुईं। जिसके बाद इसको लेकर बहुत सारा विवाद हुआ। हर्षा के मां-बाप भोपाल में ही रहते हैं। और यह मेल भोपाल के एक मुस्लिम युवक ने भेजा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर टकराए एक के बाद एक कई वाहन, पांच की मौत, आठ घायल

विशाखापट्टनम, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। गौरतलब है कि हादसा किसी एक वाहन के साथ नहीं हुआ बल्कि कई वाहन एक के बाद एक दूसरे से टकराए, जिनमें पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह ओंगोल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 16 पर पहली दुर्घटना सुबह करीब 4:50 बजे हुई। जहां टायर पंक्चर होने के कारण लेन 1 पर खड़े ट्रक को पोल्ट्री वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे चालक और दो क्लीनर की मौत हो गई। इसके तुरंत बाद, एक वाहन ने पोल्ट्री वाहन को टक्कर मार दी, जिससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दुर्घटना के कारण एक किलोमीटर से अधिक लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

ट्रैफिक जाम के कारण, अमरावती से तिरुपति जा रही एक कार ने एक खड़े ट्रक को टक्कर मार दी, जिसमें गुंटूर जिले के छह यात्री सवार थे। एक दूसरे ट्रक ने पीछे से कार को टक्कर मार दी, जिससे कार दो भारी वाहनों के बीच में फंस गई। इसके चलते दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस उपाधीक्षक आर श्रीनिवास ने कहा, यह पूरा घटनाक्रम 15-20 मिनट के भीतर हुआ। हमें संदेह है कि ट्रक चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे और सड़क पर उचित रोशनी और लेन मार्किंग की कमी थी। जिसके चलते हादसा हुआ। ट्रक चालकों को हिरासत में ले लिया गया है और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है।

दुश्मनों की खैर नहीं

भारतीय सेना को मिली रूसी मूल की इग्ला-एस मिसाइल, 90 और खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारत के दुश्मनों की अब खैर नहीं है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच भारतीय सेना की क्षमता में इजाफा हुआ है। सेना को रूसी मूल की इग्ला एस मिसाइलें मिली हैं। कंधे पर रखकर वार करने वाली यह मिसाइल दुश्मन को नेस्तनाबूद कर देगी। इसके अलावा 90 और मिसाइल खरीदने की तैयारी हो रही है।

कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणालियां भारतीय सेना की वायु रक्षा क्षेत्र में अहम योगदान देती हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि इग्ला-एस वायु रक्षा मिसाइलों की नई आपूर्ति कुछ सप्ताह पहले भारतीय सेना को हुई है। इन मिसाइलों को सीमाओं पर दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन से खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को दिया जा रहा है।

सुरक्षा बलों ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत विभिन्न अनुबंध किए हैं। करीब 260 करोड़ रुपये के इस अनुबंध से पश्चिमी क्षेत्र में वायु रक्षा बलों की ताकत बढ़ने की उम्मीद है। इस अनुबंध में इन्फ्रा रेड सेंसर आधारित कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणालियां शामिल हैं। इग्ला-एस मिसाइलों की आपूर्ति के साथ ही भारतीय सेना ने 48 लॉन्चर तथा लगभग 90 कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणालियां (वीएसहोराडस) मिसाइलें खरीदने के लिए निविदा भी जारी की है। इसके अलावा पुरानी मिसाइलों को एक भारतीय फर्म द्वारा नवीनीकृत किया जा रहा है। इग्ला-एस मिसाइलें 1990 के दशक से प्रयोग में है।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी तैयारी :

भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए बड़ी संख्या में मिसाइलों के साथ ड्रोन का पता लगाने और उसे नष्ट करने की क्षमताओं की भी आवश्यकता है। सेना ने स्वदेशी एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम के मार्क 1 को भी तैनात किया है। यह आठ किलोमीटर से अधिक दूरी से ड्रोन का पता लगा सकता है और उन्हें रोक सकता है। इस सिस्टम में लेजर भी लगे हैं जो ड्रोन को जलाकर गिरा सकते हैं। सेना की वायु रक्षा इकाइयों ने हाल ही में जम्मू में इस सिस्टम का उपयोग करके पाकिस्तानी सेना के एक ड्रोन को मार गिराया था।

साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की मिली धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

शिरडी, 4 मई (एजेंसियां)। देश के बड़े मंदिरों में से एक शिरडी के साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। बता दें कि बीते दिनों लगातार बम से जुड़ी धमकियां देखने को मिल रही हैं। इस बीच अब शिरडी के साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अज्ञात अपराधी ने ई-मेल के लिए यह धमकी दी थी। वहीं साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की तलाशी ली गई। हालांकि मौके पर कोई भी बम बरामद नहीं हुआ। दरअसल, महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में स्थित साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर को उड़ाने से जुड़ी ये धमकी एक ईमेल के जरिए मिली है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस की टीमों को मौके पर रवाना किया गया। पुलिस ने गहनता के साथ पूरे मंदिर परिसर की तलाशी ली। हालांकि मंदिर और इसके आस-पास कोई भी संदिग्ध वस्तु या बम नहीं मिला। बता दें कि इस मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु देशभर से पहुंचते हैं। मेल भेजने वाले आरोपी ने कहा था कि वह मंदिर को बम से उड़ाने जा रहा है। आरोपी ने साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मंदिर ट्रस्ट के मेल पर भेजी थी। वहीं श्री शिरडी साईं बाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोरक्ष गाडिलकर ने इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''संस्थान (ट्रस्ट) के पास अपना सुरक्षा स्टाफ है। ईमेल मिलने के बाद हमारे स्टाफ ने पुलिस की कई टीम के साथ मिलकर तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।'' मंदिर के पास कुछ भी नहीं बरामद होने के बाद सुरक्षा बलों ने राहत की सांस ली है। हालांकि इसके बावजूद आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बिना किसी देरी जातिगत जनगणना शुरू कराने की मांग

कांग्रेस कार्यसमिति में पारित किया गया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक जातिगत जनगणना का मुद्दा उठा। इसे लेकर कार्यसमिति ने प्रस्ताव पास किया। इसमें बिना किसी देरी, बहाने और टालमटोल के जातिगत जनगणना शुरू कराने की मांग की गई। इसके अलावा आरक्षण से जुड़े एक अन्य प्रस्ताव को पारित किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में जाति जनगणना के मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पारित प्रस्ताव में दो मांग की गई। इसमें पहली थी कि निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के आरक्षण के लिए संविधान के अनुच्छेद 15(5) को तत्काल लागू किया जाए। साथ ही जाति जनगणना बिना किसी देरी के कराई जाए। कार्यसमिति में पारित प्रस्तावों को जिला और विधानसभा स्तर पर होने वाली संविधान बचाओ रैलियों में उठाया जाएगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी पत्र में सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को इसके निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा है कि कांग्रेस के दबाव के बाद मोदी सरकार जाति-वार जनगणना कराने मजबूर हो गई है। दो मई को हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में जातिगत जनगणना के मुद्दे पर चर्चा हुई। इसमें पहला कि निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के आरक्षण के लिए संविधान के अनुच्छेद 15(5) को तत्काल लागू किया जाए। जाति जनगणना बिना किसी देरी के कराई जाए। इसके लिए पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया अपनाई जाए। साथ बजट का आवंटन ठीक से किया जाए। इसके अलावा प्रश्नावली तैयार करने, गणना करने, वर्गीकरण करने और आंकड़ों को प्रकाशित करने में सहभागी दृष्टिकोण अपनाया जाए। आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और कल्याण संबंधी नीतियों की समीक्षा और उन्हें मजबूत करने के लिए जातिगत डाटा का उपयोग किया जाए।

संविधान बचाओ रैली में उठाएं मुद्दा

कांग्रेस महासचिव ने प्रदेश कांग्रेस कमेटियों से कहा है कि सभी राज्यों और जिलों में आयोजित होने वाली आगामी संविधान बचाओ रैलियों में इस मांग को उठाया जाए। अनुच्छेद 15(5) के तत्काल कार्यान्वयन की मांग पर जोर दिया जाए। इसकी निगरानी के लिए राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया जाए। इसके अलावा सभी गतिविधियों और रिपोर्टिंग की देखरेख और समन्वय के लिए जिला स्तर पर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाए।

घर-घर तक पहुंचे कार्यकर्ता

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटी को 30 मई तक निर्धारित विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैलियां और घर-घर अभियान को पूरा करना है। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ताओं, नागरिक समाज कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, वकीलों, दुकानदारों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और बहुजन समुदायों के साथ चौपाल बैठकें की जाएं। इसमें कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक और सतत प्रतिबद्धताओं को बताया जाए। साथ ही भाजपा की बहुजन विरोधी विचारधारा, जाति गणना के प्रति उसके विरोध के बारे में भी बताया जाए। जाति जनगणना और अनुच्छेद 15(5) के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए व्यापक जन समर्थन जुटाया जाए। इसके अलावा मीडिया और सोशल मीडिया के जरिये अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटियों से साप्ताहिक रिपोर्ट तलब की गई है।

पंतनगर विवि से पीएचडी कर रहे राजस्थान के छात्र की हृदयगति रुकने से मौत

ऊधम सिंह नगर, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में पंतनगर विवि के कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय में पीएचडी द्वितीय वर्ष के छात्र की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। मृतक छात्र हर्षित जानी (30) राजस्थान का निवासी बताया जा रहा है। वह यहां चितरंजन भवन-2 (छात्रावास) के कमरा नंबर- 27 में रहता था। विवि चिकित्सालय के डॉ। विजय विश्वास के अनुसार, छात्र को पहले से पेसमेकर लगाया गया था। जिसमें हो सकता है किसी डिफेक्ट के चलते उसकी मौत हुई है। छात्र को जब विश्वविद्यालय चिकित्सालय में लाया गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी पुष्टि के लिए उसे जिला अस्पताल रुद्रपुर रेफर कर दिया गया है।

पंजाब पुलिस ने दो पाकिस्तानी जासूसों को किया गिरफ्तार

लीक कर रहे थे सेना की गोपनीय जानकारी

अमृतसर, 4 मई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। यहां अमृतसर में पाकिस्तान पुलिस ने बड़े जासूसी कांड को बेनकाब किया है। इस मामले में पुलिस ने दो जासूसों को गिरफ्तार किया है, जो पाकिस्तान के लिए काम कर रहे था। आरोप है कि गिरफ्तार किए गए दोनों जासूस भारतीय सेना की गोपनीय जानकारी पाकिस्तान के पास भेज रहे थे। इन दोनों का कनेक्शन पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी जुड़ा हुआ माना जा रहा है। दोनों की पहचान पलक शेर मसीह और सुरज मसीह के रूप में हुई है। आरोपियों ने सेना की छावनियों और एयरबेस की तस्वीरें दुश्मन को भेजी हैं।

पाकिस्तान भेज रहे थे खुफिया जानकारी

पंजाब पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। पंजाब डीजीपी के एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में बताया गया कि, एक महत्वपूर्ण जासूसी विरोधी अभियान के तहत, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने दो व्यक्तियों पलक शेर मसीह और सूरज मसीह को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी अमृतसर में सेना छावनी क्षेत्रों और वायु सेना ठिकानों की संवेदनशील जानकारी और तस्वीरें पाकिस्तान को भेज रहे थे। वहीं प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उनके पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संबंध हैं, जो हरप्रीत सिंह उर्फ पिट्टू उर्फ हैप्पी के माध्यम से स्थापित किए गए हैं। हरप्रीत सिंह उर्फ पिट्टू वर्तमान में अमृतसर सेंट्रल जेल में बंद है।

दोनों से पूछताछ कर रही पंजाब पुलिस

इस बारे में आगे बताया गया कि, फिलहाल आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है, और जांच की जा रही है। वहीं जांच होने पर और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की उम्मीद है। पोस्ट में कहा गया है कि, पंजाब पुलिस भारतीय सेना के साथ मजबूती से खड़ी है और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के अपने कर्तव्य में अडिग है। हमारे सशस्त्र बलों की सुरक्षा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का दृढ़तापूर्वक और तत्काल जवाब दिया जाएगा।

फिरोजपुर में पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन से फेंके गए हथियार

बीएसएफ ने किए बरामद

फिरोजपुर, 4 मई (एजेंसियां)। फिरोजपुर के ब्लॉक ममदोट से सटे सीमावर्ती गांव लक्खा सिंह वाला हिठाड़ के खेतों में पाकिस्तान ड्रोन एक पैकेट फेंक गया। उक्त पैकेट खोलने पर बीएसएफ को एक पिस्तौल और दो मैगजीन बरामद हुई हैं। यह ड्रोन रात के समय उक्त पैकेट फेंक गया था। इसकी भनक लगते ही बीएसएफ ने रविवार सुबह सर्च अभियान शुरू किया। गांव लक्खा सिंह वाला हिठाड़ के खेत में से यह पैकेट बरामद हुआ जिसमें विदेशी पिस्तौल थी। डिफेंस कमेटी के मेंबर सोहन सिंह, जो एक किसान भी है, अपने खेतों में पानी लगाने गए थे। वहां उन्होंने देखा कि खेत में पीले रंग की टेप से लिपटा हुआ एक पैकेट पड़ा है। उन्होंने डिफेंस कमेटी के चेयरमैन मंगल सिंह व वाइस चेयरमैन तिलक राज को सूचित किया। उसके बाद डिफेंस कमेटी के मेंबरों ने इस संबंधी बीएसएफ चौकी के कंपनी कमांडर को जानकारी दी और बीएसएफ ने मौके पर पहुंचकर उक्त पैकेट को अपने कब्जे में ले लिया है।

नॉर्थ वेस्ट दिल्ली से बीजेपी सांसद की बढ़ी मुश्किलें

कोर्ट ने तय किए आरोप, कब होगी अगली सुनवाई?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया के खिलाफ पांच साल पुराने मामले में आरोप तय करने के आदेश दिए हैं। बीजेपी सांसद चंदोलिया पर सरकारी कर्मचारी पर हमला करने का आरोप है। इस मामले में उनके खिलाफ साला 2020 में प्रसाद नगर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। अब राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में आईपीसी की कई धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई 22 मई 2025 को होगी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया के खिलाफ आईपीसी की धारा 341 (गलत तरीके से रोकना), 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए आपराधिक बल का प्रयोग करना) और 356 के तहत एक आरोप तय करने का आदेश दिया है। हालांकि, अदालत ने योगेंद्र चंदोलिया को आईपीसी की धारा 186 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन में बाधा डालना) के आरोपों से बरी कर दिया है। दरअसल, चंदोलिया पर एक सरकारी कर्मचारी पर हमला करने और उसके काम में बाधा डालने का आरोप है।

शिकायतकर्ता को समन जारी

फिलहाल, राउज ऐवन्यू कोर्ट ने इस मामले में शिकायतकर्ता को समन जारी किया है। साथ ही इस मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी। चंदोलिया के वकील ने कोर्ट को बताया कि निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग वाली अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट में 19 मई को सुनवाई होनी है।

क्या है मामला?

बीजेपी नेता योगेंद्र चंदोलिया के खिलाफ साल 2020 में कथित रूप से एक सरकारी कर्मचारी को उसकी ड्यूटी करने से रोकने और उसके खिलाफ बल का प्रयोग करने और शिकायतकर्ता हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार से मोबाइल फोन छीनने के आरोप में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। बता दें कि योगेंद्र चंदोलिया उत्तर पश्चिम दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं।

तेज आंधी में बीच से टूटा मोबाइल टॉवर

छतरपुर, 4 मई (एजेंसियां)। जिले में शनिवार को एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। यहां तेज आंधी-तूफान के बीच एक मोबाइल टॉवर ही टूटकर गिर गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि टॉवर बीच से ही दो हिस्सों में टूट जाता है। गनीमत रही कि आस-पास कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। बताया जा रहा है कि यह टॉवर काफी पुराना हो गया था, जिससे इसकी हालत काफी जर्जर हो गई थी। ये मोबाइल टॉवर निष्क्रिय था। दरअसल, पूरा मामला मातगवां थाना क्षेत्र के बरद्ववाहा गांव का बताया जा रहा है। यहां शनिवार को तेज आंधी-तूफान देखने को मिला। इस तूफान में एक मोबाइल टॉवर टूटकर गिर गया। वहीं इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि यह टावर बीएसएनएल कंपनी का है, जो कई दिनों से बंद पड़ा हुआ था। ग्रामीणों का कहना है कि ये मोबाइल टॉवर जर्जर हालत में था और तेज आंधी चलने की वजह से टूट गया है। हालांकि टॉवर टूटने की वजह से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

वेस्ट दिल्ली में भूमि घोटाला? एचसी ने सीबीआई से मांगे जवाब

सरकारी खजाने को चूना लगाने के लगे आरोप

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने पश्चिमी दिल्ली में एक शॉपिंग मॉल परियोजना से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सीबीआई से जवाब तलब किया है। यह कार्रवाई उस याचिका के आधार पर की गई है, जिसमें कई करोड के भूमि घोटाले की जांच की मांग की गई है। वरिष्ठ वकील विकास पाहवा और वकील गौरव गुप्ता ने दिल्ली हाईकोर्ट में इस मसले को लेकर याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता विकास पाहवा और गौरव गुप्ता ने एक शॉपिंग मॉल बनाने की परियोजना को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। याची ने अदालत को बताया कि मॉल बनाने वाली प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी ने सरकारी अधिकारियों, सब-रजिस्ट्रार और कॉर्पोरेट किरायेदारों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये का नुकसान सरकारी खजाने को पहुंचाया है।

पट्टा रद्द, तो फिर कैसे जारी है शॉपिंग मॉल का निर्माण?

याचिकाकर्ता के अनुसार दिल्ली विकास प्राधिकरण ने साल 2007 में एक 6,085 वर्ग मीटर के वाणिज्यिक भूखंड का स्थायी पट्टा प्रदान किया था, करीब 25 करोड़ की बकाया राशि जिसमें ग्राउंड रेंट और कन्वर्जन चार्ज शामिल थे, का भुगतान न होने के कारण डीडीए ने जनवरी 2020 में पट्टा समाप्त कर दिया था, इसके बावजूद, याचिकाकर्ता का दावा है कि मूल डेवलपर से जुड़ी शेल कंपनियों के माध्यम से भूमि पर अवैध गतिविधियां जारी हैं। भ्रष्टाचार के इस खेल में तीसरे पक्ष के हित के मूल कंपनी ने गैर कानूनी तरीके से पूर किए हैं, जो पट्टा समाप्ति आदेश का उल्लंघन है,

सरकारी खजाने को 100 करोड़ से अधिक का नुकसान

याचिकाकर्ता ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा है कि इस अनधिकृत कब्जे और वित्तीय धोखाधड़ी के कारण सरकार को 100 करोड़ से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ है, याचिकाकर्ता ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह सीबीआई को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और अन्य दंड कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दे। याचिका में कहा गया है कि यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो भ्रष्टाचार की व्यापक सच्चाई सामने नहीं आ सकेगी और दोषियों की जवाबदेही तय नहीं हो पाएगी।

दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस गिरीश काठपालिया ने 30 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए सीबीआई को नोटिस जारी किया। उन्होंने इस मसले पर सुनवाई के लिए 27 मई की तारीख तय की है।

लाडकी बहिन योजना को लेकर सरकार पर बरसे संजय राउत

चुनावी वादों से मुकरने का लगाया आरोप

मुंबई, 4 मई (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने प्रदेश सरकार पर जनता को धोखा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि लाडकी बहिन योजना को बंद कर दिया गया है और सरकार चुनाव के दौरान किए गए अपने वादों से मुकर गई है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार की जीत में लाडकी बहिन योजना की बड़ी भूमिका मानी जाती है।

महायुति सरकार पर भड़के संजय राउत

संजय राउत ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए कहा कि लाडकी बहिन योजना को बंद कर दिया गया है। पहले 1500 रुपये देने का वादा किया गया था, लेकिन अब सिर्फ पांच सौ रुपये दिए जा रहे हैं। चुनाव के दौरान 2100 रुपये देने की बात कही जा रही थी, लेकिन अजित पवार अब उन वादों से मुकर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि उन्होंने ऐसा कोई वादा नहीं किया। जब आप मंत्री बनते हैं तो आप मेरा पैसा-मेरा पैसा करते हैं, लेकिन यह आपका पैसा कहां है। यह पैसा तो लाडकी बहनों का है।' संजय राउत ने कहा कि 'क्या एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस को अपनी जेब से 1500-1500 रुपये देने पड़ रहे हैं? यह जनता का पैसा है। 500 रुपये क्यों दिए जा रहे हैं, क्या आप दान दे रहे हैं?'

उद्धव ठाकरे गुट लगातार सरकार पर हमलावर

उद्धव ठाकरे गुट लगातार लाडकी बहिन योजना को लेकर महायुति सरकार पर हमलावर है। पार्टी के नेता आदित्य ठाकरे ने भी बीते दिनों राज्य सरकार पर इस योजना को लेकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि 'यह एक बेशर्मी भरी अलग तरह की राजनीतिक है। वे (महायुति सरकार) अपने वादों के खिलाफ काम कर रहे हैं। लाडकी बहनों को सिर्फ 1500 रुपये दिए गए। साथ ही लाभार्थियों की संख्या भी घटाने की तैयारी चल रही है।' लाडकी बहिन योजना के तहत राज्य सरकार प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक मदद मुहैया कराती है।

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा बोले

सवाब की शिक्षा देने वाले धर्म ग्रंथ मुल्ला मौलवी पर भी कार्यवाही हो

भोपाल, 4 मई (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में लव जिहाद को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो रही है। लव-जिहाद से जुड़े एक हालिया प्रकरण में भोपाल के हुज़ूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई अपराधी यह स्वीकार करता है कि वह इस्लाम धर्म के नाम पर अपराध कर रहा है, तो इस शिक्षा की जड़ तक जाकर कार्रवाई होनी चाहिए।

विधायक शर्मा ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर पूछा है कि यदि आरोपी यह कहता है कि हिंदू बहन-बेटियों के साथ बलात्कार करने पर उसे 'सवाब' (धार्मिक पुण्य) मिलता है, तो यह किस धर्मग्रंथ में लिखा है? उन्होंने मांग की है कि ऐसे कथनों की तह में जाकर जांच की जाए कि ऐसी सोच किस ग्रंथ, स्थल या व्यक्ति द्वारा आरोपियों में पैदा की गई। उन्होंने कहा कि जिस ग्रंथ में यह लिखा है, उसकी जब्ती की जानी चाहिए।

यह देखा जाए कि अपराध की यह प्रेरणा किस स्थल से मिली- किसी मस्जिद से, मदरसे से या किसी मौलवी द्वारा सिखाई गई? ऐसे मौलवियों और धर्म-शिक्षकों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। रामेश्वर शर्मा ने जोर देकर कहा कि केवल आरोपी तक सीमित रहने के बजाय अपराध की वैचारिक जड़ तक पहुंचना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसे ग्रंथ और लोग देश में मौजूद हैं जो युवाओं को सिखा रहे हैं कि यदि वे अपराध करेंगे तो उन्हें जन्नत मिलेगी, तो उन पर भी कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह तय करना जरूरी है कि उन्हें जन्नत मिलेगी या कब्रिस्तान, लेकिन पहले इस सोच की तह तक जाकर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करना जरूरी है।

नीट अभ्यर्थियों को ठगने के आरोप में चार गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 4 मई (एजेंसियां)। ओडिशा में पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए नीट अभ्यर्थियों को ठगने पर एक अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त एसडी सिंह ने बताया कि ओडिशा के दो लोगों सहित चार लोगों को शनिवार को भुवनेश्वर विशेष अपराध इकाई ने गिरफ्तार किया। यह गिरोह मेडिकल कॉलेजों में दाखिले का वादा करके उम्मीदवारों से पैसे लेता था। वह फर्जी उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठाने वाला था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किये गये चार लोगों की पहचान झारखंड के प्रियदर्शी कुमार, बिहार के अरविंद कुमार तथा ओडिशा के सुनील सामंत्रे और रुद्र नारायण बेहरा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस काम में स्थानीय जासूस शामिल थे, जो आधार कार्ड सहित नीट उम्मीदवारों के विवरण प्राप्त करते थे, जिससे उनका पंजीकरण आसान हो जाता था। एक बार एडमिट कार्ड प्राप्त हो जाने के बाद उन्हें बिहार में गुर्गों को सौंप दिया जाता था।

'पाकिस्तान से युद्ध करेंगे भी या नहीं'

संजय राउत का पीएम मोदी पर तंज- भटकाने के लिए जातीय गणना ?

मुंबई, 4 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद से महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टी शिवसेना यूबीटी लगातार केंद्र सरकार से जवाबी कार्रवाई की मांग कर रही है। जहां एक तरफ पीएम मोदी लगातार सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कर रहे हैं। वहीं शिवसेना (यूबीटी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए सवाल उठाया है कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध सचमुच होगा? यह सवाल तब उठाया गया जब प्रधानमंत्री मोदी ने अचानक जाति आधारित जनगणना कराने का ऐलान किया, जिससे पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की चर्चा का रुख पूरी तरह बदल गया। शिवसेना यूबीटी का आरोप है कि यह कदम महज एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा था, जिसने धार्मिक विवादों को तूल दिया और जाति आधारित चर्चा को प्रमुख बना दिया।

युद्ध की बात से भटकाने के लिए जातीय गणना का फैसला- संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के संपादकीय में संजय राउत ने लिखा, जब भारत-पाक युद्ध की संभावना पर चर्चा हो रही थी, उसी समय प्रधानमंत्री मोदी ने जाति जनगणना के फैसले की घोषणा की। इससे युद्ध की चर्चा का रास्ता पूरी तरह से बदल गया। अब लोग धर्म के बजाय जाति की बात कर रहे हैं और यह बीजेपी की राजनीति का हिस्सा है। उनका कहना था कि युद्ध के लिए जो माहौल मोदी ने तैयार किया, वही अब राजनीतिक फायदे के लिए जातिवाद की ओर मोड़ा गया है।

पाकिस्तान को धमकाने के लिए बिहार को चुना- संजय राउत

राउत ने आरोप लगाया कि मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देने के लिए बिहार की धरती का चयन किया। हालांकि, पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। इसके बजाय मोदी चुनाव प्रचार के लिए बिहार पहुंच गए, जबकि देश में आक्रोश फैल चुका था। राउत ने यह भी सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री को दिल्ली में रहकर सर्वदलीय बैठक में भाग लेना चाहिए था, बजाय इसके कि वह प्रचार में व्यस्त रहते। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि पाकिस्तान द्वारा भेजे गए आतंकवादियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है, जबकि पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी 'थर-थर कांपते' हुए दिखाए जा रहे हैं। राउत ने इसे सत्ताधारी बीजेपी की विफलता करार दिया और कहा कि युद्ध के समय देश को एकजुट होकर सच का सामना करना चाहिए, लेकिन बीजेपी नफरत की राजनीति में लिप्त है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
अंधकार के बिना तो तारे भी नहीं चमकते तो परेशान क्यों होते हो ।

सरकार दो साल में देवदुला परियोजना पूरी करेगी : उत्तम

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य सरकार अगले दो वर्षों के भीतर जे. चोक्का राव देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना को पूरा करेगी, जिससे राज्य के बड़े हिस्से में स्थायी सिंचाई राहत मिलेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले ही पर्याप्त धन आवंटित करने, भूमि अधिग्रहण की बाधाओं को दूर करने और लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्णय लिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजना संयुक्त वारंगल जिले और अलेयर और भोंगीर क्षेत्रों में किसानों को पानी पहुंचाए। उन्होंने कहा, हम देवदुला परियोजना को पूरा करेंगे और संयुक्त वारंगल और भोनगीर जिलों में 6 लाख एकड़ जमीन को सिंचाई सुविधाएं प्रदान करेंगे। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और विधायकों कडियम श्रीहरि, यशस्विनी रेड्डी और नयिनी राजेंद्र रेड्डी के साथ धर्मसागर मंडल में देवदुला परियोजना कार्यों के निरीक्षण के दौरान, मंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केसीआर के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले दस वर्षों में सिंचाई पर 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे, लेकिन कोई महत्वपूर्ण अयाकट बनाने में विफल रही। मंत्री ने बीआरएस पर परियोजना के अनुमानों को बढ़ाने, निष्पादन को गलत तरीके से प्रबंधित करने और कृषक समुदाय को ठोस लाभ दिए बिना राज्य को गहरे वित्तीय कर्ज में धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अब सभी लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करके और खर्च किए गए हर रुपये से खेतों में पानी पहुंचाकर उस ऐतिहासिक भूल को सुधार रही है। मंत्री ने देवदुला चरण- III पैकेज- III के तहत 49.06 किलोमीटर लंबी मुख्य सुरंग की प्रगति की समीक्षा की और देवन्नापेट पंप हाउस का दौरा किया, जहां अधिकारियों ने बताया कि पंप-02 पहले ही चालू हो चुका है और 62 घंटे तक धर्मसागर जलाशय में पानी पंप किया गया है। पंप-01 को 31 मई तक और पंप-03 को 31 जुलाई तक चालू कर दिया जाएगा। सुरंग के अंत में होने वाली लीकेज को दूर करने और मिशन भागीरथ पाइपलाइनों में व्यवधान से बचने के लिए, कामारेड्डी में मंजीरा परियोजना से 110 बड़े स्टील पाइपों को लाया गया है, और तीनों पंक्तियों में पाइप डालने का काम चल रहा है, जिसके मई के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 3,312 करोड़ रुपये की आवश्यकता है और इसका लक्ष्य नौ सूखाग्रस्त जिलों में 5.57 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई करना है।

बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या, सोने की चेन गायब

पुलिस को लूट का संदेह

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल के सूर्यनगर में शनिवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने एक दम्पति की कथित तौर पर हत्या कर दी। पीड़ित कनकियाह जो चौकीदार का काम करता था और उसकी पत्नी राजम्मा जो गृहिणी है, अलवल के सूर्यनगर में रहते थे। वे पिछले छह महीने से सूर्यनगर में रह रहे हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण कनकियाह काम पर नहीं जा रहा था और घर पर ही रहता था। शनिवार की शाम को मैं पड़ोस में रहने वाली उनकी बेटी के घर गया और वापस घर आ गया। पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह राजम्मा के दूध का पैकेट लेने के लिए अपने रिश्तेदारों के घर न जाने पर रिश्तेदार घर आए। कमरों की जांच करने पर उन्हें घर में दंपत्ति मृत मिले। राजम्मा के शव पर चोट के निशान थे और घर में एक डंडा पड़ा था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि राजम्मा द्वारा पहनी गई सोने की चेन भी घर से गायब थी। अलवल पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

मिस ब्राजील व मिस साउथ अफ्रीका हैदराबाद पहुंचीं, जोरदार स्वागत

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आयोजित होने वाली मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लेने वाली विभिन्न देशों की सुंदरियां एक-एक करके आ रही हैं। इस मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की प्रतियोगी इस महीने की 6 तारीख से हैदराबाद पहुंचेंगी। मिस ब्राज़ील जेसिका स्कैंडिउज़ी पेड्रोसो (ब्राज़ील) आज सुबह शमशाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचीं। शमशाबाद पहुंची मिस ब्राजील का अधिकारियों ने तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं के अनुसार भव्य स्वागत किया। इस बीच, मिस वर्ल्ड की सीईओ और चेयरपर्सन जूलिया एवलिन मोर्ले और मिस कनाडा की एम्मा डायना कैथरीन मॉरिसन पहले ही पहुंच चुकी हैं। इसी क्रम में तेलंगाना राज्य सरकार ने पारंपरिक आतिथ्य के साथ मिस साउथ अफ्रीका सुश्री ज़ोलिज़ जेनसन वैन रेंसबर्ग का गर्मजोशी से स्वागत किया।

फीस प्रतिपूर्ति में देरी को लेकर हरीश राव ने की सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया चुकाने में राज्य सरकार की विफलता ने लगभग 6 लाख छात्रों के भविष्य को दांव पर लगा दिया है। उन्होंने शिक्षा के वित्तपोषण की उपेक्षा करते हुए भुगतान में ठेकेदारों को प्राथमिकता दिए जाने पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने वादे पूरे करने में विफल रही है, जिससे राज्य के डिग्री कॉलेजों पर फीस प्रतिपूर्ति का बोझ 800 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस देरी के कारण संस्थानों पर गंभीर वित्तीय संकट आ गया है, जिससे कुछ संस्थानों को प्रवेश रोकने और यहां तक कि अस्थायी रूप से बंद करने पर मजबूर होना पड़ा है।

छात्र अब सरकार से अपनी डिग्री परीक्षाएं आयोजित करने की गुहार लगा रहे हैं, जो अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई हैं। समय पर परीक्षाएं आयोजित न होने के कारण अंतिम वर्ष के छात्र पीजी-सीईटी और एलए-सीईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पात्रता खो रहे हैं।

काकतीय, सातवाहन, तेलंगाना, महात्मा गांधी और पलामुरु सहित विश्वविद्यालयों ने अभी तक अप्रैल की डिग्री परीक्षा आयोजित नहीं की है, जो प्रशासन की अक्षमता को उजागर करता है। हरीश राव ने बताया कि बीआरएस शासन के तहत, आर्थिक संकट के दौरान भी शुल्क प्रतिपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रही।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान फीस प्रतिपूर्ति के लिए 19,000 करोड़ रुपये जारी किए। हालांकि, पिछले 17 महीनों में कांग्रेस सरकार उस राशि का एक अंश भी जारी करने में विफल रही है। तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए राव ने राज्य सरकार से लंबित बकाया का भुगतान करने और बिना देरी के परीक्षाएं आयोजित करने को सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

5,413 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क अवसंरचना राष्ट्र को समर्पित की जाएगी : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज कहा कि तेलंगाना राज्य में सड़क अवसंरचना के विकास में एक बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने रविवार को इस आशय की घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 5 मई को 5,413 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया

कि इन सड़क परियोजनाओं से तेलंगाना राज्य में कनेक्टिविटी में सुधार होगा, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार मजबूत और भविष्य-प्रूफ अवसंरचना के निर्माण के माध्यम से तेलंगाना राज्य के विकास को निरंतर समर्थन प्रदान करना जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि सिरपुर कागजनगर परियोजना का मूल्य 3,862 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि 3694 करोड़ रुपये की लागत से 123 किलोमीटर लंबी सड़कों का उद्घाटन समारोह और 168.47 करोड़ रुपये की लागत से 8.1 किलोमीटर लंबी बनने वाली सड़क का भूमिपूजन समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद परियोजना की लागत 1,552.91 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि 895.64 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 22.57 किलोमीटर लंबी सड़क का उद्घाटन और 657.27 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 20.87 किलोमीटर लंबी सड़क का शिलान्यास किया जाएगा।

बेल्लमपल्ली-गढ़चिरौली राजमार्ग में अभी भी देरी

गडकरी के दौरे से पुनर्जीवित होगी परियोजना, बढ़ी उम्मीद

मंचेरियल, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेल्लमपल्ली और गढ़चिरौली के बीच प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के निवासियों के लिए एक दूर का सपना बना हुआ है। जनवरी 2023 में, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारतमाला परियोजना के तहत बेल्लमपल्ली और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के बीच 63 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए हवाई सर्वेक्षण को मंजूरी दी और अधिसूचित किया। इस सड़क की योजना माओवादी गतिविधि को रोकने और पिछड़े क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई थी।

यह राजमार्ग 530 किलोमीटर लंबे हैदराबाद-रायपुर एक्सप्रेसवे का हिस्सा है, जिसे 45,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया गया है।

यह मार्ग रायपुर को दुर्ग, राजनांदगांव, गढ़चिरौली, गोंडपिपरी, बेलमपल्ली, मंचेरियल, रामागुंडम और करीमनगर के रास्ते हैदराबाद से जोड़ता है, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाता है। एनएचएआई की अधिसूचना के अनुसार, 63 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे दोनों जिलों के आठ मंडलों के 48 गांवों से होकर गुजरेगा। 70 मीटर चौड़ी सड़क मंचेरियल के थंडूर मंडल के अन्नाराम गांव से शुरू होगी और गढ़चिरौली में प्रवेश करने से पहले कुमराम भीम आसिफाबाद के कौटाला मंडल के वीरवेल्ली में समाप्त होगी।

प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार राजमार्ग के लिए 225 से 270 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी और यह किसी भी बस्ती को विस्थापित किए बिना कृषि भूमि को काटेगा। इस परियोजना का उद्देश्य माओवादी प्रभाव को कम करना और ग्रामीण आर्थिक बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। स्थानीय लोगों को केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर बहुत उम्मीदें थीं, उन्हें उम्मीद थी कि इससे कृषि, विपणन और परिवहन सुविधाओं में वृद्धि होगी। लेकिन, दो साल में परियोजना में कोई प्रगति नहीं हुई है। निवासियों को उम्मीद है कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का निर्धारित दौरा- जो मंगलवार को कुमराम भीम आसिफाबाद में मंचेरियल और गोयागांव के बीच 3,500 करोड़ रुपये की लागत से बने 94 किलोमीटर लंबे एनएच-363 का उद्घाटन करने वाले हैं- रुकी हुई परियोजना को गति प्रदान कर सकते है।

कर्मचारियों के लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठक

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सुंदरय्या विज्ञान भवन में तेलंगाना राज्य कर्मचारी, राजपत्रित अधिकारी, शिक्षक, श्रमिक और पेंशनभोगी संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजीईजेएसी) की एक दिवसीय व्यापक बैठक हुई। कर्मचारियों के लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बुलाई गई इस बैठक में 33 जिलों, हैदराबाद शहर, सचिवालय समिति और टीजीईजेएसी के 206 संबद्ध यूनियन नेताओं के हजारों नेताओं की भारी उपस्थिति देखी गई। कार्यक्रम में बोलते हुए टीजीईजेएसी के अध्यक्ष मरम जगदीश्वर और महासचिव एलुरी श्रीनिवास राव ने कहा कि कर्मचारियों के मुद्दों को सुलझाने में सरकार की उदासीनता और लापरवाही 13 लाख 31,000 परिवारों को संकट में डाल रही है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की बुनियादी समस्याओं के बारे में पिछली सरकार की टालमटोल की रणनीति और लापरवाह नीतियों ने गंभीर अशांति पैदा की थी। इस अशांति और आक्रोश ने नई सरकार के सत्ता में आने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, कर्मचारी परिवारों को उम्मीद थी कि उनकी मुश्किलें खत्म होंगी और एक नए युग की शुरूआत होगी। हालांकि, सत्ता परिवर्तन के 18 महीने बीत चुके हैं, सरकार को बार-बार प्रतिनिधित्व देने, उनके घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने का आग्रह करने और समाधान के लिए समय मांगने पर इंतजार करने के बावजूद, मुद्दों को प्राथमिकता देने के बावजूद सरकार ने समाधान खोजने के लिए कोई ईमानदारी नहीं दिखाई है। सात महीने पहले गठित कैबिनेट सब-कमेटी की एक बार भी बैठक नहीं हुई है। तेलंगाना एक ऐसा राज्य है जिसने पांच महंगाई भत्ते घोषित नहीं किए हैं, जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक अभूतपूर्व स्थिति है। यह राज्य की प्रतिष्ठा के लिए हानिकारक है। थोक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक बढ़ने के साथ, डीए, जो इन सूचकांकों के आधार पर कर्मचारियों का एक स्वाभाविक अधिकार है, तुरंत जारी किया जाना चाहिए। सरकार के समक्ष रखी गई मांगों में सबसे बड़ी प्राथमिकता लंबित बिलों में 10,000 करोड़ का भुगतान है।

कर्मचारी परिवारों की मेहनत की कमाई को, जो उनकी तात्कालिक और दीर्घकालिक जरूरतों के लिए होती है, आवश्यकता पड़ने पर रोक लेना अमानवीय है। बच्चों की शिक्षा, विवाह, चिकित्सा आपात स्थिति और आवास की जरूरतों के लिए धन की अनुपलब्धता गंभीर मानसिक और शारीरिक संकट का कारण बन रही है। 24 अक्टूबर 2024 को मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान उन्होंने आश्वासन दिया था कि लंबित बिलों का 15 दिनों के भीतर भुगतान कर दिया जाएगा। हालांकि, अभी तक 10 प्रतिशत भी भुगतान नहीं हुआ है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 16 महीने के भीतर लंबित बिलों का भुगतान करने के लिए अप्रैल 2025 से हर महीने 650 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। लेकिन, अप्रैल में 5 करोड़ रुपये भी आवंटित नहीं किए गए, क्योंकि इस तरह के बार-बार उल्लंघन से कर्मचारियों का विश्वास खत्म हो रहा है। वेतन पुनरीक्षण के लिए गठित पीआरसी कमेटी के अध्यक्ष शिव शंकर का कार्यकाल डेढ़ साल पहले समाप्त हो गया था। सरकार को अभी तक इसकी रिपोर्ट भी नहीं मिली है।

रिपोर्ट प्राप्त की जानी चाहिए, और लंबित पांच डीए सहित 51 प्रतिशत फिटमेंट के साथ वेतन संशोधन की घोषणा की जानी चाहिए। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों ने सरकार से समान योगदान के साथ एक स्वास्थ्य योजना (ईएचएस) के कार्यान्वयन का अनुरोध किया है। इसके लिए ट्रस्ट और दिशानिर्देश पिछली सरकार के दौरान स्थापित किए गए थे। हमने अनुरोध किया कि इसे मामूली संशोधनों के साथ लागू किया जाए और फिट तरीके से बनाया जाए। सरकार ने इस दिशा में एक भी कदम नहीं उठाया है। स्वास्थ्य सेवा खर्च के कारण कर्मचारी आर्थिक रूप से तबाह हो रहे हैं। हमने कई गैर-वित्तीय बोझ के मुद्दों के समाधान का भी अनुरोध किया है, जैसे कि समय पर पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) का समय पर गठन और अप्रैल और मई में सामान्य स्थानांतरण के साथ एक विशिष्ट स्थानांतरण कैलेंडर की स्थापना।

कर्मचारियों ने सीएम रेवंत रेड्डी के जन-केंद्रित शासन के लक्ष्यों को जनता तक पहुंचाने, परिणाम प्राप्त करने और जीत का जश्न मनाने में लगन से भाग लिया है। कई सर्वेक्षणों ने संकेत दिया है कि तेलंगाना के कर्मचारी लंबे समय तक काम करते हैं कर्मचारी समुदाय तेलंगाना समाज को अपना परिवार मानता है और राष्ट्र के लिए एक मिसाल कायम कर रहा है। हम जनता की सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इसे पहचाने और कर्मचारियों के मूलभूत मुद्दों को बिना किसी देरी के तुरंत हल करे, लोगों की आकांक्षाओं और समस्याओं पर समय पर प्रतिक्रिया दे, उन्हें सरकार के ध्यान में लाए, त्वरित समाधान के लिए प्रयास करे, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान प्रतिक्रिया दे और सामाजिक जिम्मेदारी की पोषित परंपरा को जारी रखे।

बंडी संजय ने माओवादियों से बातचीत से किया इनकार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को माओवादियों के साथ बातचीत की संभावना से इनकार किया, जब तक कि वे हथियार नहीं छोड़ देते। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंदूक रखने वालों और निर्दोष लोगों की हत्या करने वालों से कोई बातचीत नहीं होगी। करीमनगर जिले के कोत्तापल्ली में उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से बातचीत का सवाल ही नहीं उठता।

बंडी संजय ने याद दिलाया कि माओवादी संगठन पर प्रतिबंध लगाने वाली कांग्रेस पार्टी ही थी। उन्होंने कहा कि माओवादियों ने कांग्रेस, भाजपा और टीडीपी के नेताओं समेत कई नेताओं की हत्या की। उन्होंने निर्दोष लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी और कई परिवारों को भावनात्मक आघात पहुंचाया। जब तक माओवादी हिंसा का त्याग नहीं करते, तब तक उनके साथ कोई बातचीत नहीं होगी।

राज्य मंत्री ने कहा कि वामपंथी उग्रवादियों ने कई निर्दोष आदिवासियों को पुलिस मुखबिर बताकर उनकी हत्या कर दी। सीपीआई (माओवादी) ने हाल ही में सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के खिलाफ जारी हमले को रोकने के लिए अपना आह्वान दोहराया और बातचीत के लिए अपनी पेशकश दोहराई। प्रतिबंधित संगठन ने सरकार से एक महीने के लिए चल रहे 'ऑपरेशन कगार' को रोकने का आह्वान किया, ताकि बातचीत के जरिए समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए शांति वार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और तेलंगाना सरकार के सलाहकार के. केशव राव ने भी केंद्र से 'ऑपरेशन कगार' बंद करने और माओवादियों के साथ शांति वार्ता करने का आग्रह किया है। पूर्व सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए माओवादी विरोधी अभियान पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, लेकिन राज्य को माओवादी हिंसा से चतुराई से निपटना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि पुलिस और सशस्त्र बल उग्रवादियों की हिंसा के सामने चुप नहीं रह सकते। केशव राव ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह चरमपंथी समूहों द्वारा शांति के लिए बातचीत शुरू करने के प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत चरमपंथियों द्वारा हथियार और हिंसा को विचारधारा के रूप में त्यागने से पहले होती है। राव ने कहा कि एक सार्थक बातचीत हिंसा को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है।

अवैध शराब की तस्करी, 2 गिरफ्तार

आदिलाबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जैनाथ मंडल के दोलारा गांव में एक ऑटो-रिक्शा द्वारा महाराष्ट्र में प्रतिबंधित देसी दारू या अवैध शराब की तस्करी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से 45,720 रुपये की कुल 1,270 शराब की बोतलें जब्त की गईं। निषेध एवं आबकारी विभाग से संबंधित टास्क फोर्स और प्रवर्तन विंग के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि गांधीनगर और आदिलाबाद शहर के वोडेरा कॉलोनी से क्रमशः सूरा रवि और चिंताला सुजाता को एक गुप्त सूचना के बाद बोतलें ले जाते समय गिरफ्तार किया गया। उन्हें एक अदालत में पेश किया गया और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस अभियान में जिला टास्क फोर्स इंस्पेक्टर मुटयाम, प्रवर्तन निरीक्षक अकबर हुसैन और विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया।

हैदराबाद में कड़ी सुरक्षा के बीच हुई नीट-यूजी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी 2025 रविवार को हैदराबाद में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। राज्य सरकार ने 190 परीक्षा केंद्र स्थापित किए थे, जिन पर कुल 72,507 अभ्यर्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया था। स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड चोंगथु के अनुसार , राज्य के अन्य जिलों की तुलना में हैदराबाद में सबसे अधिक 62 एनईईटी परीक्षा केंद्र थे, जहां लगभग 26,000 एमबीबीएस अभ्यर्थी पंजीकृत थे और परीक्षा देने वाले थे। जबकि वास्तविक परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच आयोजित की गई थी, पंजीकृत उम्मीदवारों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक परीक्षा केंद्रों में प्रवेश करने की अनुमति दी गई थी। नीट परीक्षा केंद्रों पर छात्रों की जानकारी की जांच और उन्हें एकत्र करने के लिए व्यवस्था की गई थी।

परीक्षा प्रक्रिया की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्रतिरूपण को रोकने के लिए, अधिकारियों ने नीट छात्रों के डेटा को कैप्चर करने के लिए परीक्षा केंद्रों पर तैनात बायोमेट्रिक मशीनों के रूप में विशेष व्यवस्था का उपयोग किया। पंजीकरण के दौरान दिए गए डेटा से मिलान करने के लिए उम्मीदवारों के फिंगरप्रिंट/चेहरे की विशेषताओं को बायोमेट्रिक मशीनों के माध्यम से कैप्चर किया गया। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने परीक्षाओं को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी को नोडल अधिकारी और एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को नियुक्त किया है।

नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में 238 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने शनिवार रात विशेष शराबबंदी अभियान के दौरान 238 लोगों को पकड़ा, जिनमें 187 दोपहिया वाहन चालक, 4 तिपहिया वाहन चालक, 45 कार चालक और शेष भारी वाहन चालक शामिल थे। पकड़े गए लोगों में सबसे ज्यादा 83 लोग 31 से 40 साल की उम्र के हैं, जबकि 78 लोग 21 से 30 साल की उम्र के हैं। नशे में गाड़ी चलाते समय जांच के दौरान 51 साल से ज्यादा उम्र के सिर्फ 12 लोग पकड़े गए। चेवेल्ला पुलिस ने 27 लोगों को पकड़ा, उसके बाद मियापुर ने 24 और बालानगर ने 20 लोगों को पकड़ा।

जीडीमेटला में 25 वर्षीय महिला ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला में शनिवार रात एक 25 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, लक्ष्मी उर्फ पूजा अपने पति हरि कृष्ण और भाई के साथ जीडीमेटला के सुभाषनगर में एक अपार्टमेंट में रहती थी। यह जोड़ा आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात को महिला बिल्डिंग की छत पर गई और वहां से कूद गई। सिर में चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर जीडीमेटला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल पहुंचाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और महिला ने आत्महत्या क्यों की, इसका पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

टैक्स चोरी में फंसे राज्य कर के चार अफसर, 165 करोड़ की चोरी उजागर

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में राज्य कर विभाग में 600 करोड़ रुपये के हेरफेर से जुड़े मामले में चार वरिष्ठ अधिकारी फंस गए हैं। कानपुर से जुड़े इस प्रकरण में करीब 165 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें अपर आयुक्त स्तर के एक, संयुक्त आयुक्त स्तर के एक और उपायुक्त स्तर के दो अधिकारियों के नाम हैं। कानपुर की एक मसाला और तंबाकू निर्माता फर्म की जांच राज्य कर विभाग की विशेष जांच शाखा ने की थी। जांच अपर आयुक्त स्तर के अधिकारी ने कराई थी। जांच में मसाला इकाई में आठ मशीनें मिलीं थीं। एक मशीन की स्पीड प्रति मिनट 2000 पाउच तैयार करने की होती है। विभाग के स्तर से 1000 पाउच प्रति मिनट की गणना की जाती है। लेकिन जांच अधिकारियों ने केवल 400 पाउच प्रति मिनट की स्पीड के आधार पर उत्पादन की रिपोर्ट बनाई। दोबारा जांच में भी इसी गणना के हिसाब से रिपोर्ट दाखिल की गई। आठ मशीनों के बजाय एक मशीन की रिपोर्ट लगाई गई। इस तरह करीब 600 करोड़ के टर्नओवर को छिपाकर लगभग 165 करोड़ की कर चोरी को छिपाया गया। इसी आधार पर संबंधित निर्धारण अधिकारी ने भी आदेश पारित कर दिया। पूरे मामले में अपर आयुक्त ग्रेड वन ने चार अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी है। लेकिन, रिपोर्ट में कार्रवाई होने से पहले चार्जशीट की संस्तुति करने वाले अपर आयुक्त को मूल तैनाती से हटाकर मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है।

सीएम नीतीश के काम को चुनाव में भुनाएगी जदयू

बोधगया में प्रवक्ताओं के साथ दो दिन होगा मंथन

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। बिहार में चुनावी बिसात बिछायी जाने लगी है। राजनीतिक दलों की तरफ से सम्मेलन, सभाएं और रैलियों का आगाज हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू भी चुनावी रंग में आ गयी है। विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के बीच केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया है। बिहार में तेजस्वी यादव जातीय जनगणना का मुद्दा प्रमुखता से उठा रहे थे। केंद्र सरकार के फैसले से विपक्ष का बड़ा मुद्दा छिन गया है। नीतीश कुमार की पार्टी ने जातीय जनगणना की घोषणा को बिहार की जनता तक पहुंचाने का फैसला लिया है। आगामी 6 और 7 मई को बोधगया में जदयू के प्रदेश प्रवक्ताओं को टिप्स दिया जाएगा। प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने बताया कि बोधगया की बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश, जिला और मंडल स्तर के सभी प्रवक्ताओं को बैठक में बुलाया गया है। अरविंद निषाद ने कहा कि 20 साल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास के काम से अलग पहचान बनाई है। बोधगया की बैठक में प्रवक्ताओं के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने पर मंथन होगा।

दो दिन जदयू करेगी मंथन

उन्होंने कहा कि जदयू लंबे समय से जातीय जनगणना कराए जाने की मांग करती रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 1990 से जातीय जनगणना के मुद्दे पर लगातार आंदोलनरत हैं। केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना की घोषणा कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पुरानी मांग को पूरा करने का काम किया है। बता दें कि जदयू-राजद की गठबंधन सरकार में जातीय सर्वे हो चुका है। बिहार में जातियों का सर्वेक्षण सरकार ने अपने बलबूते किया है।

बोधगया में जुटेंगे पार्टी नेता

जातीय सर्वे कराने के बाद आरक्षण की सीमा को भी सरकार ने बढ़ाकर 65 फीसद तक कर दिया। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जदयू प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देश में लोकप्रिय नेता बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लोक कल्याणकारी कामों की चर्चा देश भर में होती है। जातीय जनगणना की घोषणा के बाद विपक्ष की बोलती बंद हो गई है।

6 मई तक नहीं है यूपी में गर्मी की टेंशन

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मौसम ने करवट ली है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत 20 से ज्यादा जिलों में अगले पांच दिनों तक मौसम खराब बना रह सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए येलो अलर्ट घोषित किया है। इस दौरान तेज आंधी, बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश की आशंका जताई गई है। लोगों को सावधानी बरतने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

इन जिलों में जारी हुई येलो अलर्ट

येलो अलर्ट में जिन जिलों को शामिल किया गया है, उनमें लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, गोरखपुर, देवरिया, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, फतेहपुर, कौशांबी, मिर्जापुर, कुशीनगर, उन्नाव, मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मुरादाबाद, बरेली और शाहजहांपुर शामिल हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, यह बदलाव पूर्वी पाकिस्तान में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिल रहा है। इसके प्रभाव से तेज हवाओं के साथ गरज और चमक के बीच बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, छह मई तक प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम सुहाना बना रहेगा और तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी।

रिटायर्ड होमगार्ड का खूनी तांडव, नशे में बेटे-बहू पर चलाई गोली; एक की मौत

बड़हलगंज, 4 मई (एजेंसियां)। चौतीसा गांव में शनिवार की रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी।रिटायर्ड होमगार्ड ने शराब के नशे में अपने ही बेटे और छोटी बहू (छोटे बेटे की पत्नी) को लाइसेंसी दो नाली बंदूक से गोली मार दी। इस वारदात में बेटे की मौत हो गई है, बहू की स्थिति खतरे से बाहर है। बहू को बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। बड़हलगंज थाना पुलिस ने आरोपित पिता को बंदूक के साथ गिरफ्तार कर लिया है। रात नौ बजे चौतीसा गांव में रहने वाले रिटायर्ड होमगार्ड, हरि यादव शराब के नशे में घर लौटे। आरोप है कि घर आते ही वह स्वजन से विवाद करने लगे। विरोध करने पर हरि यादव ने लाइसेंसी दो नाली बंदूक से बेटे अनूप यादव (38) और छोटी बहू सुप्रिया यादव (30) पत्नी जीतनारायन यादव पर गोली चला दी। अनूप यादव को गोली सीने में और सुप्रिया के पेट और बाएं हाथ में लगी है। घटना के बाद दोनों लहूलुहान हो गए। परिवार ने तत्काल उन्हें सीएचसी बड़हलगंज ले गए जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में पहुंचे बड़हलगंज थानेदार चंद्रभान सिंह ने आरोपित पिता को लाइसेंसी बंदूक के साथ गिरफ्तार कर लिया। गोली से घायल हुई सुप्रिया के पति जीतनरायन यादव रोजगार के सिलसिले में बाहर गए हैं।

प्रतापगढ़ के कुंडा से लखनऊ पहुंचीं महिलाओं ने की शिकायत, सीएम योगी बोले- इनको बख्शेंगे नहीं

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ में अपने आवास पर 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए दर्जनों लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 60 से अधिक फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं का न सिर्फ ध्यानपूर्वक संज्ञान लिया, बल्कि संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाना है। इसके लिए सरकार पहले दिन से पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता ही हमारी शासन व्यवस्था की रीढ़ है। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री एक-एक फरियादी तक खुद पहुंचे, उनका हाल-चाल पूछा और फिर हर मामले की बारीकी से जानकारी ली। फरियादियों में वृद्धावस्था पेंशन, जमीन विवाद, आवास, बिजली कनेक्शन, चिकित्सा सहायता और पुलिस से संबंधित समस्याएं लेकर आए लोग शामिल थे। मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं के लिए संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपा और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

कुंडा से आई महिलाओं ने की ये शिकायत

प्रतापगढ़ के कुंडा से आई महिलाओं ने पुलिस से संबंधित अपनी शिकायत रखी, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इसी तरह मड़ियाव थाना क्षेत्र के एक बुजुर्ग राजमिस्त्री वृद्धावस्था पेंशन की मांग लेकर पहुंचे, जिस पर मुख्यमंत्री ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने न सिर्फ समस्याएं सुनीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी प्रमुखता दी। परिवार के साथ आए छोटे बच्चों को उन्होंने दुलारा, उनसे पढ़ाई के बारे में पूछा और उन्हें चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री ने बच्चों को खूब पढ़ने और बड़ा बनने का आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर सप्ताह जनता दर्शन के जरिए आम लोगों से सीधे संवाद करते हैं। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री की कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है, जिसमें वे सीधे तौर पर जनता की समस्याएं सुनते हैं और अधिकारियों को कड़ी निगरानी में समाधान के निर्देश देते हैं।

जीएसटी अधिकारी ने 1 करोड़ के लिए तोड़ी शादी

लखनऊ में युवती के पिता ने दर्ज कराई एफआईआर, अब जज की बेटी से कर रहा छिप कर शादी

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। लखनऊ में जीएसटी अधिकारी के खिलाफ एक करोड़ रुपए दहेज मांगने का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी अभी गाजियाबाद में तैनात है। युवती के पिता का आरोप है कि 51 लाख रुपए और क्रेटा कार दहेज में देने की बात तय हुई थी। दूल्हे और उसके परिवार ने एक करोड़ रुपए की मांग की। इसके बाद रिश्ता तोड़ दिया। जीएसटी अधिकारी की लखनऊ में 8 मई को शादी होनी है। चिनहट थाना पुलिस ने जीएसटी अधिकारी सचिन सिंह, उनके पिता विनोद सिंह और चाचा विनीत सिंह (एडीएम गोरखपुर) समेत पूरे परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़ित ने पुलिस से शादी रुकवाने की गुहार लगाई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही। वहीं सचिन सिंह के परिजनों का कहना है कि मामला फर्जी है। 6 महीने पहले शादी तय हुई थी। लड़की वालों के व्यवहार के चलते शादी टूट गई थी। आजमगढ़ के तरवा भिलिहिली निवासी ने संजय सिंह ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर से शिकायत दी। संजय सिंह ने कहा कि गोरखपुर में सचिन के चाचा विनीत सिंह (एडीएम, गोरखपुर) के घर पर सचिन, उसके पिता विनोद सिंह और विनीत सिंह के समक्ष 30 लाख रुपए नगद दिए थे। इसके बाद 20 अप्रैल 2024 को आजमगढ़ के एक होटल में तिलक और गोदभराई का कार्यक्रम हुआ। शादी की तारीख 23 नवंबर 2024 तय की गई थी और इसके लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 2.52 लाख रुपए देकर बुकिंग भी की गई। लेकिन कुछ दिनों बाद आरोपियों ने 50 लाख रुपए अतिरिक्त दहेज की मांग की। उन लोगों ने कहा कि एक अन्य रिश्ते में 1 करोड़ रुपए मिल रहे हैं। संजय सिंह ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि अब सचिन सिंह, अपर जिला जज की बेटी से 8 मई को अमारा फार्म एंड रिसॉर्ट, अर्जुनगंज, लखनऊ में शादी करने जा रहे हैं।

इसका निमंत्रण कार्ड भी शिकायत के साथ संलग्न किया गया है। संजय सिंह का कहना है कि इससे उनकी बेटी मानसिक रूप से आहत हुई है, परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हुई है और लाखों की आर्थिक नुकसान हुआ है। शिकायतकर्ता ने पुलिस आयुक्त लखनऊ और थानाध्यक्ष चिनहट से मांग की है कि 8 मई को होने वाली शादी को तत्काल रोका जाए। सचिन सिंह, विनोद सिंह, विनीत सिंह समेत पूरे परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

25 फीट गहरी टंकी में गिरी महिला, चीखने-चिल्लाने पर युवक ने बचाई जान

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। बेगूसराय में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला अचानक शौचालय की 25 फीट गहरी टंकी (सेप्टिक टैंक) में गिर गई। महिला के चीखने-चिल्लाने पर फौरन एक स्थनीय युवक ने महिला की मदद की और कड़ी मशक्कत के बाद उसकी जान बचा ली। फिलहाल, उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। महिला की पहचान संतोष पोद्दार की पत्नी के रूप में हुई है। घटना के समय अंधेरा होने के कारण सोनी देवी अपने घर से बाहर निकलकर टहलने निकली थी। सड़क किनारे एक गड्ढा हाल ही में खोदा गया था और उसमें एक दिन पहले ही सीमेंट का पाट डाला गया था। रविवार को मिस्त्री द्वारा इसे ढंकने की योजना थी, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया।

'तू मेरी नहीं हुई, तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा', मऊ में 4 बच्चों के पिता ने युवती पर फेंका तेजाब, हालत नाजुक

मऊ, 4 मई (एजेंसियां)। यूपी के मऊ में इश्क के जुनून ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। शादी की तैयारियों में जुटी एक युवती पर सिरफिरे आशिक ने तेज़ाब फेंक दिया। वजह सिर्फ इतनी कि वो उसकी नहीं हो सकी। मामला मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र के कटिहारी गांव का है। 25 वर्षीय युवती की 23 मई को तिलक और 27 मई को शादी किसी दूसरे युवक से तय हुई थी। वह बैंक से पैसे निकालकर लौट रही थी, तभी पहले से घात लगाए दो नकाबपोश बाइक सवारों ने उस पर तेजाब फेंक दिया। तेजाब से युवती का चेहरा, गला और कंधा बुरी तरह झुलस गया। उसकी हालत गंभीर है। उसे तत्काल आज़मगढ़ के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, वह करीब 60 फीसदी झुलस चुकी है। अस्पताल में पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि हमलावरों में से एक ने कहा तू मेरी नहीं हुई, तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा। गिरफ्तार किए गए हमलावर की पहचान राम जनम सिंह पटेल के रूप में हुई है, जो युवती से पिछले पांच साल से प्यार करता था। जैसे ही उसे पता चला कि युवती की शादी एक युवक से तय हो गई है, उसने अपने साथियों मनोज और सुरेन्द्र के साथ मिलकर इस खौफनाक साजिश को अंजाम दिया।

जीतन राम मांझी का अपनी ही सरकार पर हमला 'एस्टीमेट घोटाले' का लगाया आरोप

गया, 4 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार की एनडीए सरकार पर 'एस्टीमेट घोटाले' का गंभीर आरोप लगाया है। जीतनराम मांझी के इस आरोप से बिहार में सियासी तूफान खड़ा हो गया है। एक कार्यक्रम में मांझी ने कहा कि बिहार में 10 रुपये के काम का एस्टीमेट 1000 रुपये का बनाया जाता है, और उसमें भी काम पूरा नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि 10 के काम में भी बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। बाकी 990 का तो कोई हिसाब ही नहीं रहता है। मांझी ने सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने 990 रुपये को बच्चों के कल्याणकारी कार्यक्रमों में लगाने का सुझाव दिया। मांझी खुद मोदी कैबिनेट में मंत्री हैं जबकि उनके बेटे संतोष सुमन नीतीश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

भ्रष्टाचार पर तीखा प्रहार

जीतन राम मांझी ने कहा, "आज 10 का एस्टीमेट 1000 का बनता है। उसका भी काम नहीं होता। जो 10 का एस्टीमेट है, उसमें भी खाने वाला खा जाता है। 990 का तो बात ही छोड़ दीजिए।" उन्होंने आगे कहा, "एस्टीमेट में गड़बड़ी हो रही है। हम सरकार से कहते हैं कि इस मामले में कार्रवाई करें। जो पैसा बचता है, उससे बच्चों के लिए कार्यक्रम बनाएं।" मांझी का यह बयान बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग, सड़क निर्माण, और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है, जहां प्रोजेक्ट की लागत को कथित रूप से कई गुना बढ़ाकर दिखाया जाता है।

अपनी ही सरकार पर हमला

मांझी का यह बयान बिहार की डबल इंजन सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा करता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली सरकार में हम एक महत्वपूर्ण सहयोगी है, और मांझी के बेटे संतोष सुमन अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री हैं। ऐसे में मांझी का अपनी ही सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाना एनडीए के भीतर दरार की ओर इशारा करता है। यह बयान बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले सियासी हलचल को और तेज कर सकता है, क्योंकि विपक्षी महागठबंधन इस मुद्दे को भुनाने की कोशिश करेगा।

भ्रष्टाचार के पुराने आरोप

बिहार में भ्रष्टाचार और एस्टीमेट घोटाले के आरोप कोई नई बात नहीं हैं। 26 अक्टूबर 2023 को मांझी ने बीपीएससी शिक्षक नियुक्ति घोटाले में ईडी की जांच की मांग की थी, जिसमें उन्होंने जॉब फॉर मनी स्कैंडल का जिक्र किया था। इसके अलावा, 2024 में पुल ढहने की घटनाओं को लेकर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, जिन्हें तेजस्वी यादव ने 'डबल इंजन सरकार की नाकामी' करार दिया था। मांझी का ताजा बयान इन पुराने आरोपों को और हवा देता है। मांझी के बेटे संतोष सुमन, जो नीतीश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं, इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। संतोष की पत्नी दीपा मांझी को इमामगंज उपचुनाव 2024 में हम ने टिकट दिया था, जिसके लिए मांझी ने खुलकर प्रचार किया था।

आर्डर किया कडाही पनीर परोस दिया चिकन

अलीगढ़, 4 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के मैरिस रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में रात खाना खाने गए कुछ डॉक्टरों के सामने कढ़ाई पनीर में चिकन दे दिया गया। इसे लेकर उन्होंने विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। काफी देर तक बातचीत के बाद दोनों ओर से समझौता हो गया। शहर के कुछ डॉक्टर मैरिस रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे थे। खाने में उनकी ओर से आर्डर में कढ़ाई पनीर, दाल मखनी मंगाई गई। खाना आया तो सब्जी में चिकन नजर आया। इसमें कुछ हड्डी के टुकड़े भी थे। यह देख डॉक्टर ने विरोध करते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। डॉक्टर का कहना था कि रेस्टोरेंट में वेज और नॉनवेज खाना एक साथ बनाया जा रहा है। जानबूझकर ऐसा किया गया है। हालांकि बाद में मैनेजर आदि स्टाफ ने माफी मांगते हुए फिर से खाना देने की बात कही। मगर डाक्टरों ने खाने से मना कर दिया।

कैराना सांसद इकरा हसन का बड़ा बयान, राकेश टिकैत से अभद्रता करने वालों को बताया आतंकी

कैराना, 4 मई (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के साथ हुई अभद्रता के खिलाफ मुजफ्फरनगर में हुई महापंचायत में कैराना से सांसद और समाजवादी पार्टी की नेता इकरा हसन भी पहुंची। यह उन्होंने जोरदार भाषण दिया और सरकारी पर जमकर गरजीं। सपा सांसद ने मुजफ्फरनगर महापंचायत में भयंकर हुंकार भरी। राकेश टिकैत पर हमला करने वालों पर सपा सांसद इकरा हसन खूब गरजीं और उन्होंने हमलावरों की तुलना आतंकियों से कर दी। कैराना सांसद ने किसानों की महांचायत में अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए राकेश टिकैत का अपमान करने वालों को आतंकी बताया। इकरा ने कहा- पूरे समाज में एकता का संदेश देने के लिए बाबा राकेश टिकैत कार्यक्रम में गए। वहां पर जिन लोगों ने यह बर्बरता दिखाई, जिन लोगों ने इस निंदनीय काम को अंजाम दिया वो भी किसी आतंकी से कम नहीं हैं और उनका हम पुरजोर तरीके से विरोध करते हैं।

इकरा हसन ने पढ़ी शायरी

इकरा हसन ने राकेश टिकैत के समर्थन में जो शायरी पढ़ी उसने किसानों का दिल जीत लिया। जोश में आए किसान तालियां बजाकर शोर मचाने लगे। इकरा ने कहा- मैं आपके बीच यह कहना चाहती हूं कि जो सर झुके नहीं तूफानों में वह कैसे झुकेंगे इल्जामों में पगड़ी छीनने वालों से कह दो अभी हम खड़े हैं इंसाफ के मैदानों में बीजेपी सरकार को चेतावनी देते हुए इकरा बोलीं कि किसानों पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे। जो लोग सत्ता में बैठे हैं जो आज ना तो किसानों की सुनवाई कर रहे हैं ना किसी और पक्ष की सुनवाई कर रहे हैं और जो एक हमें अधिकार संविधान से मिला है अपने विरोध को दर्ज कराने का उसमें भी ऐसे आतंकी प्रवृत्ति के लोगों को भेजकर अगर हम पर हमला होगा तो ये किसान वर्ग कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। सांसद ने कहा कि अगर हमारी आवाज को दबाया जाएगा तो हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दरअसल पहलगाम आतंकी हमले के विरोध मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को हिंदू संघर्ष समिति के नेतृत्व में जन आक्रोश रैली निकाली गई थी। इसमें हिस्सा लेने के लिए राकेश टिकैत भी पहुंचे थे। इस दौरान उनका जबरदस्त विरोध हुआ। राकेश टिकैत के साथ खूब धक्कामुक्की की गई। यहां तक कि उनकी पगड़ी भी किसी ने उछाल दी। इसी बदसलूकी के खिलाफ अगले दिन किसानों ने नाराजगी जताते हुए महांचायत का आयोजन किया।

'पाकिस्तान की साख दांव पर', जेडीयू का दावा भारत उन्हें हर मोर्चे पर तबाह कर देगा

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के जरिए लिए गए एक्शन पर जेडीयू नेता राजीव रंजन ने खुल कर बात की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ठोस कदम उठा रहा है। बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। पाकिस्तानी एयरलाइनों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने पर कहा, कुछ बड़े फैसले लगातार लिए जा रहे हैं और उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है कि हम न केवल उन्हें सामरिक दृष्टि से कमजोर करेंगे, बल्कि आर्थिक तौर पर भी तबाह कर देंगे। राजीव रंजन ने कहा कि आतंकवाद के पोषक राष्ट्र के तौर पर पाकिस्तान ने जो नापाक हरकत भारत की सरजमीन पर की है, इसका खामियाजा उन्हें भुगतना होगा। आईएसआई और पाकिस्तानी सेना का पूरा वजूद भारत विरोध पर टिका हुआ है। आज कहीं न कहीं उनकी साख और विश्वसनीयता पाकिस्तान में दांव पर लग गई है।

सपा चीफ के बयान पर ओपी राजभर का पलटवार, कहा- अखिलेश यादव बौखला गए हैं

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुभासपा नेता ने कहा है कि जातीय जनगणना को लेकर अखिलेश यादव का दावा झूठा है। राजभर ने कन्नौज सांसद के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि कास्ट सेंसस होने से 90 फीसदी आबादी को 100 फीसदी हक मिलेगा। सपा चीफ के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल का जिक्र करते हुए राजभर ने कहा कि अधिकार छीनने वाले लोग अगर ऐसी बातें करते हैं तो आश्चर्य होता है। उन्होंने (अखिलेश यादव) अपने पांच साल के मुख्यमंत्री कार्यकाल में पुलिस, ग्राम सेवक, लेखपाल जैसी सेवाओं में जाति के आधार पर लोगों की भर्ती की।

वे बौखला गए हैं- राजभर

योगी सरकार में मंत्री राजभर ने कहा कि अगर वे पीडीए की बात करते तो दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की भर्ती करते। दरअसल, जाति जनगणना के कारण अखिलेश यादव की जमीन खिसक गई है, वे बौखला गए हैं। अब वे (अखिलेश यादव) बौखला गए हैं कि अब क्या होगा। राजभर ने कहा कि जिसके पास 10 वोट दिलाने की हैसियत नहीं है, उनको अपने यहां बुलाकर ऑफिस में प्रेस वार्ता कर रहे हैं। जो लोग आ रहे हैं, उनको खाना और 1000 रुपये दिए जा रहे हैं। राजभर ने दावा किया कि उनके यहां प्रेस वार्ता में जो लोग आते हैं, वह बीजेपी और सुभासपा के समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश व्याकुल भारत हो गए हैं। एक वीडियो का संदर्भ देते हुए राजभर ने कहा कि हम तो राजभर के साथ हैं। यहां तो बस ऐसे ही आ गए हैं। यह हाल है उनके यहां आने वाले लोगों का है। सुभासपा नेता ने कहा कि जिसके भरोसे अखिलेश लड़ रहे हैं, उसको एमएलए का फुलफॉर्म नहीं पता। राष्ट्रगान कितनी देर में गाया जाता है, यह नहीं पता। वो अब बौखला गए हैं।

पकड़ी गईं छह बांग्लादेशी महिलाएं दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में पूर्वी जिला पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के शहर में रह रही छह बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंडावली पुलिस स्टेशन की एक टीम ने एक महिला को पकड़ा, जिससे पूछताछ के बाद पहाड़गंज इलाके से पांच अन्य महिलाओं को भी हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान मीम अख्तर (23), मीना बेगम (35), शेख मुन्नी (36), पायल शेख (25), सोनिया अख्तर (36) और तानिया खान (34) के रूप में हुई है। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) की सहायता से महिलाओं के खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई शुरू की गई है। दिल्ली पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत की सीमा में प्रवेश कराकर उनको बसाने वाले एक गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में गैंग लीडर समेत 6 बांग्लादेशी नागरिकों के अलावा फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, इनके रहने, नौकरी लगवाने वाले तमाम इंतजाम करवाने वाले 5 भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया है। गिरोह पश्चिम बंगाल और मेघालय समेत देश की दूसरी सीमाओं से बांग्लादेशी नागरिकों को अपने एजेंट के जरिए भारत की सीमा में प्रवेश करवाते थे। इसके बाद उनको दिल्ली के अलावा देश के दूसरे शहरों में भेजकर फर्जी कागजातों के आधार पर इनके आधार समेत दूसरे दस्तावेज तैयार करवा देते थे। इसके बाद यह लोग बड़ी आसानी से भारत में रहते थे। यहां यह लोग छोटे-मोटे काम करते थे। गिरोह इनको काम दिलवाने में मदद करने के अलावा भारत की सरकारी योजनाओं की सब्सिडी भी दिलवाने में मदद करते थे। पुलिस ने गिरोह सरगना चांद मियां (18) की निशानदेही पर 18 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़कर उनको एफआरआरओ की मदद से डिपोर्ट किया है।

दो गुटों के झगड़े से शुरू हुआ विवाद मस्जिद गिराने तक पहुंचा, 14 साल बाद आया फैसला

शिमला, 4 मई (एजेंसियां)। राजधानी के मल्याणा में दो गुटों के बीच हुआ झगड़ा संजौली मस्जिद के चर्चा में आने और इसके गिराने का बड़ा कारण बना था। संजौली मस्जिद में अवैध निर्माण का मामला साल 2010 से चल रहा था। कई नोटिस जारी होने के बावजूद मस्जिद कमेटी ने पांच मंजिला भवन तैयार कर लिया। आयुक्त कोर्ट में भी करीब 14 साल तक लगातार इस मामले पर सिर्फ सुनवाई होती रही। इसी बीच 29 अगस्त 2024 को शहर के मल्याणा में दो गुटों के बीच झगड़ा हो गया। इसमें मल्याणा के एक युवक को गंभीर चोटें लगीं। आरोप था कि हमलावर आरोपी मल्याणा से भागकर संजौली की इस मस्जिद में जाकर छिप गए थे। मामला पुलिस तक पहुंचा और केस दर्ज हुआ। गुस्साए मल्याणा, भट्ठाकुफर, सांगटी, संजौली के लोगों ने एक सितंबर को संजौली मस्जिद के बाहर पहुंचकर धरना दे दिया। इसमें कांग्रेस के कई पार्षद और भाजपा पदाधिकारी भी शामिल थे। धरने के बाद ही मस्जिद के अवैध होने की बात भी आम जनता के सामने आ गई। पांच सितंबर को इस मामले पर आयुक्त कोर्ट में भी सुनवाई हुई लेकिन फैसला टल गया। इसी बीच हिंदू संगठनों ने संजौली बाजार में 11 सितंबर को उग्र प्रदर्शन कर दिया। प्रदर्शन रोकने के लिए पुलिस को कई लोगों पर लाठीचार्ज करना पड़ा। कई लोगों पर केस भी दर्ज हुए। लोगों की मांग थी कि यदि मस्जिद अवैध है तो इसे तुरंत तोड़ा जाए।

हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला, फैसले के आदेश

हिंदू संगठनों के उग्र प्रदर्शन के बाद नगर निगम पर इस मामले में फैसला लेने का दबाव बढ़ा। कई लोगों ने हाईकोर्ट में भी याचिका दायर कर ली। उधर पांच अक्तूबर को आयुक्त कोर्ट ने इस मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को अवैध माना और इन्हें गिराने के आदेश दिए। वहीं शहर के साथ प्रदेश भर में गरमाए इस मामले के बीच मस्जिद कमेटी ने भी आदेश मानने का फैसला लिया। अवैध निर्माण गिराने का काम शुरू कर दिया। हालांकि, दो महीने में गिराया जाने वाला अवैध निर्माण सात महीने बाद भी पूरा नहीं हुआ। कोर्ट ने तीन मई तक इसे गिराने के आदेश दिए थे। अब निचली दो मंजिलों को भी गिराने के आदेश दिए हैं। अब मस्जिद की जमीन को लेकर भी विवाद छिड़ गया है। दावा किया जा रहा है कि मस्जिद की जमीन सरकार के नाम है और इस पर वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर रखा है।

चार केस हुए, थाने के चक्कर काटे अब मिला न्याय : पार्षद

संजौली मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर प्रदर्शन करने पर भाजपा पार्षद कमलेश मेहता पर चार केस दर्ज किए गए। पार्षद को कई बार पुलिस थाने में आकर पूछताछ में शामिल होना पड़ा। फैसला आने के बाद पार्षद ने कहा कि यह न्याय की जीत हुई है। कोर्ट के फैसले से स्पष्ट है कि उनका प्रदर्शन सही था। मस्जिद अवैध रूप से बनी थी और अब इसे पूरी तरह से गिराने के आदेश जारी होना ऐतिहासिक फैसला है।

प्रदर्शन किए, डंडे खाए, आज मिला इंसाफ

सरकार की जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई इस मस्जिद को गिराने के लिए शहरभर में प्रदर्शन हुआ। कई लोगों पर केस हुए और कुछ ने तो पुलिस के डंडे भी खाए। लेकिन आज उन्हें इंसाफ मिल गया है। आयुक्त कोर्ट से लेकर प्रदेश हाईकोर्ट तक इस मस्जिद को गिराने का मामला उठाने वाली संजौली की रेजीडेंट सोसायटी ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया। सोसायटी के अधिवक्ता जगत पाल ने कहा कि हम पहले दिन से कह रहे थे कि यह मस्जिद अवैध है। इसका निर्माण सरकारी जमीन पर हुआ है। अब आयुक्त कोर्ट ने भी इसे अवैध करार दे दिया है। निचली दो मंजिलें भी अब गिरानी होंगी। आयुक्त कोर्ट के फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि यह मस्जिद जिस जमीन पर बनी है, वह जमीन सरकार की है। यह पूरा अवैध निर्माण किया गया था।

शिवाजी महाराज पर विवादित टिप्पणी के बाद बवाल

मुंबई, 4 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक व्यक्ति की स्थानीय लोगों ने पिटाई की और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शख्स को गिरफ्तार भी कर लिया है। व्यक्ति पर कथित तौर पर एक व्हाट्सएप ग्रुप में मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी अक्षयदीप भरतकुमार विसवाडिया को 28 अप्रैल को नालासोपारा पूर्व के विजय नगर इलाके में एक हाउसिंग सोसाइटी में पीटा गया था। पुलिस के मुताबिक, गुजराती और मराठी पहचान को लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप पर तीखी बहस हुई थी। इस दौरान आरोपी ने कथित तौर पर शिवाजी महाराज के बारे में अपमानजनक बातें कीं अधिकारी ने बताया कि टिप्पणी से नाराज होकर निवासियों के एक समूह ने विसवाडिया पर धावा बोल दिया। उसके साथ मारपीट की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

लड़की को नैनीताल ले जाकर हिंदू से बनाया मुस्लिम

मौलवी ने जबरन पढ़ाया कलमा; पुलिस से बेटी का दर्द बताकर फूट-फूट कर रोई मां

नैनीताल, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के नैनीताल में एक 15 साल की नाबालिग लड़की का धर्म परिवर्तन कराकर निकाह कराने का मामला सामने आया है, जहां लड़की को बहला-फुसलाकर उसका धर्म परिवर्तन कराने और निकाह करने का आरोप एक मुस्लिम युवक पर लगा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर लापरवाही का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। राजस्थान के बसई के रहने वाले पीड़ित परिवार की 15 वर्षीय बेटी थाना पारा क्षेत्र में रहकर पढ़ाई कर रही थी। आरोपी युवक हमजा खान नाबालिग को बहला-फुसलाकर 4 अप्रैल को अपने साथ नैनीताल ले गया। वहां उसने लड़की का धर्म परिवर्तन करवाकर उसका नाम सानिया हमजा खान रखा और मौलवी की मदद से निकाह पढ़वा लिया। पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी बेटी को जबरन कलमा पढ़वाया गया। क्योंकि उसे यह पढ़ना नहीं आता था।

मौलवी ने उसे दोहराने के लिए मजबूर किया। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि हमजा खान ने उनकी नाबालिग बेटी को निशाना बनाया और उत्तराखंड ले जाकर उसका धर्म परिवर्तन करवाया। परिवार का कहना है कि जब वह मामले की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे तो शुरू में पुलिस ने लापरवाही बरती। पीड़िता की मां ने रोते हुए कहा, "हमारी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाया गया। उसकी जिंदगी बर्बाद करने की कोशिश की गई। पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की।" परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। आरोपी हमजा खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर कार्रवाई की जाएगी। यह मामला उत्तराखंड में चर्चा का विषय बन गया है। पीड़िता की मां ने ये भी कहा, "मेरी बेटी अभी बच्ची है। उसे बहला कर ले जाया गया और उसका धर्म परिवर्तन करवाया गया। हम चाहते हैं कि दोषी को कड़ी सजा मिले। ताकि कोई और परिवार इस दर्द से न गुजरे।" पुलिस ने पीड़िता को सुरक्षित स्थान पर रखा है और मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है।

जमीयत उलेमा ए हिंद की बैठक में पहलगाम हमले के खिलाफ प्रस्ताव, आतंकवाद एक नासूर और इस्लाम की नीति के विपरीत

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने दो दिवसीय वर्किंग कमेटी बैठक के दौरान पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित लाया गया। इस प्रस्ताव के जरिए पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की गई। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष हज़रत मौलाना सैयद अरशद मदनी की अध्यक्षता में दो दिन तक जमीयत की महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। यह पहलगाम त्रासदी केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं, पूरे देश के लिए दुखद है बैठक में कहा गया कि जमीयत उलमा-ए-हिंद का ये सम्मेलन पहलगाम (कश्मीर) में हुए आतंकवादी और कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करता है। इस हमले में मारे गए पर्यटकों को खिराजे अक़ीदत पेश करता है और उनके परिजनों के दुःख में सहभागी बनते हुए संवेदना प्रकट करता है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता है।

आतंकवाद एक नासूर, इसका विरोध जरूरी- अरशद मदनी

मौलाना सैयद अरशद मदनी ने कहा कि आतंकवाद एक नासूर है, जो इस्लाम की शांति स्थापना की नीति के विपरीत है। इसलिए इसके विरुद्ध आवाज़ उठाना हर मुसलमान की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जमीयत उलमा-ए-हिंद का यह अधिवेशन कश्मीरी जनता की भाईचारे, सहानुभूति और इंसानियत के जज़्बे की सराहना करता है कि उन्होंने न केवल पर्यटकों को सुरक्षा प्रदान की, बल्कि कठिन परिस्थितियों में अपने घरों के दरवाज़े खोल दिए। होटल मालिकों ने मुफ्त भोजन का प्रबंध किया, टैक्सी चालकों ने किराया तक नहीं लिया।

पहलगाम हमला कश्मीर नहीं देश के लिए दुखद

यह पहलगाम त्रासदी केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं, पूरे देश के लिए दुखद है। आतंकवाद के खिलाफ इस व्यापक एकता के बावजूद कुछ तत्वों द्वारा नफरत फैलाने का प्रयास निंदनीय है। जमीयत उलमा-ए-हिंद का यह प्रशिक्षण सम्मेलन भारत सरकार से मांग करता है कि इस अमानवीय हमले में शामिल आतंकवादियों और तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर उन्हें सज़ा दी जाए, और आतंकवाद के विरुद्ध जो भी कदम भारत सरकार आवश्यक समझे उसको उठाए। सरकार की तरफ से आतंकवाद के विरुद्ध जो भी कदम उठाए उसका जमीयत उलमा-ए-हिंद समर्थन करती है।

उमा भारती का बयान

लव जिहाद पर जागरूकता ज़रूरी जातिगत जनगणना राष्ट्रीय आवश्यकता

भोपाल, 4 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने अपने जन्मदिन के अवसर पर सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर अपनी राय दी। उन्होंने लव जिहाद को लेकर कहा कि आज की आधुनिक दुनिया में कोई भी लड़की यह जानने में सक्षम है कि सामने वाला व्यक्ति कौन है और उसकी पहचान क्या है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां कानून का दायरा बनता है, वहां कार्रवाई होगी, लेकिन समाज को भी अपने स्तर पर सजग रहने की जरूरत है। उमा ने कहा कि माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों से खुलकर संवाद करें और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन दें। इसके साथ ही, उमा भारती ने जातिगत जनगणना को लेकर कहा कि देश में अनेक सामाजिक वर्ग हैं जिनकी भूमिका और संख्या को नजरअंदाज नीं की जा सकती। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा क्योंकि वहां की सामाजिक संरचना को गंभीरता से नहीं लिया गया। उमा ने कहा रामभक्त होने का मतलब यह नहीं कि वे स्वाभाविक रूप से बीजेपी समर्थक भी होंगे। हमें यह समझना होगा कि जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक भागीदारी कैसे सुनिश्चित हो। उमा भारती ने जातिगत आंकड़ों को सामाजिक न्याय और नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया, जिससे यह तय किया जा सके कि किस समुदाय की भागीदारी और जरूरतें कितनी हैं।

सेना के लिए गोला-बारूद बनाने वाली फैक्ट्री के कर्मचारियों की लंबी छुट्टियां रद्द, बताया सीमा पर तनाव

जबलपुर, 4 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के दौरान इस वक्त बड़ी खबर जबलपुर से सामने आई है। यहां मौजूद जबलपुर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबी छुट्टियों को कैंसिल कर दिया गया है। फैक्ट्री के पीआरओ ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि जबलपुर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री भारतीय सेना के लिए गोला-बारूद बनाने वाली बड़ी फैक्ट्रियों में से एक है। यह सशस्त्र बलों को गोला-बारुद उपलब्ध कराती है। वहीं इसके पीछे की वजह के बारे में बताया गया है कि उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ऐसा कदम उठाया गया है। दरअसल, मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में आयुध निर्माणी खमरिया में अधिकारियों और कर्मचारियों की लंबी छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। ऐसे में अब यहां कार्यरत कर्मचारी या अधिकारी दो दिन से अधिक की छुट्टियां नहीं ले सकेंगे। यह आदेश शुक्रवार को जारी किया गया और सभी लंबी छुट्टियों को रद्द कर दिया गया। बता दें कि जबलपुर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में करीब 4,000 लोगों को रोजगार मिलता है। यह म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) की सबसे बड़ी इकाइयों में से एक है, जो भारतीय सशस्त्र बलों को गोला-बारूद उपलब्ध कराती है। वहीं ओएफके के जनसंपर्क अधिकारी अविनाश शंकर ने न्यूज एजेंसी को लंबी छुट्टियां रद्द किए जाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की दो दिन से अधिक की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं। पीआरओ अविनाश शंकर ने आगे कहा, चूंकि इस वित्तीय वर्ष में हमारा लक्ष्य बहुत बड़ा है और अप्रैल में हम अपना वांछित लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं, इसलिए इसकी भरपाई के लिए हमें मुख्यालय द्वारा छुट्टियां रद्द करने का निर्देश दिया गया है, ताकि हमारे पास पर्याप्त कार्यबल और पर्यवेक्षण हो।

महाराष्ट्र की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के कर्मियों की छुट्टियां भी रद्द

वहीं जबलपुर के बाद अब महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को लेकर भी ऐसा ही आदेश जारी किया गया है। यहां चंद्रपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में काम करने वाले सभी कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं। इसके अलावा सभी कर्मचारियों को जल्द से जल्द रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ा तनाव

दरअसल, एक तरफ पाकिस्तान के नेता आरोप लगा रहे हैं कि भारत उनपर हमला करने की कोशिश कर रहा है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान की सेना खुद ही लगातार जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर सीजफायर का उल्लंघन कर रही है। पाकिस्तान की तरफ से बीते 10 दिनों से लगातार सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा है। भारतीय सेना भी पाकिस्तान की फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

मैहर में रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा

बस चालक ने बाइक सवार को 500 मीटर तक घसीटा

मैहर, 4 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। एक बस ड्राइवर ने दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी और फिर उन्हें करीब 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। बाइक सवार जोर-जोर से चिल्लाकर मदद मांगते रहे। वहीं रास्ते में चल रहे लोग भी बस को रोकने के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन ड्राइवर बस को तेज रफ्तार में भगाता रहा। यह हादसा रविवार सुबह 10 बजे मैहर के एनएच 30 हाईवे पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, पोड़ी गांव के रहने वाले सोनू पटेल (20) और अरुण पटेल (22) मोटरसाइकिल से मैहर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में एक तेज रफ्तार बस (नंबर एएस 01 क्यूसी 3116) ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक बाइक समेत बस के आगे गिर गए। बाइक बस के अगले हिस्से में फंस गई और दोनों युवक भी उसी के साथ घिसटते रहे। जब राहगीरों ने पीछा करके बस को रोका, तब जाकर बस रुकी।

बस चालाक हुआ फरार

दोनों बाइक सवार युवक अपनी जान की दुहाई देते हुए बस के आगे वाले हिस्से में फंसे हुए थे। अगर बस का पहिया उन पर चढ़ जाता, तो उनकी जान जा सकती थी। किसी तरह उनकी जान बच गई और दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पहले इलाज के बाद उन्हें संजय गांधी अस्पताल रीवा भेजा गया। मैहर पुलिस मौके पर पहुंचकर बस को जब्त कर लिया। यह बस असम से टूरिस्ट लेकर रीवा की तरफ जा रही थी। घटना के बाद बस का ड्राइवर फरार हो गया।

दसवीं की छात्रा ने दोस्ती तोड़ी तो उसकी निर्वस्त्र फोटो अमन ने मां को भेजी

पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

भोपाल, 4 मई (एजेंसियां)। भोपाल के ऐशबाग थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ एक युवक ने दोस्ती कर उसकी निर्वस्त्र फोटो मंगाई। छात्रा को जब आरोपी छेड़छाड़ के बाद शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने लगा तो पीड़िता उससे दूरी बना ली। पीड़िता ने जब आरोपी युवक का फोन रिसीव नहीं किया तो आरोपी ने पीड़िता की निर्वस्त्र फोटो उसकी मां को भेज दी। मां को बेटी की निर्वस्त्र फोटो मिलने के बाद मां के पैर के नीचे की जमीन खिसक गई। इसके बाद मां बेटी जहांगीराबाद थाने पहुंचकर प्रकरण दर्ज करा दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अमन यादव जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में रहता है और बालिग है। दो दिन पहले आरोपी ने शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया तो पीड़िता तैयार नहीं हुई। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर उसकी निर्वस्त्र फोटो उसकी मां को भेज दी थी। पुलिस ने अमन यादव के खिलाफ छेड़छाड़, पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नाबालिग छात्रा को उसकी मां लगातार फोन पर बात करते हुए देखा तो एक दिन मां ने उसी नंबर पर डायल कर दिया, जिस पर बेटी बात करती थी। उक्त नंबर पर बात करने वाला युवक निकला। इसके बाद मां ने पूछताछ की तो बेटी ने बताया कि मेरा दोस्त है। मां ने डांट कर बेटी को मना कर दिया कि उक्त लड़के से बात मत करना। इसके बाद वह बात नहीं कर पाती थी। आरोपी युवक इसलिए भी नाराज था। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। फिलहाल आरोपी फरार है। पुलिस आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है।

सीआरपीएफ से बर्खास्त किए जाने के बाद जवान मुनीर अहमद का दावा

शादी की बात विभाग को बताया था

जम्मू, 4 मई (एजेंसियां)। जम्मू में सीआरपीएफ द्वारा नौकरी से बर्खास्त किए जाने के बाद अब मुनीर अहमद का पहला बयान सामने आया है. बर्खास्त जवान ने दावा किया है कि उन्होंने पाकिस्तानी महिला मीनल खान से शादी की बात डिपार्टमेंट को बताई थी और सभी उचित दस्तावेज पेश किए थे. पहलगाम हमले के बाद पत्नी के लॉन्ग टर्म वीजा के कागजात भी दिखाए, बावजूद इसके उन्हें सीआरपीएफ से बर्खास्त कर दिया गया. अब मुनीर अहमद ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से इंसाफ की गुहार लगाई है. मुनीर अहमद ने बातचीत के दौरान कहा, उन्होंने (सीआरपीएफ) मुझे जो कारण बताया है, वह यह है कि मैंने अपनी पत्नी को यहां रखा और विभाग को इसकी जानकारी नहीं दी. लेकिन, मैंने अपने विभाग को इसकी जानकारी दी, मेरे पास सबूत हैं, मैंने दस्तावेज जमा किए और उन्हें इसकी जानकारी दी.

'डीजी को पत्र लिखकर सबकुछ बताया'

उन्होंने आगे कहा, 26 मार्च को जब मैं सुंदरबनी स्थित मुख्यालय पहुंचा, तो मुझे अचानक 41 (बटालियन) में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया. मुझे तुरंत रिपोर्ट करने के लिए कहा गया. मुझे टिकट नहीं दिया गया. 41 बटालियन में, मैंने इंटरव्यू दिया और अपनी पूरी कहानी बताई. मैंने डीजी को एक पत्र लिखा और वहां भी मैंने सब कुछ बताया.

पीएम मोदी से की अपील

मुनीर अहमद ने ये भी कहा, वह आवेदन अभी प्रक्रियाधीन था तभी घटना (पहलगाम हमला) हुई. कल, अचानक मुझे सूचित किया गया कि मुझे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. मैं प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से अपील करना चाहता हूं, मुझे न्याय चाहिए, मैं एक जवान हूं. ऐसा क्यों हुआ? मैं अपने विभाग को सारी जानकारी दे रहा हूं.

'भारत लगातार आगे बढ़ रहा, पाकिस्तान संकट से ही जूझ रहा'

असम के सीएम सरमा की दुश्मन देश को खरी-खरी

गुवाहाटी, 4 मई (एजेंसियां)। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एक बार फिर पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई। भारत और पाकिस्तान के आर्थिक हालातों की तुलना करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि भारत लगातार वैश्विक मानक स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। मगर पाकिस्तान संकटों से ही जूझ रहा है। साथ ही दुनिया में उसका प्रभाव कम होता जा रहा है। एक्स पर पोस्ट में सीएम सरमा ने लिखा कि भारत वर्तमान में दुनिया के सबसे गतिशील और दूरदर्शी देशों में से एक है। जहां पाकिस्तान बार-बार संकटों और घटते प्रभाव से जूझ रहा है, वहीं भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और विकास, प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भरता में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। सरमा ने बताया कि भारत की जीडीपी मौजूदा समय में 4.19 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जबकि पाकिस्तान का सकल घरेलू उत्पाद सिर्फ 357 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो भारत के महाराष्ट्र के जीडीपी से भी कम है। उन्होंने कहा कि रेलवे से लेकर रॉकेट प्रक्षेपण तक, भारत भविष्य के लिए निर्माण कर रहा है। 688.13 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार के साथ, भारत दुनिया में सबसे मजबूत वित्तीय ताकतों में से एक है। जबकि पाकिस्तान में विदेशी मुद्रा भंडार करीब 15.66 अरब अमेरिकी डॉलर है और बुनियादी आयातों के लिए उसे अक्सर आईएमएफ पर निर्भर रहना पड़ता है। सीएम ने कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 825 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात किया। मगर पाकिस्तान ने मुश्किल से 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया, जो अभी भी बहुत कम औद्योगिक विविधीकरण के साथ कच्चे कपड़ा और चावल पर निर्भर है। डिजिटल प्रभुत्व को लेकर उन्होंने कहा कि यूपीआई, आधार, डिजिलॉकर और ओएनडीसी के साथ भारत ने चुपचाप दुनिया का सबसे उन्नत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार किया है, जो समावेश और नवाचार को शक्ति प्रदान करता है। जबकि पड़ोसी देश में सीमित वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचे के साथ कोई तुलनीय राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 5 मई - 2025

आतंकवाद समाप्ति के निर्णायक कदम का अनुकूल समय

रघु ठाकुर

22 अप्रैल को जम्मू कष्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में दिनदहाड़े दोपहर 3रू45 बजे आतंकवादियों ने निहत्थे पर्यटकों पर गोलियां चलाई और 26 लोगों को मार दिया। अखबारी सूचना के अनुसार 20 लोग घायल हुए, मृतकों में यूएई और नेपाल के नागरिक भी षामिल हैं जो घूमने के लिए आए थे। घ्त्यक्ष दर्षियों के अनुसार सेना और पुलिस की वदघ् पहने पांच आतंकवादी मिनी स्वीजरलैंडघ् कहे जाने वाले घास के मैदान में आए और गोलीबारी षुरू कर दी। इतना ही नहीं आतंकवादियों ने घर्म पूछकर पर्यटकों को निषाना बनाया। किसी से नाम पूछा और किसी से घर्म पूछा, किसी से कलमा पढने के लिए कहा। पहलगाम जम्मू कष्मीर के पर्यटक केंघे में से पिछले कुछ वर्षों से पर्यटकों के लिए सबसे घ्यि केंघ रहा है। पिछले वर्ष 25 लाख पर्यटक जम्मू एंडघ् कष्मीर में आए थे। जिनमें से 22 लाख अकेले पहलगाम में आए थे। इस नरसंहार की जिम्मेदारी लष्करे तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है। एक महिला श्रीमती मंजूनाथ ने जब आतंकवादियों से अनुरोघ किया कि मेरे पति को मारा है तो मुझे भी मार दो तो आतंकवादियों ने कहा कि तुम्हें नहीं मारेंगे जाओ मोदी को बता दो। इस घटनाघ्म से निम्न घ्न उपस्थित होते हैं - क्या यह आतंकवादी हमला जम्मू एंडघ् कष्मीर के घारा 3ः0 के समर्थक आतंकवादियों द्वारा है?? जो घ्घानमंत्री श्री मोदी को चुनौती दे रहे हैं। - क्या यह हमला पाकिस्तान के द्वारा घेषित और पोषित आतंकवादियों द्वारा है?? जो भारत की सरकार को राजनीतिक निषाना बनाना चाहता है। - क्या यह हमला कतिपय वैघ्विक षघ्यिों के उकसावे और समर्थन से किया गया है?? क्योंकि कई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसका उेष्य अमेरिका की टघ्प सरकार को भी संदेष पहुंचाना है। यह हमला उस समय षुरू हुआ जब अमेरिकी उपराष्टघ्पति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। हमले का उेष्य जो भी हो पर इसके दो परिणाम स्पष्ट है कि देष में आम मुसलमान के घ्ति संदेह का भाव बढ़ेगा और दूसरे जम्मू तथा कष्मीर में पर्यटकों की संख्या एकदम कम होगी, जिसका भारी घ्भाव जम्मू एंडघ् कष्मीर की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। जिन 22 लाख पर्यटकों ने अपने आरक्षण कराए थे उनमें से लगभग 92 घ्तिषत ने अपने आरक्षण र कर दिए हैं और एक मोटे अनुमान के अनुसार, अगर एक पर्यटक से एक होटल वाले को मामूली तौर पर रु 20000 की आमदनी होती हो, घोड़े तांगे वाले को रु 5000 की आमदनी होती हो, छोटे दुकानदारों को 1000-2000 की आमदनी होती हो, तो जहां जम्मू एंडघ् कष्मीर की सरकार का जीएसटी/ सेल टैक्स का राजस्व कम होगा वहीं होटल व्यवसाईयों का लगभग 2500 करोडघ् रुपए का घाटा होगा, तांगे वाले का 400 से 500 करोडघ् और दुकानदारों का लगभग 1000 करोडघ् रुपए का नुकसान अनुमानित है। सारे घटनाघ्म से यह भी लगता है कि षायद आतंकवादियों ने भारत सरकार के बडबोले घ्घानमंत्री, गृहमंत्री को चुनौती दी है जो लगातार अपनी पीठ ठोकते हुए यह दावा करते हैं कि घारा 3ः0 हटाने के बाद आतंकवाद समाप्त हो गया है। यद्यपि स्पष्ट कर दूं कि मैं घारा 3ः0 के हटाने का समर्थक हूं। परंतु एक साा में बैठे व्यघ्ि को अपनी षेखी और दंभपूर्ण बोली से दबे हुए लोगों को उकसावा नहीं देना चाहिए। एक साघ्घीष की बोली में विनम्रता और लोकतांत्रिक मूल्य नजर आने चाहिए ताकि कोई घ्तिघ्यिा ना हो। बरहाल इस आतंकवादी घटना ने समूचे देष के मानस को हिलाया है और सारी दुनिया भारत की जनता के साथ अपना समर्थन व्यघ् कर रही है। भारत सरकार द्वारा आमंत्रित सर्वदलीय बैठक में भी सभी राजनैतिक दलों ने सरकार को इस राष्टघ्यि संकट के समय पूरा समर्थन दिया है और राष्टघ्यि एकजुटता सामने आई है। परंतु यह खेद के साथ कहना होगा कि भारत सरकार ने अभी भी केवल जुमलेबाजी दिखाई। वह सार्वजनिक घमकियों में ही फंसी हुई है। घटना वाले दिन घ्घानमंत्री जी सघ्दी अरब दौरे पर थे, बीच में ही अपना कार्यघ्म समाप्त कर वापस आए तथा यह खबर छपी की उन्होंने उतरते ही पहली बैठक विमानतल पर ही की और दूसरी बैठक अपने निवास पर की। यह सभी जानते हैं कि राष्टघ्पति/घ्घानमंत्री आदि को सड़के सूनी मिलती हैं। पुलिस सड़क खाली करा देती है। हवाई ए से उनके निवासखाने तक मुष्किल से 10 मिनट लगते हैं। अगर घ्घानमंत्री जी हवाई ए के बजाय अपनी दोनों बैठकर घर पर ही कर लेते तो मात्र 10 मिनट का अंतर पड़ता और हवाई ए पर जो 2 घंटे अफरातफरी रही, हजारों यात्री अपनी जगह पर स्थिर कर दिए गए। हवाई आ पुलिस आ जैसा बन गया इससे आमजन/यात्री बच जाते, जिनके हवाई जहाज तक नहीं पहुंच पाने की वजह से छूट गए। उनकी पीड़ा बच जाती और 10 मिनट में मीटिंग हो जाती। परंतु घ्घानमंत्री तो यह खबर छपवाना महत्वपूर्ण समझते थे कि वह देष में उतरते ही काम में लग गए। उन्होंने जो दंभपूर्ण बयान बिहार की जनसभा में दिया कि षुनहगारों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी आतंकवादियों को मिघ्ी में मिला देंगेघ्। घ्घानमंत्री जी अपने ऐसे बयानों में वघ्ि संतुष्टि दे सकते हैं, परंतु क्या इससे आतंकवाद मिट जाएगा। मीडिया के माघ्यम से ऐसी खबरें छपाई जा रही हैं जो अघ्माणिक हैं और काल्पनिक हैं। एक खबर मीडिया में आई कि पाकिस्तान की सेना घबराहट में है और वहां के सैन्य मुखिया ने विभिन्न हवाई ओं पर 8 हवाई जहाज भेजे हैं। एक और खबर आई की आमघ् मुखिया मुनीर को भारत से सर्जिकल स्टघइक की आषंका है तथा लष्कर सरगना हाफिज हमले के खौफ से आई एस आई के सैन्य सेफ हाउस में दुबक गया है। अब इन खबरों का आघार क्या है?? क्या यह खबर अतार्किक और बनावटी नहीं लगती?? अगर भारत का मीडिया और सरकार का खुफिया तंत्र इतना काबिल है कि पाकिस्तान के सैन्य ओं पर क्या हो रहा है यह जान लेता है तो फिर उसे यह क्यों पता नहीं लगा कि पहलगाम में आतंकी हमला होने वाला है?? भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजीजू ने सर्वदलीय बैठक में माना है की खुफिया सूचना व सुरक्षा में चूक हुई है?? परंतु उन्होंने यह नहीं बताया कि इस चूक का जिम्मेदार कौन है और उसके घ्ति क्या कार्रवाई होगी?? हमास के द्वारा जब इसराइल पर हमला हुआ तो इसराइल ने माना की सुरक्षा तंत्र की चूक थी और इजरायल के सैन्यमंत्री को हटना पड़ा। देष की जनता जानना चाहती है कि इतनी बड़ी चूक के लिए कौन जिम्मेदार है?? गुप्तचर विभाग के द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि पहलगाम में आतंकी हमला हो सकता है और उसके लिए रेकी की जा रही है और इसके बावजूद भी वह कौन लोग हैं जिन्होंने इस सूचना को नजर अंदाज किया और घटना हो जाने दी। क्या यह उनकी उपेक्षा पूर्ण लापरवाही मात्र है या कुछ लोग आतंकवादियों से मिले हुए हैं?? इसकी भी जांच होनी चाहिए। इस बैठक में घ्घानमंत्री जी अज्ञात कारण से षामिल नहीं हुए थे। हालांकि यह उचित होता कि वह भी षामिल होते। राष्टघ्यि स्वयं स्वयंसेवक संघ के घ्मुख ने यह भी कहा है कि जब षघ्ि होती है तो उसे जरूरत पडने पर दिखाई जानी चाहिए। यह उनका घ्घानमंत्री पर व्यंग है या सलाह यह तो वही बेहतर जानते होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हम एकजुट रहे और अगर कोई हमारी और आंख उठा कर देखता है तो उसकी आंख फोडघ् देंगे। पाकिस्तान तो आंख दिखा चुका है अब श्री मोहन भागवत की सरकार कब आंख फोडघ् रही है इसका देष को इंतजार है। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंघु जल समझौता को र कर दिया है और बदले में पाकिस्तान ने षिमला समझौता निलंबित किया है तथा भारतीय हवाई जहाजों को पाक सीमा के घ्पर उडने पर रोक लगा दी है। यह समझौते जब थे तब भी और अब निलंबन के बाद भी कोई बड़ा घ्भाव सिवाय घ्चार के पडने वाला नहीं है।

दरअसल भारत को आतंकवाद की समाप्ति के लिए निर्णायक कदम उठाने चाहिए और यह उचित समय है कि जब दुनिया का मानस जो षघ्िाली बनकर उभर रहा है वह भी भारत के अनुकूल है। मेरी राय में- भारत सरकार को तत्काल सैन्य पहल करना चाहिए और पाक अघि.त कष्मीर जो भारत का अभिन्न अंग है उसे वापस लेना चाहिए ताकि भारतीय सेनाएं सीघे-सीघे पाकिस्तान की सीमा तक पहुंच सके।

मानवता ही जाति और धर्म

एक ओर तो लोग अपनी पहचान अपने सरनेम, जाति और धर्म के नाम पर शेखी बघारते फिरते हैं तो वहीं दूसरी ओर कोलकाता की एक 17 साल की लड़की ने पहचान का नया मतलब बता कर सबको चौंका दिया है। उसने आईएससी क्लास XII की परीक्षा में सौ फीसद नंबर लाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया है। देखा जाए तो सौ फीसद नंबर लाना हंसी-खेल नहीं है। ऐसा रिकार्ड कम ही देखने व सुनने को मिलता है। लेकिन सिर्फ उसकी पढ़ाई की वजह से ही उसको तारीफ नहीं मिल रही है बल्कि सृजनी ने मानवता को ही अपनी जाति व धर्म बताकर दुनिया को चौंका दिया है। शायद इसीलिए उसने अपना सरनेम इस्तेमाल करने से मना कर दिया है। उसने दिखाया है कि असली शिक्षा सिर्फ नंबरों से नहीं, बल्कि अच्छे विचारों से होती है। सृजनी, कोलकाता के 'द फ्यूचर फाउंडेशन स्कूल' की छात्रा है। सृजनी का मानना है कि जब तक हम जाति, धर्म और नस्ल के नाम पर भेदभाव करते रहेंगे, तब तक समाज में बराबरी नहीं हो सकती। वह हर तरह की असमानता के खिलाफ है फिर चाहे आ सकती। फिर चाहे वह सामाजिक हो, आर्थिक हो या धार्मिक ही क्यों न हो। उसका विचार एकदम सरल है। एक अच्छे समाज में किसी को भी अपनी जाति या धर्म के नाम से नहीं जाना जाना चाहिए। सृजनी के परिवार में सब खुले विचारों वाले लोग हैं। उसके माता-पिता ने उसे भी ऐसे ही विचारों के साथ बड़ा किया है। उसकी मां गोपा मुखर्जी, गुरुदास कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उसके पिता, देबाशीष गोस्वामी, मशहूर गणितज्ञ हैं और उन्हें शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है। पति-पत्नी हमेशा से जाति और पितृसत्ता के खिलाफ रहे हैं। पितृसत्ता मतलब, जहां पुरुषों को ज्यादा ताकत स्वतः ही मिल जाती है। जब सृजनी के माता-पिता उसके जन्म प्रमाण पत्र के लिए अप्लाई कर रहे थे, तब उन्होंने उसमें सरनेम नहीं डाला था। उसकी मां ने कहा कि हम चाहते थे कि हमारे बच्चे बिना किसी जाति या धर्म के बोझ के बड़े हों। सृजनी सिर्फ बातें नहीं करती, वो उन्हें अपनी जिंदगी में भी उतारती है। बोर्ड परीक्षा से पहले, उसने स्कूल से अपने रजिस्ट्रेशन फॉर्म में सरनेम हटाने के लिए कहा था। स्कूल के प्रिंसिपल, रंजन मित्रा ने भी उसका साथ दिया। उन्होंने कहा कि जब तक कानून इजाजत देता है, हम परिवार की इच्छा का समर्थन करते हैं। अगस्त 2024 में, सृजनी रीक्लेम द नाइट विरोध में भी शामिल हुई थी। यह विरोध एक पीजीटी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद किया गया था। सृजनी और उसका परिवार उन हजारों लोगों में शामिल था जो इंसाफ और महिलाओं की सुरक्षा की मांग कर रहे थे। इससे पता चलता है कि सृजनी सिर्फ क्लास में ही नहीं, बल्कि बाहर भी एक्टिव रहती है। सृजनी जितनी होशियार है, उतनी ही सरल भी है। उसे सौ फीसद नंबर मिला है जिससे उसको राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। पश्चिम बंगाल के बिजली मंत्री, अरूप बिस्वास भी उससे मिलने उसके घर गए थे। सृजनी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरु से फिजिक्स या मैथ्स पढ़ना चाहती है। उसका ध्यान हमेशा सीखने और समाज के लिए कुछ करने पर रहता है। सृजनी का मानना है कि हर इंसान बराबर है। हमें किसी के साथ भी जाति, धर्म या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए। हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। यही मानवता की सच्ची सेवा है।

राष्ट्रवाद नहीं अब जाति की राजनीति का दौर शुरू

सुरेश गांधी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशभर में फैले आक्रोश के बीच केंद्र सरकार ने एक बड़ा राजनीतिक फैसला लिया है. सरकार ने अगली जनगणना में जातियों की गणना कराने का फैसला किया है. अगली जनगणना में जातीय जनगणना भी कराई जाएगी. निश्चित ही केंद्र सरकार का यह फैसला एक बड़ा राजनीतिक कदम है. सरकार ने यह फैसला बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लिया है. बिहार की राजनीति में जाति एक बड़ा मुद्दा है. वैसे भी जाति भारतीय राजनीति की सच्चाई है और जातीय जनगणना इसकी धुरी. लोकतंत्र इससे मज़बूत होगा. जहां तक इसके सियासी नफा नुकसान का सवाल है तो पहलगाम के बाद देशभक्ति का जो माहौल है और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर लोग एकजुट हैं. ऐसे में जातिगत गणना की बात कर, भाजपा ने कुछ ही महीने बाद बिहार व 2027 के यूपी चुनाव में न सिर्फ भुनाएगी, बल्कि विपक्ष के सारे समीकरण की हवा निकाल देगी. भाजपा ने एक आसान रास्ता अपनाया है और उसने विपक्ष से यह मुद्दा छीनकर उसकी धार काटने की कोशिश की है. या यूं कहे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने देश में जाति जनगणना का ऐलान कर विरोधी दलों के पैरों तले से जमीन निकाल दी है. जिस मुद्दे के दम पर समाजवादी पार्टी यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव में फ़तह हासिल करने का सपना देख रही थी, बीजेपी ने उसकी हवा निकाल दी है. बीजेपी के इस फैसले के पीछे वो पिछड़ा वर्ग अहम माना जा रहा है जिसके दम पर भाजपा ने यूपी में लगातार दो बार सरकार बनाने में सफलता हासिल की. भाजपा नही चाहती कि इस वर्ग में ऐसा संदेश जाए कि वो आरक्षण या पिछड़ों के हितों के खिलाफ है. हालांकि बीजेपी के लिए यह एक दोहरे जोखिम का मामला है। एक ओर वह अपनी पुरानी पहचान-'राष्ट्रवादी पार्टी'-से अलग हो रही है, और दूसरी ओर वह उसी राजनीति में कदम रख रही है जिसका विरोध वह वर्षों से करती आई है। यह परिवर्तन सिर्फ रणनीति नहीं, विचारधारा की उलझन को भी दर्शाता है। विपक्षी दलों ने इस स्थिति को भांप लिया है और अब बीजेपी को उसी भाषा में घेर रहे हैं—जाति की। सवाल अब राष्ट्र की सुरक्षा या सांस्कृतिक अस्मिता का नहीं, बल्कि 'हमारी जाति को क्या मिला?' का बनता जा रहा है। और यही वह कड़ाही है जिसमें अब बीजेपी खुद को तला और भूना पाएगी। क्या यह बदलाव बीजेपी को लाभ पहुंचाएगा या उसके पुराने समर्थकों को भ्रमित करेगा? यह तो चुनाव परिणाम ही तय करेंगे। पर इतना तय है कि राष्ट्रवाद का नारा अब पीछे छूटता दिख रहा है, और जाति की राजनीति की तपती कड़ाही में बीजेपी खुद को एक बार फिर से 'पकते' हुए देख रही है। देश में इससे पहले जातीय जनगणना 1931 में उस समय कराई गई थी, जब देश में अंग्रेजी सरकार थी. लोकसभा चुनाव 2024 में जिस तरह पिछड़े और दलित वर्ग के लोगों ने सपा और कांग्रेस के समर्थन में वोट किया उससे उत्तर प्रदेश में भाजपा का झटका लगा था. सियासी जानकारों की मानें तो इन नतीजों के बाद से ही बीजेपी के अंदर से कई नेताओं द्वारा जातीय जनगणना का समर्थन में आवाजें उठ रहीं थी. इस ऐलान के बाद बीजेपी मिशन 2027 में एक बार फिर से पिछड़ों और दलितों को अपने साथ लाने की कोशिश में हैं. माना जा रहा है इसका असर पार्टी के संगठन में भी दिख सकता है. सूत्रों के मुताबिक बीजेपी को भी 2027 के चुनाव को लेकर चिंता सताने लगी थी कि कहीं 2024 की तरह पार्टी को संघर्ष न करना पड़े. इस चुनाव में सपा ने पीडीए और संविधान का नारा दिया था, जिसके बाद बड़ी संख्या में ओबीसी और दलित वोट बीजेपी से छिटक गया था. आरएसएस की चिंतन बैठक में भी ये मुद्दा उठा था. जिसके बाद केंद्रीय नेतृत्व नहीं चाहता था कि दोबारा ऐसे हालात बने. बीजेपी के कई पिछड़े नेताओं के साथ उसके सहयोगी दल भी जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे. इनमें अनुप्रिया पटेल की अपना दल सोनेलाल, ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद जैसे नेता भी शामिल हैं. बीजेपी नहीं चाहती है कि आने वाले चुनाव में उसे अपने सहयोगियों का विरोध भी झेलना पड़े. बीजेपी दोनों वर्गों के वोटरों को अपने साथ जोड़कर रखना चाहती है. बसपा के कमजोर होने के बाद बीजेपी की नज़र दलितों के वोट बैंक पर है. बसपा भी लगातार जातीय जनगणना के मुद्दे को उठा रही थी. वहीं सपा और कांग्रेस भी इन वर्गों को लुभाने की कोशिश में जुटे हुए हैं. दोनों पार्टियां रणनीति बनाकर इन वर्गों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दे रही हैं ताकि दलितों को अपने पाले में लाया जा सके. ऐसे में बीजेपी के इस ऐलान से विरोधियों की इस क़वायद को झटका लगा है. बीजेपी भी अपने दलित नेताओं के ज़रिए सपा-कांग्रेस जैसे दलों को जवाब देने के लिए आगे कर रही है. बीजेपी को पता है कि वो अगड़ी जातियों और कुछ अन्य पिछड़े और दलित वोटों के भरोसे चुनाव नहीं जीत सकती है. उसे पिछड़े-दलितों के वोट पाने के लिए दूसरे सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ता है. इसी वोट के लिए उसे पिछड़ी जातियों को साधने की ज़रूरत है. बीजेपी को यह भी पता है जिस तरह से पिछड़े और दलितों की आवाज़ मुखर हुई है, उसे बहुत दिनों तक दबाया नहीं जा सकता. लेकिन केवल गणना कराने से क्या हासिल होगा और इससे मिले आंकड़ों का क्या किया जाएगा यह भविष्य में पता चलेगा. भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान जनगणना कराने की शुरुआत साल 1872 में की गई थी. अंग्रेज़ों ने साल 1931 तक जितनी बार भी भारत की जनगणना कराई, उसमें जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया. आज़ादी हासिल करने के बाद भारत ने जब साल 1951 में पहली बार जनगणना की, तो केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े लोगों को जाति के नाम पर वर्गीकृत किया गया. तब से लेकर भारत सरकार ने नीतिगत फ़ैसले के तहत जातिगत जनगणना से परहेज़ किया है. लेकिन 1980 के दशक में कई क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय हुआ जिनकी राजनीति जाति पर आधारित थी. इन दलों ने तथाकथित ऊंची जातियों के वर्चस्व को चुनौती देने के साथ-साथ तथाकथित निचली जातियों को सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में आरक्षण दिए जाने को लेकर अभियान शुरू किया. साल 1979 में भारत सरकार ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने के मसले पर मंडल कमीशन का गठन किया था. मंडल कमीशन ने ओबीसी श्रेणी के लोगों को आरक्षण देने की सिफ़ारिश की थी. लेकिन इस सिफ़ारिश को साल 1990 में लागू किया जा सका. इसके बाद देशभर में सामान्य श्रेणी के छात्रों ने उग्र विरोध प्रदर्शन किए थे. चूंकि जातिगत जनगणना का मामला आरक्षण से जुड़ चुका था, इसलिए समय-समय पर राजनीतिक दल इसकी मांग उठाने लग गए. आख़िरकार साल 2010 में बड़ी संख्या में सांसदों की मांग के बाद सरकार इसके लिए राज़ी हुई थी.जुलाई 2022 में केंद्र सरकार ने संसद में बताया था कि 2011 में की गई सामाजिक-आर्थिक जातिगत जनगणना में हासिल किए गए जातिगत आंकड़ों को जारी करने की उसकी कोई योजना नहीं है।

कौन है ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री अल्बनीज, जीत के लिए थाम लिया भगवा

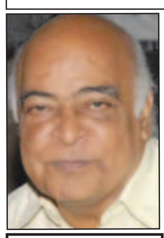

अशोक भाटिया

ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर एंथनी अल्बनीज का जादू चला है। उनकी लेबर पार्टी ने संघीय चुनाव जीत लिया है। इसके साथ ही अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। कुछ समय पहले अल्बनीज ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'दुनिया का बॉस' बताया था। अब ऑस्ट्रेलिया की जनता ने उन्हें फिर से बॉस चुन लिया है। इसके साथ ही अल्बनीज 21 सालों में दोबारा चुनाव जीतने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया में शनिवार को आम चुनाव में महंगाई और आवास की कमी जैसे मुद्दे छाए रहे। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ। इससे पहले डाक मतदान 22 अप्रैल को ही शुरू हो गया था। ऑस्ट्रेलिया उन गिने चुने देशों में शामिल है, जहां मतदान करना अनिवार्य है। साल 2022 में हुए पिछले आम चुनाव में 90 फीसदी मतदान हुआ था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज दूसरा कार्यकाल पाने की कोशिशों में जुटे थे। उनका मुकाबला कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पीटर डटन से था। ऑस्ट्रेलिया संसद में दो सदन हैं। ऊपरी सदन को सीनेट और निचले सदन को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) कहा जाता है। भारत की तरह ही निचले सदन में बहुमत पाने वाली पार्टी या गठबंधन का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है। इसकी 150 सीटों के लिए अभी वोटिंग हुई थी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की अच्छी-खासी आबादी है। इस बार चुनाव में भारतीय मूल के 8 लाख मतदाता अपने वोट का इस्तेमाल कर रहे है। भारतीय मूल के वोटर्स को लुभाने के लिए सियासी दलों ने अपनी-अपनी रणनीति बनाई थी। प्रधानमंत्री की पार्टी ने भारतीय छात्रों के लिए वीजा की संख्या बढ़ाने का वादा किया है। इतना ही नहीं, वर्क वीजा बढ़ाने का भी मुद्दा चुनाव में छाया हुआ है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अल्बनीज भारत के साथ संबंधों को और भी बेहतर बनाना चाहते हैं का वायदा किया था। विपक्ष के नेता पीटर डटन अपनी सीट भी नहीं बचा पाए। उन्हें लेबर पार्टी की उम्मीदवार अली फ्रांस ने हरा दिया। चुनाव के नतीजे आने के बाद डटन ने अपनी हार मान ली और अल्बनीज को फोन करके बधाई दी। अगर लेबर पार्टी को बहुमत मिलता है, तो अल्बनीज ही प्रधानमंत्री रहेंगे। वे अपनी पार्टी के नए सदस्यों में से मंत्रियों को चुनेंगे। अब बात करते हैं एंथनी अल्बनीज की। उन्हें लोग प्यार से 'अल्बो' भी कहते हैं। वे 2004 के बाद पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार दो चुनाव जीते हैं। 61 साल के अल्बनीज को कुत्तों से बहुत प्यार है। वे साधारण परिवार से आते हैं और उनका अंदाज काफी सहज रहता है। स्थानीय मीडिया ने भी मान लिया है कि अल्बनीज और उनकी लेबर पार्टी चुनाव जीत गई है। शुरुआती नतीजों से पता चलता है कि लोगों ने लेबर पार्टी को खूब वोट दिया है। अल्बनीज का बचपन मुश्किलों भरा रहा। उनका जन्म मार्च 1963 में हुआ था। उनकी मां अकेली थीं और उन्हें पेंशन पर गुजारा करना पड़ता था। वे सिडनी में सरकारी घर में रहते थे। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें बचपन में बताया गया था कि उनके पिता मर चुके हैं। लेकिन किशोरावस्था में उन्हें पता चला कि उनकी मां शादीशुदा आदमी से गर्भवती हुई थीं जो शायद अभी भी जिंदा थे। तीस साल बाद उन्होंने अपने पिता कार्लो अल्बनीज को ढूंढा और उनसे मिलने इटली गए। लेकिन अल्बनीज मानते हैं कि उनकी मां के साथ बिताए शुरुआती सालों ने उन्हें वह इंसान बनाया जो वे आज हैं। वे अपने परिवार में हाई स्कूल पास करने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने सिडनी यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में डिग्री हासिल की। उनका राजनीति से पहला नाता यूनिवर्सिटी में जुड़ा जहां वे छात्र परिषद में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने लेबर पार्टी के मंत्री टॉम उरेन के साथ काम किया और फिर एनएसडब्ल्यू लेबर के सहायक महासचिव बने। अल्बो को लोग 'छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा ध्यान न देने वाला' मानते हैं, जो एक नेता के लिए अच्छी बात है। वे पार्टियों और चुनावी कार्यक्रमों में 'डीजे अल्बो' के नाम से गाने भी बजाते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीवी पर भी वे अक्सर अपने प्यारे कुत्ते 'टोटो' के साथ दिखाई दिए थे। 1996 में अपने 33वें जन्मदिन पर अल्बनीज पहली बार संसद के लिए चुने गए। तब से वे लगातार सांसद हैं और ऑस्ट्रेलिया के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सांसदों में से एक हैं। उन्होंने लगभग 30 साल तक सिडनी की सीट का प्रतिनिधित्व किया है। 2007 में जब लेबर पार्टी सत्ता में आई तो अल्बनीज बड़े मंत्री बने और पार्टी के नेताओं को बदलने में उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने केविन रड को हटाकर जूलिया गिलार्ड को प्रधानमंत्री बनवाया और फिर वापस केविन रड को लाए। केविन रड के दूसरे छोटे कार्यकाल में वे उप-प्रधानमंत्री भी रहे। 2013 में उन्होंने विपक्ष के नेता के लिए चुनाव लड़ा। 2019 में जब लेबर पार्टी अप्रत्याशित रूप से चुनाव हार गई तो उन्होंने निराश पार्टी का नेतृत्व किया।

गुम होती सुबहें: प्रकृति की चेतावनी

प्रो. आरके जैन

हर सुबह की शुरुआत पहले चहचहाते स्वर के साथ होती थी -जब गौरैया की चहचहाहट, कोयल की मधुर कूक और कबूतरों की गुटरगूं से घर आंगन गूंज उठते थे। ऐसा लगता था मानो प्रकृति ने जागरण की घड़ी भेजी हो। पर अब वह सुबहें खामोश हैं, और वो स्वर कहीं गुम होते जा रहे हैं। यह खामोशी सिर्फ कानों को नहीं, दिल को भी चीरती है। हमने ऊंची इमारतें, चमचमाती सड़कें और आधुनिकता का तमगा तो हासिल कर लिया, पर क्या कभी ठहरकर सोचा कि इस चकाचौंध के पीछे हमने क्या खो दिया? वे छोटे पंखों वाले मेहमान, जो कभी हमारे आंगन का हिस्सा थे, अब कहीं गुम हो चुके हैं। यह सिर्फ पक्षियों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि हमारे और प्रकृति के बीच बढ़ती खाई की कहानी है। शहरों में बदलते पक्षी आवास एक अनदेखी चुनौती बनकर उभरे हैं, जो हमें चेतावनी दे रही है - अगर अभी नहीं जागे, तो आने वाली सुबहें और भी सन्नाटे में डूब जाएंगी। शहरों का विस्तार आधुनिकता का प्रतीक है, लेकिन यह विस्तार एक भारी कीमत वसूल रहा है। कभी जिन पेड़ों की छांव में चिड़ियां घोंसले बनाती थीं, वे अब कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं। बगीचे, तालाब और खुली छतें, जो पक्षियों का बसेरा हुआ करती थीं, अब मॉल्स, हाईवे और बहुमंजिला इमारतों की भेंट चढ़ गए हैं। गौरैया, जो कभी हर घर की शोभा थी, अब दुर्लभ हो चली है। बुलबुल की मधुर आवाज और मैना की चंचलता अब शायद ही कहीं सुनाई दे। यह सिर्फ कुछ प्रजातियों का गायब होना नहीं, बल्कि उस पारिस्थितिकी तंत्र का टूटना है, जो हमें जीवन देता है। पक्षी केवल गीत और सौंदर्य नहीं लाते; वे प्रकृति के संतुलन का आधार हैं। वे बीज बिखेरते हैं, कीटों को नियंत्रित करते हैं और जैव विविधता को जीवंत रखते हैं। लेकिन जब उनके घर ही उजड़ जाएंगे, तो वे कहां जाएंगे?शहरीकरण की अंधी दौड़ ने पक्षियों के लिए कई खतरे खड़े किए हैं। बढ़ता प्रदूषण, मोबाइल टावरों से निकलने वाला विद्युत-चुंबकीय विकिरण, और हरित क्षेत्रों का तेजी से सिकुड़ना उनके अस्तित्व पर संकट बनकर मंडरा रहा है। एक अध्ययन के अनुसार, भारत के कई शहरों में गौरैया की आबादी में 60-70% तक की कमी आई है, और यह आंकड़ा हर साल बढ़ रहा है। विश्व स्तर पर, 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' ने कई शहरी पक्षी प्रजातियों को लुप्तप्राय की सूची में शामिल किया है। यह संकट केवल पक्षियों तक सीमित नहीं है। जब पक्षी गायब होते हैं, तो कीटों की संख्या बढ़ती है, फसलों को नुकसान होता है, और पारिस्थितिकी तंत्र की पूरी श्रृंखला प्रभावित होती है। फिर भी, हम इस संकट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? शायद इसलिए कि इसका असर तुरंत सामने नहीं आता। यह एक मूक आपदा है, जो धीरे-धीरे हमें घेर रही है। हमारी अनदेखी का एक कारण यह भी है कि हम पक्षियों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़कर नहीं देखते। हमारी सुबहें अब अलार्म की घंटियों से शुरू होती हैं, न कि चिड़ियों की चहचहाहट से। बच्चे अब गौरैया को किताबों में या यूट्यूब पर देखते हैं, न कि अपने आंगन में। यह नुकसान सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और भावनात्मक विरासत का भी है। क्या हम चाहेंगे कि हमारी अगली पीढ़ी प्रकृति के इस जीवंत हिस्से से अनजान रहे? क्या हम उन्हें वह अनुभव देने से चूक जाएंगे, जो हमने अपने बचपन में जिया - जब एक गौरैया का दाना चुगना या कोयल का गाना हमें प्रकृति से जोड़ता था? इस संकट का समाधान असंभव नहीं है, बशर्ते हम अभी कदम उठाएं। छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव ला सकते हैं।

घर जल रहा है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गली नंबर पाँच में आज सुबह-सुबह उस किस्म की अफरातफरी थी, जैसी फालतू सोशल मीडिया पर वायरल हुए किसी भूतिया वीडियो में होती है। मगर यहाँ मामला ज़रा असली था। शर्मा जी के घर में आग लग गई थी। हां, वही शर्मा जी जो अपनी सोसायटी मीटिंग्स में मैं तो समाज सेवा के लिए जीता हूं कहकर मंच तोड़ देते थे। आग न जल रही थी, न जल रही थी-वो भभक रही थी। जैसे कोई पुरानी सास को बहू की नई साड़ी की कीमत बता दी जाए, वैसी भड़क। लोग चिल्ला रहे थे, "पानी लाओ, बाल्टी लाओ, बाल्टी की मम्मी को भी बुलाओ!" मगर शर्मा जी? वो मोबाइल में गूगल कर रहे थे-जलते हुए घर के पड़ोसी को सांत्वना कैसे दें? और फिर जैसे ही उन्होंने फोन जेब में रखा, टोपी सीधी की, और ऐलान किया-"मैं वर्मा जी के घर जा रहा हूं, उनके बेटे को बुखार है। इंसानियत सबसे पहले।" पड़ोसी भौचक्क, मोहल्ला सन्न, और आग को जैसे ऑक्सीजन मिली हो। शर्मा जी समाज सेवा के इतने बड़े फैन थे कि उन्होंने अपने घर की दीवारों को भी स्वच्छ भारत और बेटी बचाओ के पोस्टरों से सजाया था, ताकि आग जब लगे तो अच्छे विचारों के साथ लगे। ये वही शर्मा जी थे जो कहते थे, "हमारे संस्कार हमें सिखाते हैं कि पड़ोसी के दुख में साथ देना सबसे बड़ी पूजा है।" कोई पूछे, साहब, पूजा में अगर घर ही भस्म हो जाए तो प्रसाद कहाँ चढ़ेगा? शर्मा जी की पत्नी, जिसे मोहल्ले वाले 'श्रीमती समाजसेवा देवी' कहते थे, वो तवा लेकर आग बुझा रही थी। तवा गरम हो गया, पर आग नहीं बुझी। शर्मा जी को कॉल किया-"सुनिए, LPG सिलेंडर गरम हो रहा है, आएंगे?" और उधर से जवाब आया-"वर्मा जी का बेटा बहुत कमजोर हो गया है, उसे गाजर का हलवा बना रहा हूं।

सेवा में व्यस्त हूं।" मोहल्ले वालों ने पहली बार महसूस किया कि आग की लपटें जब आदमी के विचारों से टकराती हैं, तो धुएँ में सिर्फ लकड़ी नहीं जलती, रिश्ते भी राख हो जाते हैं। शर्मा जी जब वर्मा जी के घर पहुँचे तो वहाँ का माहौल कुछ अलग था। बच्चे को मामूली जुकाम था, मगर शर्मा जी ने उसे गोद में उठाया और बोले-"बेटा, अब डरने की ज़रूरत नहीं, अंकल यहाँ हैं।" और तभी वर्मा जी की बीवी बोल उठीं, "अरे शर्मा जी, आपका घर जल रहा है, आप यहाँ क्या कर रहे हैं?" शर्मा जी मुस्कराए जैसे मिस यूनिवर्स बन गए हों, बोले-"घर तो जलते रहते हैं, इंसानियत नहीं जलनी चाहिए।" वो मुस्कान वैसी ही थी जैसी नाटक में नायक आख़िरी सीन में मरने से पहले देता है। पर फर्क ये था कि यहाँ मरना घर को नसीब हुआ। शर्मा जी के घर की दीवारें अब मुहावरे बोलने लगी थीं-"जहाँ चाह वहाँ राह, मगर आग में सब भस्म।" मोहल्ले की भीड़ में एक बच्चा चिल्लाया-"मम्मी, शर्मा अंकल का टीवी पिघल गया!" मम्मी बोली-"चुप कर, वो टीवी नहीं, सेवा की भावना थी!" और शर्मा जी अपने आंसू पोंछते हुए कह रहे थे-"मैंने तो टीवी इसलिए रखा था ताकि उसमें न्यूज चैनल देखकर समाज की चिंता कर सकूं।" वहाँ एक वृद्ध बोले-"बेटा, समाज की चिंता करने से पहले अपना चूल्हा देख लेना चाहिए।"

शास्त्रों में छुपा है यह रहस्य

भगवान इस तरह से घर पर भेजते हैं बड़ा संकेत

भारतीय शास्त्रों में प्रकृति और जीव-जंतुओं का विशेष महत्व बताया गया है। यह मान्यता है कि भगवान अपने संकेत प्रकृति के माध्यम से ही देते हैं। कई बार हमारे आसपास कुछ ऐसे जीव-जंतु दिखाई देते हैं, जिन्हें हम सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन शास्त्रों के अनुसार, इनका हमारे जीवन में आना किसी शुभ संकेत से कम नहीं होता। खासकर अगर ये जीव हमारे घर में आते हैं, तो यह संकेत देते हैं कि आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने वाला है।

उत्तराखंड के ऋषिकेश में स्थित गृह स्थानम के ज्योतिषी अखिलेश पांडेय ने कहा कि शास्त्रों में कुछ विशेष जीवों का उल्लेख मिलता है। जिनका घर में आगमन सौभाग्य, समृद्धि और सुख-शांति लेकर आता है। सबसे पहले बात करते हैं तितली की। यदि घर में खासकर तुलसी के पौधे के आसपास तितली मंडराती है, तो इसे देवी लक्ष्मी के आगमन का संकेत माना जाता है। यह दर्शाता है कि आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है और जल्द ही धन-संपत्ति में वृद्धि होने वाली है। इसी प्रकार यदि कोई चिड़िया आपके घर की बालकनी या खिड़की के पास घोंसला बनाती है तो यह अत्यंत शुभ संकेत होता है। यह स्थिरता, प्रेम और शांति का प्रतीक है। शास्त्रों के अनुसार, जहां पक्षी घोंसला बनाते हैं वहां ईश्वर की कृपा बनी रहती है। इसलिए ऐसे घोंसले को हटाना या तोड़ना नहीं चाहिए।

मेंढ़क और छिपकली का घर में दिखना होता है शुभ

मेंढ़क का घर में दिखाई देना आमतौर पर लोगों को अच्छा नहीं लगता लेकिन शास्त्रों में इसे वर्षा और समृद्धि से जोड़कर देखा गया है। यह संकेत देता है कि जीवन में ठहराव के बाद अब बरकत आने वाली है। मेंढ़क को कभी भी नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए बल्कि इसे प्रकृति के शुभ संकेत के रूप में देखना चाहिए।छिपकली को लेकर भी शास्त्रों में अलग-अलग मान्यताएं हैं। यदि छिपकली शरीर के किसी शुभ भाग जैसे दाईं भुजा, सिर या पैर पर गिरती है तो इसे लाभकारी माना जाता है। यह मान्यता है कि ऐसे संकेत अचानक मिलने वाले लाभ, सफलता या अच्छे समाचार का पूर्व संकेत होते हैं। हालांकि छिपकली के गिरने की दिशा और स्थान के अनुसार उसका फल बदलता है इसलिए इस पर ध्यान देना चाहिए।

कान छिदवाने को कहते हैं कर्ण वेध संस्कार, 16 संस्कारों में है खास

आजकल फैशन और दिखावे के चलते लोग कान छिदवा लेते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता होता है कि शास्त्रों के अनुसार कान छिदवाने का क्या महत्व है और इसका सही तरीका क्या है। सनातन धर्म में कान छिदवाना एक संस्कार है, जिसे 'कर्ण वेध संस्कार' कहा जाता है। ये 16 संस्कारों में से एक है।

कान किन लोगों को छिदवाना चाहिए और इसके क्या लाभ हैं। लाल किताब के अनुसार, केतु को कान और बृहस्पति को सोना माना गया है। इसलिए जब कान छिदवाकर उसमें सोना डाला जाता है, तो बृहस्पति और केतु का मेल होता है। कान छिदवाने के कई लाभ होते हैं।

किन लोगों को यह उपाय करना चाहिए?

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में केतु मंद स्थिति में है, तो कान छिदवाना लाभदायक होता है। क्योंकि यह उपाय बृहस्पति के सहयोग से केतु को मज़बूती प्रदान करता है। अगर आपके जीवन में निम्न समस्याएं बार-बार आ रही हैं तो समझ लीजिए केतु कमजोर है।

रीढ़ की हड्डी या कमर में दर्द
घुटनों या पैरों में तकलीफ
यात्रा करने पर उद्देश्य की पूर्ति न होना
यौन शक्ति मौजूद हो लेकिन स्पर्म काउंट कम होना
पुरानी बीमारियां जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर, थायरॉइड
यूरिन, किडनी या संतान से संबंधित समस्याएं

ऐसी स्थिति में आप कान छिदवाने का उपाय कर सकते हैं।

पति-पत्नी के झगड़े शांत करने के लिए करें इस मंत्र का जाप

अक्सर लोग घरों में झगड़ा और क्लेश से परेशान रहते हैं।मान्यता है जिन घरों में क्लेश का वातावरण होता है उन घरों में मां लक्ष्मी वास नहीं करती है। प्रेम हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। जिसके बिना घर तहस नहस हो जाता है। घर में लड़ाई झगड़ा अक्सर सास बहू, भाई भाई, पिता पुत्र और पति पत्नी के बीच होते देखे गए हैं।

सुखद वैवाहिक जीवन के लिए उपाय : वैवाहिक जीवन में नित्य क्लेश होने से तनाव इतना अधिक हो जाता है कि बात तलाक जैसी स्थिति पर आ जाती है। ज्योतिष शास्त्र में पति-पत्नी की कलह को शांत करने के लिए अनेक उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से घर में शांति होती है और दोनों के बीच रिश्ते सामान्य हो जाते हैं। इन उपायों को करने से पति का पत्नि के प्रति मोह बढ़ जाता है।

पति के लिए करें ये जाप : यदि कोई स्त्री अपने पति से परेशान है कि उसका पति उसकी ओर देखता भी नहीं है या किसी अन्य स्त्री के प्रेम जाल में फंसा हुआ है। ऐसी स्थिति में उस स्त्री को रोजाना 108 बार इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र के नित्य जाप से केवल पति-पत्नी की कलह शांत नहीं होगी बल्कि उनके जीवन में खुशियां आएंगी और पति का पत्नी के प्रति मोह बढ़ जाएगा।यह मंत्र इतना ताकतवर है कि नित्य इसके जाप से पति आकर्षित और मोहित हो जाएगा।इसका असर कुछ ही दिनों में आपको दिखने लगेगा।

मंत्र : ओम अस्य श्री सुरी
मन्त्र स्वार्थ वर्ण
ऋषि इति शिपस स्वाहा

जाप कैसे करें : उक्त मंत्र का जाप किसी की शुक्ल पक्ष के शुक्रवार से 108 दिन तक निरंतर करना है। इस मंत्र के जाप के दौरान यदि महिलाओं को पीरियड आ जाये तब भी अलग बैठकर इस मंत्र का जाप रोज करना है।इस जाप के लिये सायं काल का समय उत्तम रहता है। इस मंत्र के जाप से पहले अपनी मनोकामना का मन में संकल्प करें।

महाभारत: जब अर्जुन का बेटा ही बना उनका काल अपने ही खून ने अर्जुन को ललकारा था

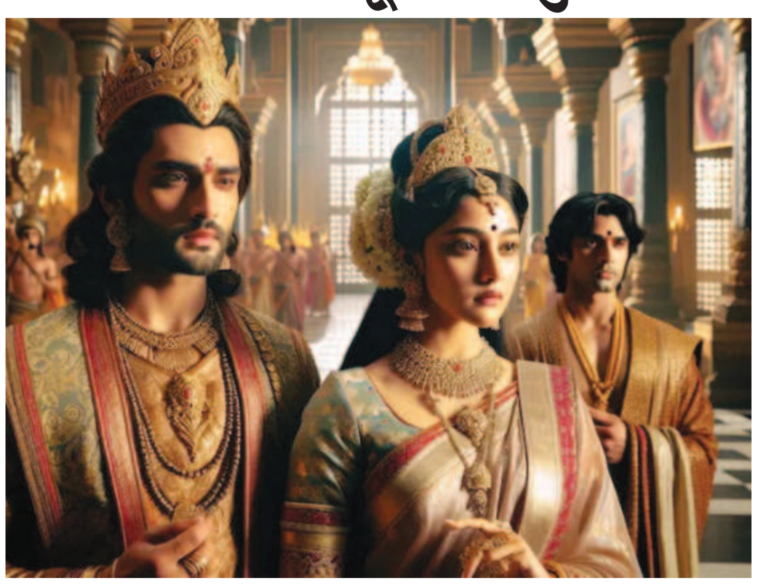

महाभारत की रचना महर्षी वेदव्यास ने आज से 5000 साल पहले की थी। लेकिन इतनी शताब्दियों के बाद भी ये ग्रंथ भारतीय समाज का सबसे बड़ा दर्पण रहा है। महाभारत की कहानियां आज भी लोगों को प्रेरणा देती हैं। महाभारत, केवल युद्ध की कथा नहीं है, बल्कि उसमें छिपे रिश्तों, कर्मों और नियति के जटिल ताने-बाने हैं। महाभारत के सबसे चर्चित और रोचक किरदारों में से एक हैं अर्जुन, जिनके धैर्य, शौर्य और पराक्रम का लोहा हर कोई मानता है। युद्ध कौशल में निपुण अर्जुन जैसा कोई धनुर्धर इस काल में नहीं हुआ। महाभारत में जब भी अर्जुन किसी युद्ध में उतरा, कभी नहीं हारा। वह हमेशा ही एक योद्धा बनकर उभरा। लेकिन एक मौका ऐसा आया जब अर्जुन को किसी और ने नहीं, बल्कि अपने ही खून ने परास्त किया। कौन था वो अर्जुन का महान योद्धा पुत्र जिसने पिता को ही मौत के घाट उतार दिया था। आइए आपको बताते हैं महाभारत के इस पक्ष के बारे में।

अर्जुन को जब सौंपना पड़ा अपना ही बेटा

अर्जुन की चार पत्नियां थीं। द्रौपदी, चित्रांगदा, उलूपी और सुभद्रा। द्रौपदी को अर्जुन ने स्वयंवर में जीता और वह पांचों पांडवों की पत्नी बन गई। द्रौपदी के अलावा अर्जुन ने उलूपी, सुभद्रा और चित्रांगदा से भी विवाह किया था। अर्जुन और चित्रांगदा का ही पुत्र था, बभ्रुवाहन जिसका पराक्रम अतुलनीय था। वनवास काल के दौरान अर्जुन की यात्रा मणिपुर तक पहुंची थी। वहां उनकी भेंट हुई मणिपुर नरेश चित्रवाहन की वीरांगना पुत्री चित्रांगदा से। उसका तेज, युद्धकौशल और रूप ने अर्जुन को मोहित कर दिया। लेकिन जब अर्जुन ने चित्रांगदा से विवाह का प्रस्ताव रखा तो राजा ने एक शर्त रखी। चूंकि उनके वंश में हर पीढ़ी में केवल एक ही संतान हो सकती है, इसलिए चित्रांगदा का पुत्र राज्य का उत्तराधिकारी बनेगा और मणिपुर में ही रहेगा।

युद्ध न करने पर अपने ही पुत्र को ललकारा

अर्जुन ने यह शर्त स्वीकार की और चित्रांगदा से विवाह किया। उनके पुत्र का नाम रखा गया बभ्रुवाहन। पुत्र के जन्म के बाद अर्जुन उन्हें चित्रांगदा के साथ छोड़, अपने कर्तव्यों की ओर बढ़ गए। समय बीता, धर्मराज युधिष्ठिर का अश्वमेध यज्ञ आरंभ हुआ। अर्जुन को पूर्वोत्तर दिशा की यात्रा पर भेजा गया, जिसमें वह मणिपुर भी पहुंचे। वहां के राजा बभ्रुवाहन ने सम्मान सहित अपने पिता का स्वागत किया। लेकिन बेटे का ये स्वागत देख अर्जुन क्रोधित हो गए। उन्होंने बभ्रुवाहन के स्वागत को क्षत्रिय धर्म के अनुरूप न मानते हुए उसे कायरता समझा और युद्ध की चुनौती दी। उलूपी (अर्जुन की दूसरी पत्नी) ने भी अपने सौतेले पुत्र बभ्रुवाहन को युद्ध के लिए प्रेरित किया। युद्ध में बभ्रुवाहन बेहोश हो गया और अर्जुन अपने ही बेटे के हाथों मारा गया।

पाकिस्तान बॉर्डर पर बम वाली माता का मंदिर, जहां दागे 3000 गोले, लेकिन नहीं हुआ बाल भी बांका

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते और तल्ख हो गए हैं। पाकिस्तान को डर है कि भारत उस पर हमला कर सकता है। इस वजह से दोनों तरफ बॉर्डर पर सुरक्षाबल मुस्तैद हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर राजस्थान तक मुस्तैदी है। राजस्थान का जैसलमेर भी पाकिस्तान बॉर्डर से लगा है, जहां पर 1965 और 1971 की जंग लड़ी गई। 1965 के लोंगेवाला युद्ध के समय पाक सेना ने जैसलमेर सीमा पर एक मंदिर के पास 3000 से अधिक गोले दागे, लेकिन मातारानी का ऐसा चमत्कार हुआ कि एक भी बम नहीं फटा, किसी का बाल भी बांका नहीं हुआ। युद्ध के बाद खुद पाकिस्तान सेना का ब्रिगेडियर मातरानी के दर्शन करने आया था। तब से इस मंदिर के चमत्कार की कहानी प्रसिद्ध हो गई और इस मंदिर को बम वाली माता, फौजियों की माता, युद्ध वाली देवी के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर तनोट माता का है। आइए जानते हैं इस मंदिर से जुड़े चमत्कार के बारे में।

जैसलमेर टूरिज्म की बेवसाइट के अनुसार, लोक मान्यता है कि 1965 के युद्ध में पाक सेना ने तनोट माता मंदिर पर 3000 से अधिक बम गिराए, लेकिन तनोट माता के चमत्कार से एक भी बम नहीं फटा। यहां के आसपास के लोगों का बाल भी बांका नहीं हुआ। माता रानी ने अपनी शक्ति से इस क्षेत्र की रक्षा की।

जब यह बात पाकिस्तानी सेना को पता चली तो उसका ब्रिगेडियर भी तनोट माता के चमत्कार को देखने चला आया। पाकिस्तानी ब्रिगेडियर शाहनवाज खान तनोट माता के मंदिर में आया और उसने देवी माता को चांदी का छत्र चढ़ाया था। 1965 का युद्ध हो या फिर 1971 का, दोनों बार तनोट माता ने अपने भक्तों की रक्षा की।

आज भी मंदिर में रखे हैं बम

तनोट माता के मंदिर में आज भी वे बम रखे हुए हैं, जो युद्ध के समय फटे नहीं थे। देश और दुनिया भर से लोग माता के दर्शन करने के साथ इन बमों को देखने के लिए आते है। तनोट माता के चमत्कार के कारण उनको बम वाली देवी, युद्ध वाली देवी के नाम से जानते हैं। उस युद्ध में तनोट माता ने भारतीय जवानों की रक्षा की थी, जिससे इनको फौजियों की माता भी कहते हैं।

रुमाल वाली देवी भी हैं तनोट माता

तनोट माता को रुमाल वाली देवी भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर जो भी भक्त आते हैं, वे अपने मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए एक रुमाल बांध देते हैं। जब आप दर्शन करने जाएंगे तो वहां पर काफी संख्या में रुमाल बंधे हुए देख सकते हैं।

बीएसएफ करती है तनोट माता की सेवा

तनोट माता मंदिर के देखरेख का जिम्मा बीएसएफ के हाथों में है। बीएसएफ के जवान ही तनोट माता मंदिर की साफ-सफाई, पूजा-पाठ, भजन, आरती, भंडारा आदि का सारा काम करते हैं।

कौन हैं तनोट माता?

तनोट माता को हिंगलाज माता का अवतार कहा जाता है। हिंगलाज माता का शक्तिपीठ पाकिस्तान में बलूचिस्तान के हिंगोल नदी के किनारे है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहां पर माता सती के सिर का पिछला हिस्सा गिरा था।

तनोट माता मंदिर का इतिहास

तनोट माता का मंदिर जैसलमेर जिले के तनोट गांव में है, जिसे संवत 828 में राजा तणुराव ने बनवाया था। इस मंदिर को तनोट राय मातेश्वरी के नाम से भी जानते हैं। कहा जाता है कि मामडिया चारण की पुत्री आवड़ देवी जी की तनोट माता के रूप में पूजा होती थी।

जीवन में सुविधाएं नहीं, संतोष और शांति जरूरी है, संत की राजा को सीख

ये भ्रम है कि जिसके पास सुख-सुविधाओं की चीजें हैं, वही सबसे सुखी है। महंगे कपड़े, आलीशान घर, धन-संपत्ति से सुख-शांति नहीं मिलती है। ये बात एक पुरानी लोककथा से समझ सकते हैं। इस कथा में एक संत ने राजा को सीख दी है कि जो व्यक्ति कम संसाधनों में भी प्रसन्न रहता है, वही सबसे बड़ा धनी है। जीवन में सुविधाएं नहीं, संतोष और शांति सबसे जरूरी है।कथा के मुताबिक, पुराने समय में एक राजा था, जिसके पास हर प्रकार की भौतिक सुविधा मौजूद थी, बड़ा राज्य, अपार धन, विशाल सेना। उसे अपने वैभव पर बड़ा घमंड था। इस राजा के राज्य में एक संत आए, जिनके विचारों और प्रवचनों ने लोगों के मन को छू लिया। कई लोग संत के प्रवचन सुनने पहुंच रहे थे।

जब राजा को संत के बारे में मालूम हुआ तो उसने संत को अपने महल में आमंत्रित किया और अपने ऐश्वर्य का प्रदर्शन करते हुए, उन्हें भोजन पर बुलाया।

संत राजा के महल पहुंचे और भोजन किया। इसके बाद राजा ने संत से गर्व से कहा कि मेरे पास दुनिया का हर सुख है। मैं संसार का सबसे सुखी व्यक्ति हूं। आप जो चाहें, मुझसे मांग सकते हैं।

संत मुस्कुराए और बोले, राजन, मेरी आवश्यकताएं बहुत कम हैं, मेरा मन शांत है और मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं। असली सुखी वही है, जिसका अंतिम समय भी शांत और संतोषजनक हो।

राजा को ये बात अच्छी नहीं लगी। उसने संत को तुरंत अपने महल से जाने के लिए कह दिया। इस घटना के कुछ समय बाद, शत्रुओं ने उस राजा के राज्य पर हमला कर दिया। युद्ध में राजा हार गया, बंदी बना लिया गया।

अब राजा कैद में था। तभी उसे संत की बात याद आई कि अंतिम समय में जो व्यक्ति शांत और संतोषी है, वही असली सुखी व्यक्ति है।

विरोधी राजा के दरबार में घमंडी राजा बंदी बना हुआ खड़ा था। उस समय वह संत भी दरबार में पहुंच गए। संत को देखकर बंदी बना राजा उनके चरणों में गिर पड़ा। उसने स्वीकार किया कि सच्चा सुख अंत में शांति और संतोष में ही है, न कि सुख-सुविधा की चीजों में है। संत के कहने पर विरोधी राजा ने उस बंदी राजा को मुक्त कर दिया। राजा ने संत को धन्यवाद कहा और अहंकार छोड़ने का संकल्प लिया।

इस कथा से हमें ये समझने को मिलता है कि धन-संपत्ति तात्कालिक सुख दे सकती है, लेकिन स्थायी सुख शांति और संतोष से ही मिलता है। मन की शांति और संतोष ही वास्तविक समृद्धि है। जो व्यक्ति कम संसाधनों में भी प्रसन्न रहता है, वही असल में सबसे धनी है।

सुखी जीवन के लिए ध्यान रखें ये बातें

जरूरत और लालच में फर्क समझें: आवश्यकता पूरी करना आवश्यक है, लेकिन असीम इच्छाएं असंतोष का कारण बनती हैं।

ध्यान और आत्ममंथन को जीवन का हिस्सा बनाएं: रोज कुछ पल खुद के साथ बिताएं। ऐसा करने से मानसिक शांति मिलती है।

संतोष को सफलता का पैमाना मानें: बाहरी उपलब्धियों से ज्यादा, आंतरिक संतुलन मायने रखता है।

विनम्रता अपनाएं: सफलता और वैभव मिलने पर भी अहंकार से दूर रहें, क्योंकि वही पतन का पहला कदम होता है।

जीवन को सफल बनाने के लिए जरूरी नहीं कि हमारे पास सब कुछ हो; जरूरी ये है कि जो है, उसमें मन संतुष्ट और शांत हो। सुख की खोज बाहर नहीं, भीतर से शुरू होती है और यह सीख ही हमें एक राजा की हार और एक संत की बातों से मिलती है।

70 साल के इस फेमस विलेन को हुआ 31 की एक्ट्रेस से प्यार
कहा- 'चाहे जो हो जाए' 'मेरी जिंदगी की सांस हैं'

90 के दशक के पॉपुलर विलेन की चर्चा होती है तो इसमें एक नाम गोविंद नामदेव का भी आता है। वो आज भी फिल्मों में दमदार विलेन की भूमिका में दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। 'ओह माय गॉड' और हालिया रिलीज 'रेड 2' में उनका वही पहले वाला ही अंदाज स्क्रीन पर देख सकते हैं। उनकी खलनायिकी के आगे तो कभी-कभी हीरो भी फीके लगते हैं। लेकिन, इस बार वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा हो रही है कि 70 साल के एक्टर 31 साल की अभिनेत्री को डेट कर रहे हैं। ऐसे में चलिए आपको इस पूरे मामले के बारे में बताते हैं।

गोविंदा नामदेव की एक फोटो को-एक्ट्रेस के साथ वायरल हो रही है, जिसमें देख सकते हैं कि उनके साथ अभिनेत्री शिवांगी वर्मा काफी क्लोज दिख रही हैं। इस फोटो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर एक बार फिर से गोविंदा नामदेव अपनी निजी लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। 'रेड 2' की रिलीज के बीच ही फैंस तमाम तरह के कयास लगा रहे हैं। इसके पहले भी इनकी डेटिंग की खबरें सामने आ चुकी हैं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर शिवांगी वर्मा के साथ सामने आई गोविंद नामदेव की फोटो पुरानी है, जो कि पिछले साल दिसंबर, 2024 में वायरल हुई थी। तब भी इनके अफेयर की चर्चा खूब रही थी। ऐसे में अब 'रेड 2' की रिलीज के बाद एक्टर की वही फोटो एक बार फिर से वायरल हुई है। उनके अफेयर का मामला कोई रियल का नहीं बल्कि रील का है। इस पर वो पहले ही सफाई दे चुके हैं।

फोटो री-शेयर कर गोविंद नामदेव ने दी थी सफाई

गोविंद नामदेव ने उस समय को-एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा के साथ फोटो शेयर कर लिखा था, 'ये रियल लाइफ नहीं है, रील लाइफ है जनाब। एक फिल्म है गौरीशंकर गोहरगंज वाले, जिसकी शूटिंग हम इंदौर में कर रहे हैं। ये उसी फिल्म का स्टोरी प्लॉट है। इसमें एक उम्र दराज व्यक्ति तो एक यंग एक्ट्रेस से प्यार हो जाता है। जहां तक व्यक्तिगत रूप से मुझे किसी यंग-उम्र दराज से प्यार हो जाए, ये इस जनम में तो संभव नहीं है। मेरी सुधा, सांस है मेरी। जमाने की हर हदा हर लोभ-लालच, स्वर्ग जैसा भी, फीका है बिल्कुल मेरी सुधा के आगे। लड़ जाऊंगा प्रभु से भी। गर किया कुछ इधर-उधर तो, फिर हो जाए सजा कुछ भी।'

आपको बता दें कि गोविंदा नामदेव और शिवांगी वर्मा ने साथ में 2024 में फिल्म 'गौरीशंकर गोहरगंज वाले' में काम किया था। उनकी फोटो इसी फिल्म के सेट से सामने आई थी। गोविंद और शिवांगी की डेटिंग की खबर झूठ है। ये रियल नहीं बस रील का मामला है।

ये कहना गलत है कि साउथ की फिल्में हिंदी सिनेमा से बेहतर हैं : करण जौहर

मुंबई में आयोजित हुए वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट के पहले एडिशन में इंडियन सिनेमा के कई दिग्गज शामिल हुए। इस समिट के दूसरे दिन का एक सेशन में करीना कपूर खान और विजय देवरकोंडा के साथ था। इस सेशन को फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट कर रहे थे और उन्होंने साउथ बनाम बॉलीवुड के कई सवाल पूछे।

लंबे समय से बॉलीवुड और साउथ को लेकर बहस छिड़ी है। इंडस्ट्री से जुड़े कई लोग साउथ को बॉलीवुड से बेहतर बता चुके हैं। अब करण जौहर ने इस वेव्स समिट के दौरान साउथ सिनेमा, बॉलीवुड से बेहतर है, इस मुद्दे पर बात की और उन्होंने विजय देवरकोंडा की ओर इशारा करते हुए कहा, "मुझे विश्वास है विजय, आप एक ऐसे सिनेमा से आते हैं जो वास्तव में राजसी है और ये निश्चित रूप से एक अलग बहस है: क्या साउथ सिनेमा हिंदी सिनेमा से बेहतर है। मुझे लगता है कि ये हमें डिवाइड करता है। हमें ये मानना होगा कि ये इंडियन सिनेमा है। हम सभी इंडियन सिनेमा हैं। हम नॉर्थ नहीं हैं, हम साउथ नहीं हैं, हम मिलकर सिनेमा को वो बना रहे हैं जो वो है।"

करण ने आगे कहा, "मुझे लगता है कि ये सबसे जरूरी है कि हम डिवाइड न हों। मैं हमेशा ये कहता हूं और मैं भारतीय मीडिया से अनुरोध करता हूं कि जब आप ये पूछते हैं, तो आप वास्तव में हमें डिवाइड कर रहे हैं। और जब आप हमें अलग करते हैं, तो आप हमें तोड़ते हैं।"

करण जौहर ने साउथ वर्सेस बॉलीवुड की बहस को लेकर अपनी राय रखी और फिर उन्होंने विजय देवरकोंडा से पूछा कि वो साउथ वर्सेस बॉलीवुड की बहस से कैसे निपटते हैं, तो विजय देवरकोंडा ने कहा, "मुझे लगता है कि साउथ-नॉर्थ की बहस सुर्खियों के लिए दिलचस्प हो सकती है, लेकिन सिनेमा के लिए बहुत फायदेमंद नहीं है। अगर हमें दुनिया के दिग्गजों से मुकाबला करना है, तो हमें सहयोग करना होगा।"

उन्होंने इंडिया के दो सुपरस्टार शाहरुख खान और अल्लू अर्जुन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, "शाहरुख सर की पिछली फिल्म ने 1000 करोड़ रुपये कमाए और फिर अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 1000 करोड़ रुपये कमाए। तो जरा सोचिए अगर आप उन्हें एक फिल्म में साथ लाते हैं। जब आप भारत से दो सितारों को लाते हैं तो ये देश को एकजुट करेगा। किसी भी इंसान की एकमात्र महत्वाकांक्षा लोगों का ध्यान आकर्षित करना और अपनी पहुंच बढ़ाना है। यह केवल सहयोग के से ही संभव है।" इस इवेंट में शाहरुख खान ने भी भी अपने बारे में खुलकर बात की। शाहरुख खान ने कहा कि जब वो फिल्में नहीं कर रहे होते तो वो कुछ नहीं करते। वो खुद को समय देते हैं, अपने बच्चों के साथ रहते हैं और घर के काम में भी हाथ बटाते हैं।

'मस्जिद खोदो तो मंदिर मिलेगा', नॉर्थ-साउथ की बहस पर कहा- 'हिंदी थोप क्यों रहे हो?'

अजय देवगन स्टारर फिल्म 'सिंघम' के जयकांत शिकरे जैसे दमदार रोल के लिए जाने-जाने वाले एक्टर प्रकाश राज को उनकी बेबाकी के लिए भी जाना जाता है। वो अक्सर मोदी सरकार को घेरते हुए नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। हर मुद्दे पर मुखर होकर अपनी राय रखते हैं। ऐसे में अब एक बार फिर से प्रकाश राज को मोदी सरकार पर बरसते हुए देखा गया। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी में कांग्रेस पार्टी वाले ही नेता है, जिन्होंने पहले कांग्रेस में घोटाले किए फिर बीजेपी में शामिल हो गए। एक्टर ने मंदिर-मस्जिद विवाद से लेकर नॉर्थ-साउथ की बहस तक पर अपनी प्रतिक्रिया दी। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

दरअसल, प्रकाश राज ने इस दौरान उन्होंने फिल्मों से लेकर पॉलिटिकल पार्टी और देश में चल रहे कई मुद्दों पर खुलकर अपने विचार रखे। इसी बीच अभिनेता ने एक बार फिर से मोदी सरकार को घेरा। सौरभ द्विवेदी एक्टर से सवाल करते हैं, 'क्या आपने कभी किसी बीजेपी नेता से मुलाकात की है?' इस पर प्रकाश राज ने पलटकर सवाल किया, 'क्या वो मुझसे मिलने आते हैं?' फिर सामने से सवाल आता है, 'क्या आपके बीजेपी में कोई दोस्त हैं?' इस पर अभिनेता कहते हैं, 'मेरे बहुत से विधायक, सांसद दोस्त हैं और वो कहते हैं, मुझे गाली मत दो। बस यही कहते हैं। मेरे साथ क्या करेंगे।'

बीजेपी में कांग्रेसी नेता हैं- प्रकाश राज

साउथ एक्टर आगे कहते हैं, 'अगर आप अब बीजेपी के सांसदों और विधायकों को देखें तो ज्यादातर असल में बीजेपी के नहीं हैं, ये शक्ति है। आधे कांग्रेसी बीजेपी में हैं, क्या वे बीजेपी के हैं? वहां पर को घोटाला कर रहे हैं तो इस पार्टी में आ गए तो घोटाला साफ हो गया। नहीं, आधे लोग, यहां के लफंगे ही वहां गए हैं।' इसके बाद प्रकाश राज पर एक और सवाल दागा जाता है और पूछा जाता है कि 'बहुत से लोग कहते हैं कि प्रकाश राज, मोदी शासन के बाद ही मुखर हुए हैं, क्या पहले सब कुछ ठीक चल रहा था?' इसके जवाब में प्रकाश राज कहते हैं, 'नेहरू के बारे में पूछते हैं, जब वो मरे मैं पैदा भी नहीं हुआ था। मैं क्या करूं जाऊं वहां?'

इतना ही नहीं, प्रकाश राज अपने तीखे शब्दों में आगे कहते हैं, 'कहां तक खोद के जाऊं, औरंगजेब, जाएंगे? आज एक मस्जिद को खोदो तो मंदिर मिलेगा। मंदिर को खोदो तो बुद्ध मिल सकता है। कहां तक खोद के जाएंगे भई? टीपू सुल्तान से मेरा क्या लेना-देना, औरंगजेब से मेरा क्या लेना-देना? मेरे सवाल से समस्या है या फिर मैं सवाल कर रहा हूं इससे समस्या है?' इसके साथ ही प्रकाश राज ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा, 'अभी आपके मोदी जी बोलते हैं, पकिस्तान जाकर बिरयानी खाते हैं ना।'

बहस पर क्या बोले प्रकाश राज?

इसके साथ ही प्रकाश राज ने नॉर्थ vs साउथ की बहस पर भी रिएक्शन दिया और कहा, 'मैं हिंदी बोल रहा हूं क्योंकि मुझे जरूरत है। लेकिन, आप इसे (हिंदी) थोप क्यों रहे हो? आप इसलिए हिंदी बोलते हैं क्योंकि आपको हिंदी आती है लेकिन मुझे हिंदी बोलने के लिए आप मजबूर कर रहे हैं। क्योंकि आपको सिर्फ हिंदी ही आती है। बिहार, गुजरात या नॉर्थ के राज्यों में तीन भाषा नीति है क्या? सिर्फ साउथ के राज्यो के लिए ही तीन भाषा नीति क्यों? आप इस पर ध्यान क्यों नहीं देते कि स्कूल में शौचालय नहीं हैं। शिक्षक नहीं हैं, रोज का खाना नहीं है।'

'एआई फिल्म निर्माण का भविष्य है'
लार्वेन एआई स्टूडियो के लॉन्च पर बोले दिल राजू

'गेम चेंजर', 'संक्रांतिकी वस्तुनम', 'थी फैमिली स्टार', 'दिल', 'आर्या', 'बृंदावनम' और 'सुप्रीम' जैसी फिल्मों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध दिल राजू ने शनिवार को एक बड़े समारोह में लारवेन एआई स्टूडियो की शुरुआत की, जिसका उद्घाटन तेलंगाना के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने किया।

दिल राजू की पहल

दिल राजू ने बताया कि दो साल पहले उनके मन में एआई स्टूडियो बनाने का विचार आया था। उन्होंने क्वांटम कंपनी के साथ मिलकर एआई के सिनेमा में इस्तेमाल पर काम किया। उन्होंने कहा, ₹एआई फिल्म निर्माण का भविष्य है। यह प्री-प्रोडक्शन, पोस्ट-प्रोडक्शन और प्रमोशन में मदद करेगा। एआई के जरिए हम स्क्रिप्ट को ध्वनि और सींस के साथ पूरी फिल्म के रूप में पहले ही देख सकते हैं।

एआई को लेकर दिल राजू की राय

दिल राजू ने एआई को लेकर कहा, उन्होंने यह भी कहा कि एआई से फिल्मों की सफलता की संभावना बढ़ेगी। ₹हम अपनी नई फिल्मों के लिए एआई से स्क्रिप्ट बना रहे हैं। इससे लेखक और निर्देशक समय बचा सकते हैं और निर्माता खर्च कम कर सकते हैं। यह बेहतर सिनेमा बनाने में मदद करेगा। एआई एक सहायक निर्देशक की तरह है, जो बिना भावनाओं के काम करता है।

समारोह में शामिल हुईं दिग्गज हस्तियां

इस समारोह में मशहूर निर्देशक के. राघवेंद्र राव, सुकुमार, अनिल रविपुडी, वीवी विनायक, वामशी पेडिपल्ली, नाग अश्विन, बॉबी कोल्ली, मोहनकृष्ण इंद्रगंती ने हिस्सा लिया। सभी ने तेलुगु सिनेमा में ऐसी आधुनिक तकनीक लाने के लिए दिल राजू की तारीफ की।

इंस्टा अकाउंट बैन होने के बाद भारतीय फैंस की इस हरकत को देख भावुक हुईं हानिया, बोलीं- रो दूंगी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के मनोरंजन उद्योग पर कड़ा प्रहार किया था। इसके परिणाम में कई चर्चित पाकिस्तानी एक्टर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में बैन कर दिए गए थे। अब एक मामला सामने आया है, जिसमें भारतीय फैंस अभिनेत्री के इंस्टा अकाउंट को खोजकर उन्हें संदेश भेज रहे हैं, जिस पर उन्होंने कहा कि वह रो देंगी। आइए जानते हैं क्या है पूरी खबर और किस बात पर अभिनेत्री ने ये कहा।

फैंस ने अकाउंट को खोजने के ढूढ़े तरीके

पाकितानी अभिनेत्री हानिया आमिर का भी इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में बैन कर दिया गया था। हालांकि, उनके भारतीय फैंस ने वीपीएन का सब्सक्रिप्शन लेकर उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को ढूढ़ निकाला है। इस बात का जिक्र मीडिया रिपोर्ट्स में किया जा रहा है, जिसमें यह कहा गया है कि इंडियन फैंस से संबंधित रिएक्शन्स का एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है। वायरल हो रहे स्क्रीनशॉट्स में हानिया आमिर अपने प्रशंसकों को रिप्लाई करती नजर आ रही हैं।

फैंस के प्यार से भावुक हुईं हानिया आमिर

एक्ट्रेस हानिया आमिर के पोस्ट पर भारतीय फैंस प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, टेंशन मत लीजिए हम वीपीएन लगाकर आ गए हैं। इसे देखकर अभिनेत्री ने जवाब दिया कि वह इस प्यार को देख रो देंगी। वहीं इसके अलावा एक यूजर ने कमेंट किया, 'हैलो हानिया वीपीएन का सब्सक्रिप्शन लिया सिर्फ तुम्हारे लिए, भारत से प्यार'। इस पर भी हानिया आमिर ने जवाब दिया, 'लव यू'। इसके अलावा भी कई यूजर्स एक्ट्रेस के प्रति अपना प्यार जता रहे हैं।

हानिया आमिर ने पहलगाम हमले पर दी थी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री के नाम पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसे फर्जी बताते हुए हानिया आमिर ने बीते दिनों अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की थी। इसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी। साथ ही एक्ट्रेस ने लोगों से निर्दोष पीड़ितों के दर्द का राजनीतिकरण ना करने का आग्रह किया था। इसके अलावा उन्होंने कहा था, 'यह एक बेहद संवेदनशील और भावनात्मक समय है। हाल ही में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों और प्रभावित परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। इस तरह का दर्द वास्तविक है और इसे राजनीतिकरण की बजाय सहानुभूति की आवश्यकता है।'

साउथ की तृषा का विवादों से पुराना नाता

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में कई बेहतरीन एक्ट्रेसेस हैं, जो अपनी अदायकी के साथ ही लुक्स की वजह से भी काफी चर्चा में रही हैं। लुक्स, एक्टिंग के अलावा कई अभिनेत्रियां अपनी बेबाकी के लिए भी सुर्खियों में रहती हैं। इसी में से एक अभिनेत्री तृषा कृष्णन हैं, जो फिल्मों और लुक्स के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं। उन्हें 'पोन्नियिन सेल्वन' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। आज वो अपना जन्मदिन मना रही हैं और इस खास मौके पर आपको उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में बता रहे हैं कि उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। प्राइवेट फोटो लीक से लेकर सगाई टूटने और शादीशुदा एक्टर संग नाम जुड़ने को लेकर काफी चर्चा में रही हैं। ऐसे में चलिए बताते हैं।

तृषा कृष्णन का जन्म 4 मई, 1983 को चेन्नई में हुआ था। आज वो किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। लंबे समय के बाद उन्होंने फिल्म 'पोन्नियन सेल्विन' से कमबैक कर खूब चर्चा बटोरी थी। लेकिन, इससे पहले वो तमाम फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं और खूब नाम कमा चुकी हैं। स्क्रीन पर तृषा के नाम का सिक्का चलता था। वो तमिल-तेलुगु से लेकर हिंदी तक में कई फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं और स्क्रीन पर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने में सफला रही हैं। वो प्रोफेशनल लाइफ में भले ही सफल रही हैं लेकिन, उनकी निजी जिंदगी काफी चर्चा में रही है। 42 साल की उम्र में वो सिंगल हैं लेकिन, उनका नाम पहले शादीशुदा एक्टर संग जुड़ चुका है। यहां तक कि उनकी प्राइवेट फोटो भी लीक हो चुकी है।

बिजनेसमैन संग टूटी थी सगाई

साउथ के सुपरस्टार धनुष और तृषा कृष्णन काफी समय तक रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहे हैं। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते को दोस्ती वाला बताया था। कथित तौर पर माना जाता है कि धनुष की वजह से ही एक्ट्रेस की बिजनेसमैन संग सगाई टूटी थी। तृषा ने दिसंबर 2015 में बिजनेसमैन वरुण मनियन के साथ अपनी सगाई का ऐलान किया था और सभी को चौंका दिया था। हालांकि, करीब 5 महीने के बाद इनका रिश्ता खत्म हो गया था और ये सगाई भी टूट गई थी।

शादीशुदा एक्टर संग जुड़ा नाम

तृषा कृष्णन भले ही आज सिंगल हैं। लेकिन, एक समय था जब उनका नाम साउथ सुपरस्टार विजय के साथ जुड़ा था। साल 2005 की बात है जब एक्ट्रेस का नाम शादीशुदा थलापति विजय के साथ जुड़ा। कथित तौर पर दो नों के अफेयर रहे हैं। इनकी मुलाकात और करीबी की खबर फिल्म 'घिल्ली' के सेट से सामने आई। इसी की शूटिंग के दौरान दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब आए। चर्चा रही है कि इसकी वजह से विजय की शादीशुदा जिंदगी पर खतरा भी मंडराने लगा था। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को कबूल नहीं। इसके बाद एक्ट्रेस का नाम राणा दग्गुबाती संग जुड़ा था, जिसका खुलासा राणा दग्गुबाती ने कॉफी विद करण में किया था। उन्होंने बताया था कि दोनों कई सालों तक रिलेशनशिप में रहे थे।

लीक हो चुकी प्राइवेट फोटो

तृषा कृष्णन अपनी प्राइवेट फोटो लीक होने को लेकर काफी चर्चा में रही हैं। ये बात उन दिनों की है जब राणा दग्गुबाती और तृषा रिलेशनशिप में थे। इनकी प्राइवेट फोटो इंटरनेट पर सामने आई थी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर खूब बवाल मचा था। हालांकि, इस मामले को लेकर दोनों में से किसी ने भी सफाई नहीं दी थी।

बयानों की वजह से बढ़ा विवाद

इसके अलावा तृषा कृष्णन अपने बयानों की वजह से भी मुश्किलों में फंस चुकी हैं। तृषा दक्षिण भारत के लिए पेटा की ब्रैंड एंबेसडर रह चुकी हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने जल्लीकट्टू के खिलाफ बयान देकर काफी लाइमलाइट बटोरी थी। जब वो इसका ब्रैंड एंबेसडर बनी थीं तो जल्लीकट्टू के लिए विरोध चरम पर था। उस दौरान एक्ट्रेस ने पेटा का समर्थन किया तो लोग उनसे नाराज हो गए। इसकी वज से उनका ट्विटर अकाउंट भी डिएक्टिवेट कर दिया गया था।

बहरहाल, अगर तृषा की प्रोफेशनल लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1999 में फिल्म 'जोड़ी' से की थी। वो पहली बार वह 2002 के दौरान फिल्म 'मौनम पेसियाधे' में लीड रोल में नजर आई थीं। 2003 के दौरान विक्रम की 'सामी' ने उन्हें स्टार एक्ट्रेस बना दिया था।

गर्मी में 'कूल' और 'क्लासी' लुक देंगी 'सुंदर टोपियां'

गर्मियों में धूप से बचाव के लिए हैट और कैप पहनना न केवल स्टाइलिश होता है, बल्कि स्किन की सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद जरूरी है। तेज धूप से चेहरे को बचाने के लिए सही टोपी का चुनाव और उसे सही तरीके से पहनना आपको (अल्ट्रावायलेट) किरणों से सुरक्षित रख सकता है। जानते हैं, गर्मी में कौन से हैट्स बैस्ट हैं और इन्हें कैसे स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

वाइड ब्रिम हैट

वाइड ब्रिम हैट गर्मियों के लिए सबसे बेहतरीन और स्टाइलिश विकल्पों में से एक है। यह न सिर्फ चेहरे को धूप से बचाता है, बल्कि गर्दन और कानों तक भी छाया देता है। समर आऊटफिट्स

के साथ यह बहुत सुंदर और एलीगेंट दिखता है। इसे बीच, गार्डन पार्टी या वेकेशन पर पहना जा सकता है।

सन हैट

यह खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और बीच या आऊटडोर एक्टिविटीज पसंद करने वालों के बीच बेहद पॉपुलर है। सन हैट एक एलिगैंट, रॉयल और वेकेशन वाइब देता है। हॉलिडे, ट्रैकिंग, हिल स्टेशन, बीच, फार्महाऊस जैसी जगहों के लिए आप इसे कैरी कर सकती हैं।

बकेट हैट

कॉटन, लिनेन या नायलॉन से बनी यह हैट हल्की और सांस लेने लायक होती है। इसके चारों और ब्रिम होता है, जो अच्छी तरह छाया देता है। कैजुअल आऊटिंग्स, ट्रैवल या समर वेकेशंस के लिए यह एक शानदार ऑप्शन है।

स्पोर्ट्स कैप

यह कैप उन लोगों के लिए परफैक्ट है, जो रनिंग, वॉकिंग, जिमिंग या किसी भी आऊटडोर एक्टिविटी में रुचि रखते हैं। टी-शर्ट और ट्रैक पैंट के साथ स्पोर्ट्स कैप आपकी लुक को फुर्तीली और फिटनैस-फ्रैंडली बना देगी। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो खुले बालों के साथ वर्कआऊट करते हैं।

बेसबॉल कैप

यह आज के समय के सबसे पॉपुलर और स्टाइलिश हैडगियर्स में से एक है, जो आपकी कैजुअल लुक को भी सुपर कूल बना देती है। यह लड़के और लड़कियों दोनों के लिए यूनिसैक्स ऑप्शन है। इसकी खास बात यह है कि ये जीन्स-टीशर्ट, कुर्ती, शर्ट, सभी के साथ कर जाती है। रोजाना की आऊटिंग या वॉक के लिए यह एकदम परफैक्ट है।

हैट को लेकर स्टाइलिंग टिप्स

कैज़ुअल आऊटफिट (टी-शर्ट + जींस) के साथ बेसबॉल कैप एकदम कूल लुक देती है।

समर ड्रैस या मैक्सी ड्रैस के साथ वाइड ब्रिम हैट पहनें, खासकर बीच या आऊटिंग पर।

बच्चों के लिए फंकी डिजाइन वाला बकेट हैट चुनें। आऊटडोर काम करते समय सन है या स्पोर्टी कैप पहनें।

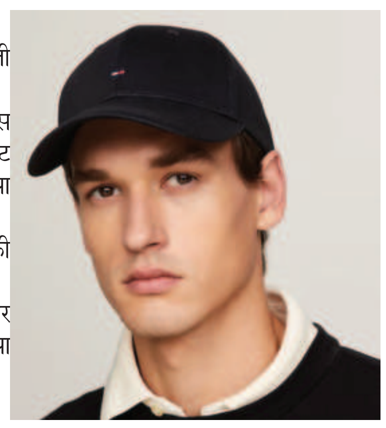

कक्षा 10 के बाद भविष्य के लिए योजना बनाना बेहद जरूरी

कक्षा 10 के बाद आगामी भविष्य के लिए योजना बनाना बेहद जरूरी है। 10वीं के बाद लिए गए फैसले छात्रों के करिअर की दिशा और उनके भावी जीवन पर महत्त्वपूर्ण असर डालते हैं।

ऐसे में छात्रों के लिए करिअर जागरूकता को बढ़ावा देने और पेशेवर दुनिया की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सावधानी पूर्वक योजना बनाना जरूरी है।

आप में से कुछ छात्र तैयारी के दरमियान ही इस पशोपेश में उलझ जाते हैं कि दसवीं या बारहवीं के बाद किस विषय के साथ आगे की पढ़ाई करें।

अगर ऐसा कोई प्रश्न आपको लगातार परेशान कर रहा है, तो ऐसे में करिअर काउंसलर आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। 10वीं के बाद करिअर विकल्पों का विश्लेषण

करें। अपनी रुचियों, ताकत और कमजोरियों का पता लगाएं। अलग-अलग योग्यता परीक्षण, व्यावहारिक कार्यशालाओं और करिअर परामर्श सत्रों में भाग लें। इससे करिअर संबंधी निर्णयों के लिए मजबूत आधार तैयार होता है। उम्मीदवार अपने कौशल और

क्षमताओं के आधार पर सही संकाय का चुनाव करें। पारंपरिक करिअर विकल्पों से हटकर डिजाइनिंग, आर्किटेक्चर जैसे क्षेत्रों के बारे में विचार करें।

10वीं के बाद उचित करिअर योजना बनाते समय कौशल विकास की आवश्यकता को समझना भी जरूरी है। अपने चुने हुए क्षेत्र में उच्च शिक्षा हासिल करना जरूरी है। ऐसे में छात्र करियर योजना में उच्च शिक्षा के लिए नींव तैयार करने पर जोर दें। अपने करियर के लक्ष्यों की पहचान कर उपयुक्त विषय चुनें और अपना शैक्षणिक ज्ञान बढ़ाएं।

फेलोशिप और छात्रवृत्ति में क्या अंतर है

प क्या अपनी शिक्षा के लिए धन जुटाने या अपने शोध को आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं? अगर हां, तो फेलोशिप और छात्रवृत्ति के बीच अंतर को समझना आपके लिए महत्त्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि यह आपको बताता सकता है कि कौन सा रास्ता सही हो सकता है। यह लेख इन अंतरों की जानकारी देगा। इससे आपको अपने विकल्पों को समझने

और अपने भविष्य की आकांक्षाओं के अनुरूप निर्णय लेने में मदद मिलती है। छात्रवृत्ति क्या है

छात्रवृत्ति विद्यार्थियों को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों के आधार पर दी जाती है। ये छात्रों को उनकी शिक्षा लागतों को पूरा करने में मदद करने के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता का एक रूप हैं। ज्यादातर छात्र विदेश में पढ़ाई का सपना छात्रवृत्ति के जरिए ही पूरा करते हैं।

छात्रवृत्ति के प्रकार : शैक्षणिक छात्रवृत्तियां, आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियां, एथलेटिक छात्रवृत्ति, अल्पसंख्यक - विशिष्ट छात्रवृत्तियां, अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्तियां । फेलोशिप क्या है।

फेलोशिप उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जो आमतौर पर विशेष क्षेत्रों में उन्नत अध्ययन, शोध या व्यावसायिक विकास का कार्य करना चाहते हैं। ये अनुदान विद्वानों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों को उनके क्षेत्रों में योगदान देने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं या अध्ययनों को आगे बढ़ाने में सहायता करके नवाचार और गहन विशेषज्ञता को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं।

फेलोशिप के प्रकार : अनुसंधान फेलोशिप, पोस्टडाक्टोरल फेलोशिप, शैक्षणिक फैलोशिप, उद्योग - विशिष्ट फेलोशिप ।

क्या है मुख्य अंतर

उद्देश्य : छात्रवृत्तियां आम तौर पर छात्रों को शिक्षा लागत के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, जबकि फेलोशिप अनुसंधान और विशेष परियोजनाओं के माध्यम से ज्ञान और व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाने

पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

पात्रता मानदंड छात्रवृत्तियां योग्यता, आवश्यकता या विशिष्ट विशेषताओं के आधार पर प्रदान की जा सकती हैं, जबकि फेलोशिप के लिए अक्सर उन्नत डिग्री या किसी क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण अनुभव की आवश्यकता होती है।

वित्तीय सहायता : छात्रवृत्तियों में आमतौर पर ट्यूशन और बुनियादी जीवन- यापन व्यय शामिल होते हैं। फेलोशिप में वजीफा, अनुसंधान निधि और कभी-कभी यात्रा अनुदान या स्वास्थ्य बीमा जैसे अतिरिक्त लाभ भी शामिल होते हैं।

अवधि : छात्रवृत्तियां आमतौर पर एक शैक्षणिक वर्ष या सेमेस्टर के लिए होती हैं, वहीं फेलोशिप की अवधि कुछ महीनों से लेकर कई वर्षों तक हो सकती है।

बैचलर आफ फाइन आर्ट (ललित कला) के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं

बदलते समय के साथ अब लोगों की सोच भी बदल रही है। खास कर ऐसे अभिभावकों कीजो अपने बच्चों पर डाक्टर - इंजीनियर बनने का दबाव डालते रहते थे। आज के समय में करिअर के कई विकल्प खुल गए हैं। यही वजह है की मां-बाप अपने बच्चों को उनकी पसंद के अनुसार अपना करिअर बनाने का मौका दे रहे हैं। आज के समय में बैचलर आफ फाइन आर्ट भी युवाओं को शानदार करिअर बनाने का मौका दे रहा है। युवा इस क्षेत्र में चित्रकला, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपना करिअर बना रहे हैं। अगर आपको भी कला से प्यार है तो इससे संबंधि कोर्स और करिअर विकल्प की पूरी जानकारी मिलेगी।

कला एक बहुमुखी संकल्पयना है, जिसकी हरेक व्यक्ति अलग-अलग तरीके से व्याख्या करता है। इन विविधताओं के बावजूद, यह संवाद के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है, पूर्व धारणाओं को चुनौती देती है और जटिल मुद्दों पर चिंतन के लिए प्रेरित करती है। सामाजिक आलोचना के संबंध में एक शक्तिशाली साधन के रूप में कार्य करते हुए, यह कला पर्यावरणीय गिरावट से लेकर कथित राजनीतिक अन्याय तक की गंभीर चिंताओं पर रौशनी डालती है। ललित कला के जरिए, हम विभिन्न परिप्रेक्ष्यों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं, सहानुभूति, सहिष्णुता और मानवता की सामूहिक रिवायत की गहरी समझ हासिल करते हैं।

विचार करते समय अन्य कार्यक्रमों का भी पता लगाएं

ललित कला से संबंधित शिक्षा पर विचार करते समय, विभिन्न कार्यक्रमों का पता लगाना आवश्यक है। जो आपकी कलात्मक रुचियों और करिअर आकांक्षाओं के अनुरूप हों। ऐसे कार्यक्रमों की तलाश करें जो स्टूडियो अभ्यास, कला इतिहास और व्यावसायिक विकास के बीच संतुलन बनाते हों।

इन क्षेत्रों में काम आती है ललित कला की शिक्षा

ललित कला की शिक्षा आपको ग्राफिक डिजाइन, कला थेरेपी, कला प्रशासन, संग्रहालय शिक्षा, क्यूरेशन और शिक्षण में करिअर के लिए भी तैयार कर सकती है। ललित कला शिक्षा के उभरते परिदृश्य को अपनाकर,

कहां से करें पढ़ाई

महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी आफ बड़ौदा, वडोदरा गवर्नमेंट कालेज आफ फाइन आर्ट, नई दिल्ली सृष्टि मणिपाल इंस्टीट्यूट

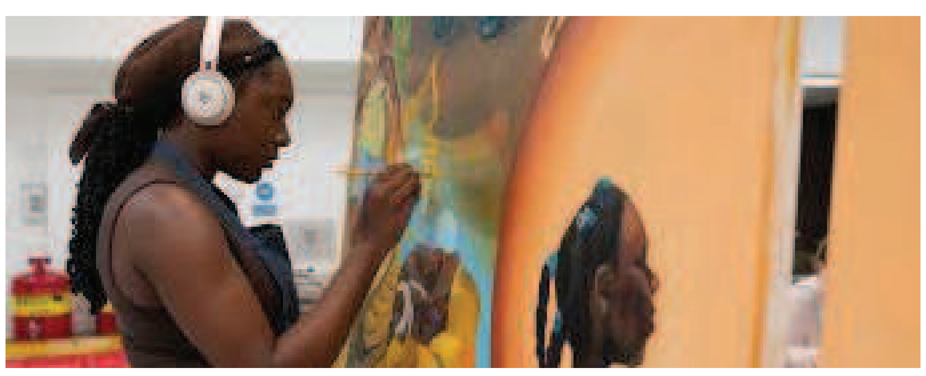

आफ आर्ट, बंगलुरु डा बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़

आप इस गतिशील क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। क्या है बैचलर आफ फाइन आर्ट बैचलर आफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) में कला के बहुत से क्षेत्र समाहित हैं। छात्रों को चित्र, फोटोग्राफी, मूर्तिकला, फिल्म, वास्तुकला आदि की शिक्षा दी जाती है। छात्र कोर्स 12वीं के बाद कर सकते हैं। शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार साल का कोर्स होता है। पहले दो साल में छात्रों को सभी विषयों की जानकारी दी जाती है, इसके बाद एक विषय चुनना होता है।

वेतन

फाइन आर्ट्स क्षेत्र में बेहतर करिअर के लिए जरूरी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला, ललित कला विवि, हैदराबाद है कि आप नए-नए प्रयोग करते रहें। इससे कला में पकड़ और ज्यादा मजबूत बनेगी। फाइन आर्ट प्रोफेशनल के वेतन की बात करें, तो शुरुआती दौर में 15 से 20 हजार रुपए आसानी से मिल जाते हैं। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता जाता है वेतन भी बढ़ता जाता है। बीएफए व एमएफए के बाद सरकारी संस्थानों सहित विज्ञापन एजेंसियों, प्रकाशन कंपनियों और स्कूलों में कला शिक्षकों के रूप में रोजगार पा सकते हैं। जो लोग दृश्य कला में यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, वे कालेज प्रोफेसर के पद के लिए भी योग्य हो सकते हैं। बीएफए पूरा करने के बाद फैशन डिजाइन या फिल्म निर्माण जैसे क्षेत्रों में बदलाव संभव है।

सरल भाषा व स्पष्ट अवधारणाओं वाली किताबों का इस्तेमाल करें

कई छात्र पूरी मेहनत के साथ पढ़ाई करते हैं, लेकिन फिर भी उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार नहीं हो पाता। इसके पीछे की वजह है जानकारियां याद न होना। कई छात्र एक पाठ को बार-बार पढ़ने के बाद भी उससे संबंधित जानकारियां याद नहीं रख पाते। इस वजह से छात्रों में तनाव बढ़ता है और वे अन्य उम्मीदवारों से पीछे हो जाते हैं।

याद करने की क्षमता काफी हद तक अध्ययन सामग्री पर निर्भर करती है। अगर आप जटिल अध्ययन सामग्री का इस्तेमाल करते हैं तो चीजें याद करने में कठिनाई आती है। ऐसे में सरल भाषा और स्पष्ट अवधारणाओं वाली किताबों का इस्तेमाल करें। ऐसी सामग्री चुनें, जिसमें वास्तव में आपकी रुचि हो । कई बार किताबें पढ़ने में बोरियत हो सकती है। ऐसे में आनलाइन अध्ययन तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए पढ़ाई करें।

बिना किसी उद्देश्य के पढ़ाई करने से उम्मीदवार चीजें याद नहीं कर पाते। ऐसे में अपना उद्देश्य निर्धारित करें। इस बात को समझें कि आप पढ़ने से क्या हासिल करना चाहते हैं। एक लक्ष्य रखने से आप पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। एक सकारात्मक उद्देश्य आपको हमेशा पढ़ाई के लिए प्रेरित करेगा। इसके अलावा उम्मीदवार पढ़ाई के लिए उचित वातावरण बनाएं। शोर और इलेक्ट्रानिक उपकरणों जैसे विकर्षणों से दूर रहने का प्रयास करें। बिना समझे जानकारियों को रटने का प्रयास न करें। आप जो पढ़ रहे हैं, उसकी मानसिक छवि जरूर बनाएं। ऐसा करने से आप अधिक प्रासंगिक तरीके से चीजों को याद कर सकेंगे। इसके अलावा आपने जो सीखा है, उसे दूसरों के साथ साझा करें। जानकारी को अपने शब्दों में समझाने से याददाश्त मजबूत होती है।

एएसआरबी में 550+ पदों पर निकलीं सरकारी नौकरियां, मास्टर डिग्री धारक करें आवेदन

कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ASRB) ने 2025 में आयोजित होने वाली एनईटी, एआरएस, एसएमएस और एसटीओ परीक्षा के लिए 582 पदों पर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट (www.asrb.org.in)) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन पदों पर नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों को विभिन्न परीक्षा स्तरों पर उत्तीर्ण होना होगा।

रिक्ति विवरण

कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ASRB) द्वारा 2025 में आयोजित होने वाली एनईटी, एआरएस, एसएमएस और एसटीओ परीक्षा के लिए कुल 582 पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसमें विशेषज्ञ एसएमएस के 41 पद, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) के 83 पद और कृषि अनुसंधान सेवा (ARS) के 458 पद शामिल हैं। उम्मीदवारों को इन पदों के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार आवेदन करना होगा।

कौन कर सकता है आवेदन?

इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास भारत में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में मास्टर डिग्री होनी चाहिए।

कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ASRB) द्वारा आयोजित एनईटी, एआर एआरएस, एसएमएस और एसटीओ परीक्षा 2025 के लिए आयु सीमा निर्धारित की गई है। एनईटी के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई है। एआरएस के लिए अधिकतम आयु 32 वर्ष निर्धारित है। एसएमएस और एसटीओ पदों के लिए उम्मीदवारों की आयु 35 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

एएसआरबी भर्ती के लिए आवेदन शुल्क

कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ASRB) द्वारा आयोजित एसएमएस, एसटीओ, एआरएस और नेट पदों के लिए आवेदन शुल्क पद व श्रेणी के अनुसार अलग-अलग निर्धारित किया गया है।

जानें महत्वपूर्ण तिथियां

कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित नेट, एआरएस, एसएमएस और एसटीओ पदों की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया 22 अप्रैल 2025 से चालू है। इच्छुक उम्मीदवार 21 मई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क का भुगतान भी इसी तिथि तक किया जा सकेगा। प्रारंभिक परीक्षा 2 से 4 सितंबर 2025 के बीच आयोजित की जाएगी, जबकि एआरएस, एसएमएस और एसटीओ पदों के लिए मुख्य परीक्षा 7 दिसंबर 2025 को निर्धारित की गई है।

कभी बोतलें साफ करते थे, अब होंगे 865 अरब डॉलर ग्रुप के सीईओ

कौन हैं वॉरेन बफे के उत्तराधिकारी ग्रेग एबेल?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। बर्कशायर हैथवे की सालाना मीटिंग में दुनिया के दिग्गज निवेशक और अमेरिकी कारोबारी वॉरेन बफे ने एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वे इस साल के अंत तक कंपनी के सीईओ का पद छोड़ देंगे। कई सालों से कंपनी का नेतृत्व कर रहे 94 साल के बफे ने बताया कि उन्होंने बोर्ड को ग्रेग एबेल को सीईओ बनाने की सिफारिश की है। एबेल, बफे के लंबे समय से डिप्टी रहे हैं। एबेल इस खबर से थोड़े हैरान थे, क्योंकि वे उस समय बफे के बराबर में ही बैठे थे। हालांकि, यह बदलाव काफी समय से होने की उम्मीद थी। एबेल को कई सालों से बफे के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा था। अब औपचारिक रूप से एबेल दुनिया के सबसे बड़े समूहों में से एक का नेतृत्व करेंगे, जिसकी वैल्यू 865 अरब डॉलर है।

कौन हैं ग्रेग एबेल?

62 साल के ग्रेग एबेल दो दशकों से भी ज्यादा समय से बर्कशायर में एक अहम शख्सियत रहे हैं। अब बफे के चुने हुए उत्तराधिकारी के तौर पर वे बीमा से लेकर ऊर्जा तक फैले एक बड़े साम्राज्य को संभालेंगे। एबेल का जन्म कनाडा के एडमोंटन, अल्बर्टा में हुआ था। उनके शुरुआती जीवन में मेहनत करने की आदत थी। बचपन में उन्होंने कई तरह के काम किए, जैसे बोतलें जमा करना और फायर एक्सटिंग्विशर की सर्विसिंग करना। इससे उनमें मेहनत और लगन के गुण आए। इन गुणों ने उनके करियर को आगे बढ़ाया। उन्होंने साल 1984 में अल्बर्टा यूनिवर्सिटी से ऑनर्स की डिग्री हासिल की।

ऐसे बढ़े करियर में आगे

एबेल ने अपने करियर की शुरुआत प्राइसवाटरहाउसकूपर्स से की। फिर वे कैलएनर्जी में चले गए, जहां वे 1999 में ऊर्जा फर्म के अध्यक्ष बने। उसी साल बर्कशायर हैथवे ने कंपनी में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी हासिल कर ली। बाद में कंपनी का नाम बदलकर बर्कशायर हैथवे एनर्जी कर दिया गया। एबेल की ऊर्जा क्षेत्र की विशेषज्ञता ने कंपनी में उनकी तरक्की में अहम भूमिका निभाई।

क्या है बर्कशायर हैथवे में भूमिका

एबेल बर्कशायर हैथवे में यूटिलिटीज, रेलवे और मैन्युफैक्चरिंग जैसे कई तरह के ऑपरेशंस की देखरेख करते हैं। गैर-बीमा ऑपरेशंस के वाइस चेयरमैन के तौर पर वे बड़ी सब्सिडियरीज को मैनेज करते हैं, जिनमें बीएनएसएफ रेलवे और डेयरी क्वीन शामिल हैं। इसके अलावा, बर्कशायर हैथवे एनर्जी भी उनके नेतृत्व में आगे बढ़ी है। अपनी सफलता के बावजूद, एबेल ने खुद को ज्यादा लाइमलाइट में नहीं रखा है। वे कंपनी को मैनेज करने पर ध्यान देना पसंद करते हैं।

विजय माल्या या रेडिको खेतान कौन है बड़ा शराब कारोबारी?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारत दुनिया में शराब पीने वाले पेय पदार्थों का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जो हर साल लगभग 970 करोड़ लीटर शराब पीता है। देश का शराब मार्केट बहुत बड़ा है, जिसकी अनुमानित वैल्यू लगभग 4।5 लाख करोड़ रुपये है। अकेले वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत ने 2,386।91 करोड़ रुपये के मादक पेय पदार्थों का निर्यात किया। पूरे भारत में शराब की खपत लगातार बढ़ रही है, शराब कंपनियों ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया है। इस क्षेत्र ने मांग और स्टॉक प्रदर्शन दोनों में मजबूत वृद्धि देखी है, जिससे यह आज बाजार में अधिक आकर्षक क्षेत्रों में से एक बन गया है।भारत में सबसे बड़े शराब कारोबारियों के बारे में बात करें इनमे विजय माल्या से लेकर रेडिको खेतान के मालिक ललित खेतान और पिकाडिली एग्रो के सिद्धार्थ शर्मा के नाम शामिल है। हाल ही में टॉप प्रदर्शन करने वाले कुछ शराब शेयरों में यूनाइटेड ब्रुवरीज लिमिटेड, यूनाइटेड अल्कोहल लिमिटेड, रेडिको खेतान लिमिटेड, ग्लोबस स्पिरिट्स लिमिटेड, जीएम ब्रुवरीज लिमिटेड, तिलकनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम हैं। लेकिन विजय माल्या और रेडिको खेतान में कौन बड़ा शराब मालिक है आइए जानते है?

विजय माल्या का शराब कारोबार

विजय माल्या ने यूनाइटेड ब्रेवरीज ग्रुप के माध्यम से भारतीय शराब उद्योग में अपनी पहचान बनाई। उनकी कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी स्पिरिट निर्माता थी। माल्या ने किंगफिशर बीयर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध किया। हालांकि, किंगफिशर एयरलाइंस के विफल होने और 9,000 करोड़ से अधिक के बैंक ऋणों के कारण वे विवादों में घिर गए। वर्तमान में वे लंदन में हैं और भारत सरकार उन्हें प्रत्यर्पित करने का प्रयास कर रही है।

ललित खेतान: रेडिको खेतान के पीछे की ताकत

ललित खेतान ने रेडिको खेतान लिमिटेड की स्थापना की, जो आज भारत की चौथी सबसे बड़ी शराब कंपनी है। उनकी कंपनी के प्रमुख ब्रांड्स में 8पीएम व्हिस्की, मैजिक मोमेंट्स वोडका और मोरफियस ब्रांडी शामिल हैं। रेडिको खेतान के उत्पाद 85 से अधिक देशों में बेचे जाते हैं। इनमें रेडिको खेतान सबसे अलग है। कंपनी के शेयर की कीमत हाल के महीनों में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है, जिससे इसके चेयरमैन ललित खेतान को अरबपति क्लब में शामिल होने में मदद मिली है। 80 साल की उम्र में खेतान भारत के सबसे नए अरबपतियों में से एक बन गए हैं।खेतान के पास कंपनी का 40 प्रतिशत हिस्सा है और उनकी कुल संपत्ति अब लगभग 1।1 बिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। 2 जुलाई 2024 को रेडिको खेतान का मार्केट कैप लगभग 23,700 करोड़ रुपये था और अब यह बढ़कर लगभग 33,000 करोड़ रुपये हो गया है।

कौन है बड़ा शराब कारोबारी

विजय माल्या की नेटवर्थ 2013 में लगभग $750 मिलियन थी, लेकिन किंगफिशर एयरलाइंस के पतन के बाद यह घट गई। वहीं, लालित खेतान की नेटवर्थ हाल ही में $1।5 बिलियन (लगभग 13,000 करोड़) आंकी गई है, जो रेडिको खेतान में उनकी 40% हिस्सेदारी के कारण है।

3 तीन में पहली बार विदेशी निवेशकों ने किया कमाल

अप्रैल में 4,223 करोड़ रुपए के ख़रीदे शेयर

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार से कमाई करने वालों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में देश के शेयर बाजारों में 4,223 करोड़ रुपये डाले हैं। अनुकूल वैश्विक संकेतकों तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के बीच एफपीआई तीन माह बाद पहली बार शुद्ध लिवाल बने हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये निकाले थे। फरवरी में उन्होंने 34,574 करोड़ रुपये के और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे चलकर एफपीआई प्रवाह स्थिर रह सकता है। बीते वित्त वर्ष में कंपनियों की आय में मामूली पांच प्रतिशत की वृद्धि एफपीआई के निवेश में बाधा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पूरे अप्रैल माह में शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इस तरह 2025 में एफपीआई की निकासी अब घटकर 1।12 लाख करोड़ रुपये रह गई है।

बमबम हुआ शेयर बाजार

भारतीय शेयर बाजारों में अप्रैल में एफपीआई गतिविधियों में तेज उछाल देखा गया। यह इस साल उनके अबतक के निकासी के रुख की तुलना में बड़ा बदलाव है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इस नए जोश को अनुकूल वैश्विक संकेतों और मजबूत घरेलू बुनियाद ने सहारा दिया है, जिससे उनका भरोसा बढ़ा है।

क्या है बंपर खरीदारी का कारण

उन्होंने कहा कि इस रुख की एक बड़ी वजह भारत-अमेरिका के बीच व्यापार करार की उम्मीद है। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में कमजोरी तथा भारतीय रुपये में मजबूती की वजह से भी एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा रहे हैं। साथ ही प्रमुख भारतीय कंपनियों के अच्छे तिमाही नतीजों से भी एफपीआई की धारणा में बदलाव आया है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड से सामान्य सीमा के तहत 13,314 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 5,649 करोड़ रुपये निकाले हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-51
सूर्यास्त - 18-33
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 07-35 तक उपरान्त नवमीं
मास - वैशाख शुक्ल , सोमवार 05 May
नक्षत्र - आश्लेषा 14-01 तक उपरान्त मघा
योग - वृद्धि 00-19 तक उप धुव्र
करण- बव 07-35 तक उप बालव
विशेष:- श्री जानकी नवमीं
व्रत -त्योहार - देवी बगलामुखी जयंती

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष मे	मेष---	04-40 बजे
चंद्र-	कर्क मे	वृष---	06-24 बजे
मंगल	कर्क मे	मिथुन..	08-25 बजे
बुध-	मीन मे	कर्क---	10-37 बजे
गुरु-	वृष मे	सिंह---	12-49 बजे
शुक्र-	मीन मे	कन्या--	14-56 बजे
शनि-	मीन मे	तुला----	17-01 बजे
राहु-	मीन मे	वृश्चिक--	19-12 बजे
केतु-	कन्या मे	धनु......	21-25 बजे
		मकर...	23-31 बजे
		कुंभ....	01-21 बजे
		मीन....	03-00 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:25 से 09:01 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:51 - 07:25	शुभ	चंचल	18:33 - 20:00	शुभ
काल	07:25 - 09:01	अशुभ	रोग	20:00 - 21:25	अशुभ
शुभ	09:01 - 10:37	शुभ	काल।	21:25 - 22:49	अशुभ
रोग.	10:37 - 12:13	अशुभ	लाभ	22:49 - 00:13	शुभ
उत्पात	12:13 - 13:49	अशुभ	उत्पात	00:13 - 01:37	अशुभ
चंचल	13:49 - 15:25	शुभ	शुभ	01:37 - 03:01	शुभ
लाभ	15:25 - 17:01	शुभ	अमृत	03:01 - 04:25	शुभ
अमृत	17:01 - 18:33	शुभ	चंचल।	04:25 - 05:51	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — ये समय महान प्रभाव के लोगों के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है की नहीं या आप उन्हें पकड़ पाएँगे की नहीं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है । जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप एक लंबे समय से सीधे और संकीर्ण रास्ते में कठिन काम कर रहे है, लेकिन आज आप अपने कार्य को पूरा करने के लिए प्रवंचना या चतुराई का सहारा ले सकते है , हालाँकि ये एक अनावश्यक जोखिम है। लोग आसानी से आपके तंत्र को पहचान लेंगे और इसे अपराध के रूप में लेंगे और आपने सालो से जो प्रतिष्ठा कमाई है वो आप गवां सकते है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे क्यों की आज आपको शुभ समाचार मिल सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है । बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया हैं। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है , परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है । वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यो से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आरबीआई ने आईसीसीआई

एक्सिस और तीन अन्य प्रमुख बैंकों पर लगाया भारी जुर्माना

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को आईसीसीआई, एक्सिस और तीन अन्य प्रमुख बैंकों पर बड़ी कार्रवाई की। आरबीआई ने एक आदेश जारी कर बताया कि उसने कुछ नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और एक्सिस बैंक सहित पांच ऋणदाताओं पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई के मुताबिक, बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे, अपने ग्राहक को जानें और क्रेडिट-डेबिट कार्ड जारी करने और प्रक्रियाओं को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक पर 97।80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐसे ही बैंकों की ओर से प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाओं और बैंकों में ग्राहक सेवा पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा पर 61।40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए प्राप्त कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए अल्पकालिक ऋण के लिए ब्याज सहायता योजना पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए 31।8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केवाईसी पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 31।80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। एक्सिस बैंक पर भी आंतरिक या कार्यालय खातों के अनधिकृत संचालन पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए 29।60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। सभी मामलों में आरबीआई ने कहा कि जुर्माना विनियामक अनुपालन में कमियों की वजह से लगाया गया है।

सैमसंग को 44 सौ करोड रुपये का टैक्स भरने का आदेश

कंपनी ने रिलायंस जियो पर लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सैमसंग कंपनी को भारत में एक बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। भारत सरकार ने सैमसंग पर 520 मिलियन डॉलर (करीब 4400 करोड़ रुपये) का टैक्स भरने का आदेश दिया है। सैमसंग कंपनी इस आदेश के खिलाफ लड़ रही है। कंपनी पर आरोप है कि उसने बाहर से मंगवाए गए नेटवर्किंग उपकरणों को गलत तरीके से दिखाया। सैमसंग का कहना है कि भारतीय अधिकारियों को इस बारे में पहले से पता था। सैमसंग का कहना है कि रिलायंस जियो ने भी ऐसे ही उपकरण बिना टैक्स दिए मंगवाए थे। सैमसंग का आरोप है कि रिलायंस ने उन्हें टैक्स के बारे में पहले से मिली चेतावनी के बारे में नहीं बताया। टैक्स और जुर्माने को मिलाकर सैमसंग को कुल 601 मिलियन डॉलर चुकाने पड़ सकते हैं। सैमसंग ने एक भारतीय ट्रिब्यूनल से अपील की है कि 520 मिलियन डॉलर के टैक्स की मांग को रद्द कर दिया जाए। सैमसंग का कहना है कि उसने जो उपकरण मंगवाए, उन्हें गलत तरीके से दिखाया गया। लेकिन अधिकारियों को इस बारे में पता था, क्योंकि रिलायंस भी सालों से ऐसे ही उपकरण मंगवा रही थी। सैमसंग दूसरी बड़ी विदेशी कंपनी है जिसने हाल ही में भारत सरकार के टैक्स की मांग को चुनौती दी है। इससे पहले, फॉक्सवैगन ने भी सरकार पर मुकदमा किया था। फॉक्सवैगन को 1।4 बिलियन डॉलर का टैक्स भरने को कहा गया था, क्योंकि उसने भी अपने उपकरणों को गलत तरीके से दिखाया था।सैमसंग के मामले में टैक्स अधिकारियों ने जनवरी में सैमसंग से 520 मिलियन डॉलर भरने को कहा था। अधिकारियों का कहना है कि सैमसंग ने मोबाइल टावर के एक खास उपकरण को गलत तरीके से दिखाकर 10-20% का टैक्स बचाया। सैमसंग ने ये उपकरण मुकेश अंबानी की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो को 2018 से 2021 के बीच बेचे थे।सैमसंग ने मुंबई में कस्टम्स एक्साइज एंड सर्विस टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल में 281 पेज की एक याचिका दायर की है। इसमें सैमसंग ने भारतीय अधिकारियों की आलोचना की है। सैमसंग का कहना है कि अधिकारियों को उनके बिजनेस मॉडल के बारे में पूरी जानकारी थी। रिलायंस भी तीन साल तक बिना टैक्स दिए ऐसे ही उपकरण मंगवाती रही, लेकिन किसी ने कुछ नहीं कहा। सैमसंग की भारतीय इकाई का कहना है कि उन्हें एक भारतीय टैक्स जांच के दौरान पता चला कि रिलायंस को 2017 में ही इस बारे में चेतावनी दी गई थी।

आईएमएफ से केवी सुब्रमण्यम की अचानक विदाई

भारत–पाक टेंशन के बीच सरकार ने क्यों लिया गया फैसला?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारत पाक टेंशन के बीच सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम को उनके कार्यकाल की समाप्ति से पहले ही पद से हटा दिया है। यह निर्णय 30 अप्रैल को जारी एक सरकारी अधिसूचना के माध्यम से लिया गया, जिसमें उनके हटाए जाने का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है।सुब्रमण्यम ने नवंबर 2022 में आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक (भारत) के रूप में कार्यभार संभाला था, और उनका तीन साल का कार्यकाल नवंबर 2025 में समाप्त होने वाला था। सरकार के इस अचानक फैसले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि यह निर्णय आईएमएफ बोर्ड की 9 मई को होने वाली एक महत्वपूर्ण बैठक से ठीक पहले लिया गया है, जिसमें पाकिस्तान को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की समीक्षा की जानी है। भारत इस बैठक में पाकिस्तान को आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए धन देने का विरोध करने वाला है, विशेष रूप से 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी।सुब्रमण्यम से पहले, सुरजीत भल्ला ने अक्टूबर 2019 में आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक (भारत) के रूप में कार्यभार संभाला था। भल्ला का कार्यकाल नवंबर 2019 से अक्टूबर 2022 तक था, और उन्हें अगले चुनावी चक्र में फिर से चुना गया था।

आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड में 24 निदेशक होते हैं, जो सदस्य देशों या देशों के समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और यह बोर्ड आईएमएफ के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए जिम्मेदार होता है। सुब्रमण्यम के अचानक हटाए जाने के पीछे कई संभावित कारण हो सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके द्वारा आईएमएफ के डेटासेट पर उठाए गए सवाल और उनकी किताब के प्रचार में कथित अनियमितताएं इस निर्णय के पीछे हो सकती हैं। हालांकि, सरकार की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

7000 करोड़ रुपये की मर्जर डील अचानक क्यों हो गई कैंसिल? एयरटेल-टाटा के साथ क्या हुआ ऐसा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारती एयरटेल और टाटा ग्रुप ने अपनी डायरेक्ट-टू-होम सेवाओं एयरटेल डिजिटल टीवी और टाटा प्ले के विलय की बातचीत को समाप्त कर दिया है। यह निर्णय दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से लिया गया है। आइए जानते हैं आखिर ऐसा क्या हुआ जो डील कम्पलीट होते होते कैंसिल हो गई? फरवरी 2025 में, दोनों कंपनियों ने अपने घाटे में चल रहे डीटीएच व्यवसायों के विलय की योजना की पुष्टि की थी। यह मर्जर शेयर स्वैप के जरिये होना था, जिससे एयरटेल को मोबाइल सेवाओं के बाहर भी कमाई का एक नया मजबूत जरिया मिलता। मर्जर के बाद, एयरटेल की इस नई इकाई में हिस्सेदारी 50 फीसदी से ज्यादा रहने की संभावना थी। ये डीटीएच इंडस्ट्री में एक दशक बाद दूसरी सबसे बड़ी डील होती। इससे पहले 2016 में डिश टीवी और वीडियोकॉन डी2एच का मर्जर हुआ था।एयरटेल की ओर से शेयर बाजार को दी गई जानकारी के मुताबिक, डील को लेकर कोई संतोषजनक समाधान नहीं निकल पाया जिसके चलते मर्जर की योजना को रद्द कर दिया गया। यह मर्जर रिलायंस और डिज्नी की संयुक्त कंपनी जियोस्टार के मुकाबले एक बड़ा कदम माना जा रहा था लेकिन अब यह अधूरा रह गया। इसके पीछे कई और भी कारण हैं: **प्रबंधन नियंत्रण:** टाटा ग्रुप विलय के बाद की इकाई में बोर्ड में दो सीटें चाहता था, जबकि एयरटेल वरिष्ठ प्रबंधन का नियंत्रण रखना चाहता था।**वित्तीय मूल्यांकन:** दोनों कंपनियों के डीटीएच व्यवसायों का मूल्यांकन लगभग 6,000-7,000 करोड़ रुपये के बीच किया गया था, लेकिन मूल्य निर्धारण और हिस्सेदारी वितरण पर सहमति नहीं बन सकी। **बाजार की स्थिति:** ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की बढ़ती लोकप्रियता के कारण डीटीएच सेवाओं की मांग में गिरावट आई है, जिससे दोनों कंपनियों के लिए भविष्य की रणनीति पर असहमति हो सकती है।

7 हजार रुपये सस्ता बिक रहा सोना

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारत में सोने की कीमतें अपने ऑल टाइम हाई एक लाख से अब नीचे आ रही हैं। ऐसे में बहुत से लोगों के दिमाग में ये सवाल है कि क्या इस समय सोना खरीदना सही है या कीमत और गिरने का इंतजार करना चाहिए। आज 4 मई 2025 की बात करें तो इस दिन भारत में सोने की कीमतों में किसी बड़े बदलाव की खबर नहीं है। मुंबई में आज 22 कैरेट सोने की कीमत 87,550 प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमत 95,510 प्रति 10 ग्राम रही। तुलना करें तो शुक्रवार को यही दरें 87,740 और 95,720 प्रति 10 ग्राम थीं, यानी शुक्रवार के मुकाबले इनमें मामूली गिरावट देखी गई है।

देश के अन्य शहरों में क्या सोने का रेट

दिल्ली और जयपुर में 22 कैरेट सोना 87,700 और 24 कैरेट 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। अहमदाबाद और पटना में 22 कैरेट सोना 87,600 और 24 कैरेट 95,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में 22 कैरेट सोने का भाव 87,550 और 24 कैरेट गोल्ड का भाव 95,510 प्रति 10 ग्राम पर स्थिर बना हुआ है।

कोरियाई बांस नमक के आगे भूल जाएंगे सोने-चांदी की कीमत, फायदे भी हैं अनेक

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। हाल में भारत और पाकिस्तान के तनाव के चलते इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बिलकुल बंद हो गया है। अब दोनों देशों के बीच तीसरे देश के जरिए भी इंपोर्ट-एक्सपोर्ट नहीं होगा। इस सबके बीच भारत में आने वाले दिनों में सेंधा नमक की किल्लत सामने आ सकती है। आपको बता दें सेंधा नमक का यूज व्रत में किया जाता है। दूसरी ओर पिछले काफी समय से ब्लड प्रेशर के मरीज भी सेंधा नमक यूज कर रहे हैं। इस वजह से भारत में हर साल पाकिस्तान से 2 से 3 हजार टन सेंधा नमक आयात किया जाता है।ये तो रही सेंधा नमक की जानकारी, लेकिन यहां हम आपके लिए दुनिया में पाए जाने वाले एक ऐसे नमक की जानकारी लेकर आए हैं। जिसकी कीमत सोने-चांदी के बराबर है और ये नमक स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। आइए जाते हैं कोरियन बांबू नमक के बार में जो बांस की एक खास किस्म से तैयार किया जाता है।जरा सोचिए, अगर आपकी जिंदगी से नमक गायब हो जाए तो क्या होगा? बेस्वाद खाना, अधूरी सेहत और फीका एहसास। नमक न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि हमारे शरीर के लिए भी बेहद जरूरी है। आमतौर पर भारत में यह सस्ता और आसानी से मिल जाता है, लेकिन दुनिया में एक ऐसा नमक भी है जिसकी कीमत सुनकर आप चौंक जाएंगे—कोरियाई बांस नमक। इसकी 250 ग्राम मात्रा की कीमत 7500 रुपये तक हो सकती है। इसकी अनोखी निर्माण प्रक्रिया और औषधीय गुण इसे इतना महंगा बनाते हैं। इसमें बांस के प्राकृतिक खनिज समाहित होते हैं, जो इसे औषधीय गुणों से भरपूर बनाते हैं। इस नम का उपयोग पारंपरिक कोरियाई चिकित्सा में भी उपयोग किया जाता है, जिससे इसकी मांग और भी बढ़ जाती है।भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी नमक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ब्रिटिश शासन के दौरान नमक पर भारी टैक्स लगाया गया था, जिससे यह आम जनता के लिए महंगा हो गया था। महात्मा गांधी ने 1930 में दांडी मार्च के माध्यम से इस टैक्स के खिलाफ आंदोलन किया। आज भारत में नमक सस्ता है, लेकिन अमेरिका जैसे देशों में इसकी कीमत कहीं ज्यादा होती है।

क्या चीनी हथियारों के दम पर उछल रहा पाकिस्तान?

नई दिल्ली, 4 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पाकिस्तान जंग को उतावला है। कम से कम उसकी लीडरशिप के बयानों से तो यही लगता है। पिछले दिनों तिल्ला फील्ड फायरिंग रेंज पहुंचे पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने टैंक पर खड़े होकर कहा- भारत की किसी भी सैन्य हिमाकत का तुरंत और उससे भी बड़ा जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने हाल ही में कहा था कि उनके पास पुख्ता खुफिया जानकारी है कि भारत कुछ दिनों में हमला करेगा। ऐसे किसी भी दुस्साहस का हर हाल में जोरदार जवाब दिया जाएगा।

आखिर किन हथियारों के दम पर इतना उछल रहा है पाकिस्तान और भारत इनका मुकाबला किन हथियारों से कर सकेगा; इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

पाकिस्तान ने दिसंबर 2021 में चीन से 25 जे-10सी फाइट जेट्स खरीदने का कॉन्ट्रैक्ट किया। बाद में इसे बढ़ाकर 50 कर दिया गया। पहली डिलीवरी मार्च 2022 में हुई। अभी तक 20 J-10C फाइट जेट्स पहुंच चुके हैं। भारत से संघर्ष की स्थिति में चीन एक्सप्रेस डिलीवरी भी कर सकता है।

भारत के पास घातक राफेल जेट्स

भारत ने 2019-2022 के बीच फ्रांस से 36 राफेल जेट्स 59 हजार करोड़ रुपए में खरीदे। यानी एक राफेल के कीमत जे-10सी से 3 गुना ज्यादा है। राफेल को फ्रांस के दसॉल्ट एविएशन ने बनाया। यह ट्विन-इंजन जेट है, जिसका वजन 10,300 किग्रा. है। इसकी अधिकतम स्पीड 2,220 किमी/प्रति घंटा है। राफेल में मेटयोर मिसाइल, रडार-गाइडेड मिसाइल, लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल, एंटी-शिप मिसाइल, गाइडेड बम और 30 मिमी. तोप लगी है। ट्विन इंजन होने की वजह से राफेल एक इंजन फेल होने पर भी उड़ सकता है, जबकि पाकिस्तान का जे-10सी एक ही इंजन के साथ आता है। इसके अलावा जे-10सी का इम्तिहान होना बाकी है, लेकिन राफेल कहीं ज्यादा व्यापक टेस्टिंग और लाइव-फायर ड्रिल्स से गुजारा गया है।

जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट को चीन की सीएसी और पाकिस्तान एयरोनॉटिकल कॉम्पलेक्स ने मिलकर बनाया। यह 2007 में पाकिस्तान एयरफोर्स में शामिल हुआ। इस समय पाकिस्तान के पास 150 से ज्यादा जेएफ-17 फाइटर जेट्स हैं। जेएफ-17 थंडर पाकिस्तान एयरफोर्स का मुख्य जेट है, जो अमेरिकी एफ-16 और चीनी जे-10सी के साथ मिलकर मजबूत हवाई सुरक्षा बनाता है।

तेजस और जेएफ-17 चौथी जेनरेशन के हल्के, सिंगल-इंजन और मल्टी-रोल फाइटर जेट हैं। लेकिन तेजस इसमें भारी पड़ता है। तेजस को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल ने बनाया। इसे 2015 में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया।तेजस की कॉम्बैट रेंज 1,200 किमी है और यह 55,500 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। तेजस की मैक्सिमम स्पीड 1,970 किमी./प्रति घंटा है। एईएसए रडार सिस्टम, ईएल/एम-2032 मल्टी-मोड रडार, छोटी दूरी की मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइलें, ग्लाइड बम, लेजर-गाइडेड बम, अस्त्र और ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें लगी हैं।

जेएफ-17 के मुकाबले तेजस ज्यादा तेजी से उड़ान भर सकता है, क्योंकि इसमें एडवांस्ड डिजाइन और फ्लाई-बाय-वायर सिस्टम है।

पाकिस्तान ने 14 अक्टूबर 2021 को एचक्यू-9 एडी मिसाइल सिस्टम को सेना में शामिल किया। इसे चीन की प्रिसीजन मशीनरी इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन ने बनाया। यह लंबी दूरी तक सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है। जिसे भारत के राफेल, सुखोई और ब्रह्मोस के हमलों को रोकने के लिए कराची में तैनात किया गया है।

भारत ने एस-400 डिफेंस सिस्टम को रूस से खरीदा और 2021 में सेना में शामिल किया। यह एयक्राफ्ट्स, क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और स्टील्थ एयरक्राफ्ट्स को रोकने में सक्षम है ।रेंज 400 किमी. तक है, जबकि पाकिस्तान के एचक्यू -9 एडी की रेंज सिर्फ 125 किमी. है। इसमें 6 लॉन्चर हैं, जो फुली लोड होने पर 128 मिसाइलें लॉन्च कर सकते हैं। पाकिस्तान के एचक्यू-9 एडी को तैनात करने में 35 मिनट का समय लगता है, जबकि एस-400 5 मिनट में तैनात हो जाता है। एईएसए रडार स्टील्थ विमानों और ज्यादा टारगेट्स को ट्रैक करते हैं, जबकि एचक्यू -9 का पेसा रडार कमजोर है।

पाकिस्तान ने 2019 में चीन से 236 एसएच-15 होवित्जर की डील साइन की। 2022 में पहली डिलीवरी हुई। एसएच-15 की तेज रफ्तार के चलते इसे हिट-एंड-रन स्ट्रैटजी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यानी यह अटैक करके दुश्मन के रिएक्शन से पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएगा।

एसएच-15 होवित्जर का मुकाबला करने के लिए भारत के पास के9- वज्र थंडर तोप है। एसएच-15 की तरह इसकी फायर रेंज भी 40-50 किमी. है। 155 मिमी. कैलिबर तोप लगी है, जो एक मिनट में 6-8 गोले दाग सकती है।

भारत ने दक्षिण कोरिया से के9-वज्र टेक्नोलॉजी लेकर बनाया। भारतीय आर्मी के पास 100 के9-वज्र हैं। सरकार ने इसे बनाने वाली कंपनी एलएंडटी को 100 और वज्र बनाने का ऑर्डर दिया। शुरुआत में इसे रेगिस्तान के लिए बनाया गया, लेकिन 2020 में गल्वान घाटी में चीन के साथ हुई मुठभेड़ के बाद इसे ठंडे इलाकों के हिसाब से अपग्रेड किया जा रहा।

नए वज्र को -20 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में ऑपरेट किया जा सकेगा, जिससे भारत लद्दाख जैसे ठंडे इलाकों में भी इसका इस्तेमाल कर सके।

सीएच-4 ड्रोन को चीन की चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन यानी सीएसएससी ने बनाया। 2021 में पाकिस्तान की एयरफोर्स ने चीन से 5 सीएच-4 ड्रोन खरीदे थे। मई 2024 में 24 मिलियन डॉलर यानी करीब 202 करोड़ रुपए के 10 और ड्रोन खरीदे गए। यह दुश्मन पर नजर रखने और हमला करने में सक्षम हैं।

भारत का ड्रोन सिस्टम डेवलपिंग फेज में है। 2024 तक भारत ने करीब 2,500 ड्रोन्स को सेना में शामिल किया। भारत के पास एमक्यू-9बी स्काई गार्डियन ड्रोन है, जो पाकिस्तान के सीएच-4 ड्रोन को टक्कर दे सकता है। इसे अमेरिकी कंपनी जनरल एटोमिक्स बना रही है। भारत ने फरवरी 2024 में 31 एमक्यू-9बी ड्रोन्स का सौदा किया। डिलीवरी 2025-2028 के बीच शुरू होगी। पेलोड कैपिसिटी 2,580 किग्रा. है, यानी यह 2,580 किग्रा. वजनी सामान या हथियार ले जा सकेगा। हेलफायर मिसाइलें, जीबीयू-39B स्मॉल डायमीटर बम और ईओ/आईआरR सेंसर लगा होगा, जो दुश्मन की लोकेशन पर सटीक निशाना लगा सकेगा। अधिकतम 440 किमी./घंटा की रफ्तार से उड़ सकता है और इसकी रेंज 11,112 किमी. है।

माओवादियों ने छह वाहन दो ड्रिलिंग मशीनों को किया आग के हवाले

मजदूरों से लूट भी की

लातेहार, 4 मई (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में माओवादियों ने कथित तौर पर छह वाहन और दो ड्रिलिंग मशीनें जला दीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात चंदवा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत तुरीसत गांव में हुई। बालूमाथ के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विनोद रवानी ने बताया कि दो कारों और इतने ही ट्रकों सहित छह वाहनों और दो ड्रिलिंग मशीनों को आग के हवाले कर दिया गया।

तलाशी अभियान चलाया जा रहा

उन्होंने कहा, 'मामले की जांच शुरू कर दी गई है। तलाशी अभियान भी चल रहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि किस संगठन ने इस घटना को अंजाम दिया है।' एक अन्य पुलिस अधिकारी ने प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के एक अलग समूह पर संदेह जाहिर किया। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि उस समूह ने ही इस घटना को अंजाम दिया हो।

माओवादी वेशभूषा में आए थे कुछ लोग

गांव में काम कर रहे मजदूरों ने दावा किया कि माओवादी वेशभूषा में कुछ लोग आए और उनके मोबाइल फोन लूट लिए। एक मजदूर ने बताया कि उन्होंने वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया।

सीएम साय ने किया भारत के पहले एआई डाटा सेंटर पार्क का शिलान्यास

बोले- देश के लिए मॉडल बनेगी एआई क्रांति

रायपुर, 4 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के सेक्टर-22 में देश के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डेटा सेंटर पार्क की नींव आज रखी। यह डेटा सेंटर पार्क 13.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जिसमें 2.7 हेक्टेयर हिस्सा विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित होगा। रैक बैंक डेटा सेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित यह परियोजना पूरी तरह एआई सेवाओं को समर्पित होगी। पहले चरण में 5 मेगावाट क्षमता से शुरू होकर इसे 150 मेगावाट तक विस्तारित किया जाएगा। भविष्य में इस परियोजना में लगभग 2000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश संभावित है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस डेटा सेंटर को हरित और ऊर्जा दक्ष तकनीक के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

यहां से न केवल स्टोरेज और प्रोसेसिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, डिफेंस, फिनटेक और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक सेवाएं भी दी जाएंगी। पार्क में जीपीयू आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिकॉर्डिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, और एआई प्रॉसेसिंग जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। इस परियोजना के जरिए लगभग 500 प्रत्यक्ष और 1500 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर तैयार होंगे। खास बात यह है कि इसमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे छत्तीसगढ़ न केवल तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी बनेगा बल्कि युवाओं के लिए नई संभावनाएं भी खुलेगीं। इस सेंटर के जरिए जीपीयू आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, एआई प्रोसेसिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी वैश्विक स्तर की सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। इसका असर हेल्थटेक, फिनटेक, स्मार्ट एग्रीकल्चर और रक्षा क्षेत्र में बड़े बदलावों के रूप में दिखाई देगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह सिर्फ एक तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के भविष्य की नींव है। उन्होंने इसे राज्य के युवाओं, किसानों और आदिवासी समुदाय के लिए परिवर्तनकारी बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ अब डिजिटल भारत की धड़कन बनेगा। नई उद्योग नीति के कारण कम समय में ही देश विदेश से स्थापना के लिये उद्योग आ रहे हैं। यही गति रही तो बहुत जल्द विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का निर्माण हो जाएगा। यह वर्ष छत्तीसगढ़ की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है, हमारी कोशिश रहेगी कि इसी साल स्थापना दिवस पर डाटा सेंटर का लोकार्पण हो जाये। एआई डाटा सेंटर की स्थापना करने जा रहे मेसर्स रैक बैंक प्रबंधन के प्रति बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एआई डाटा सेंटर छत्तीसगढ़ के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति लेकर आया है। यह हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जय विज्ञान, जय अनुसंधान के मंत्र को साकार करेगा और विकसित छत्तीसगढ़ की बुनियाद बनेगा।

साय ने कहा कि देश का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ अपने कोयला, स्टील, आयरन ओर, ऊर्जा के लिए पहचाना ही जाता है। अब एआई, सेमीकंडक्टर और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से हमें वैश्विक पहचान मिल रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा छत्तीसगढ़ बना रहे हैं, जहां के युवा सेमीकंडक्टर भी तैयार करेंगे और एआई सेवाएं भी देंगे। एआई डेटा सेंटर से प्रदेश में एआई आधारित सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग और व्यापार जगत के साथ इसका सीधा लाभ लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मिलेगा।

उन्होंने कहा कि एआई डाटा सेंटर की स्थापना से 500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। जब कोई उद्योग लगता है तो रोजगार के कई दूसरे अवसर भी सृजित होते हैं। मेसर्स रैक बैंक द्वारा स्थापित यह एआई डाटा सेंटर 5 मेगावाट क्षमता का है। इस पूरी परियोजना में लगभग एक हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा। एआई डाटा सेंटर में ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट लगाई जाएंगी। इससे एआई पर चलने वाले कंप्यूटर इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम नवा रायपुर को आईटी मेडिसिटी और फार्मास्युटिकल हब के रूप में विकसित कर रहे हैं।

जमशेदपुर एमजीएमअस्पताल में बड़ा हादसा

छत गिरने से 3 लोगों की मौत

सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

जमशेदपुर, 4 मई (एजेंसियां)। झारखंड के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में छत गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद स्वास्थ्य विभाग पर कई सवाल उठने लगे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उनके आदेश पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी देर रात अस्पताल पहुंचे और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि एक हफ्ते के अंदर जांच पूरी करके रिपोर्ट दें। साथ ही मंत्री इरफान अंसारी ने मरने वालों के परिवार को आर्थिक मदद (मुआवजा) देने की भी घोषणा की।

जमशेदपुर के साकची इलाके में स्थित एमजीएम अस्पताल में एक बड़ा हादसा हो गया। अस्पताल के मेडिसिन विभाग की चार मंजिला छत अचानक गिर गई, जिससे तीन मरीजों की मौत हो गई और कुछ लोग घायल हो गए। राहत और बचाव के लिए एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर काम में जुटी रही।

शनिवार देर रात राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से घटना की जानकारी ली और इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर वे अस्पताल पहुंचे हैं। सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एमजीएम अस्पताल पहुंचे और उन्होंने कहा कि इस हादसे में जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवार को सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा जो लोग घायल हुए हैं, उन्हें 50-50 हजार रुपये की मदद दी जाएगी।

पाकिस्तानी हिंदू बोले- जेल में डाल दो, वापस नहीं जाएंगे

हिंदुओं की हालत कसाई के सामने बकरे जैसी, लौटे तो काट दिए जाएंगे

नई दिल्ली, 4 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। '14 अप्रैल को मैं पाकिस्तान के सिंध से भारत आया था। बच्चे 8-9 महीने पहले ही आ गए थे। तब मेरा वीजा नहीं लगा था। अब जाकर वीजा लगा। पहलगाम हमले के बाद मोदी सरकार ने कह दिया कि पाकिस्तान से आए लोग वापस चले जाएं। हम डरे हुए हैं। दो दिन से खाना अच्छा नहीं लगा है। हम वापस पाकिस्तान गए तो मार दिए जाएंगे। मोदी जी जेल में डाल देंगे, तब भी चलेगा, लेकिन पाकिस्तान नहीं जाएंगे।'

49 साल के सीताराम (बदला हुआ नाम) दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज के नीचे अस्थायी तौर पर बनी शरणार्थी बस्ती में रह रहे हैं। उनके पास 45 दिन का वीजा था, जो रद्द कर दिया गया है। हालांकि सीताराम ने लॉन्ग टर्म वीजा के लिए अप्लाई किया है।

इसके बाद भी वे पाकिस्तान वापस भेजे जाने की आशंका से डरे हुए हैं। सीताराम अकेले नहीं हैं। दिल्ली में सिग्नेचर ब्रिज, यमुना खादर और मजनू का टीला में दो शरणार्थी कैंप हैं। यहां पाकिस्तान से आए करीब 1500 शरणार्थी रह रहे हैं।

इंटेलिजेंस ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस को एक रिपोर्ट सौंपी है। इसमें दिल्ली में करीब 5 हजार पाकिस्तानी होने की बात कही गई है। इसके बाद से इन शरणार्थी कैंपों में दिल्ली पुलिस सभी के डॉक्युमेंट चेक कर रही है। हाल में आए शरणार्थी इस कार्रवाई से डरे हुए हैं। वे पाकिस्तान वापस जाने की बात सोचकर ही परेशान हो जाते हैं। इन लोगों के कागजों की जांच कहां तक पहुंची, पाकिस्तान से आए शरणार्थी किस हाल में हैं, दोबारा कागजों की जांच से लोगों को क्या समस्याएं आ रही हैं?

'पाकिस्तान वापस गए तो मार दिए जाएंगे'

सिग्नेचर ब्रिज के नीचे करीब 932 पाकिस्तानी हिंदू परिवार रह रहे हैं। इनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो हाल में भारत आए हैं। कई लोगों की नागरिकता मिलने की प्रोसेस चल रही है। कुछ तो पिछले एक महीने के अंदर ही भारत आए हैं।

सिग्नेचर ब्रिज खत्म होते ही हाईवे पर एक किनारे लोग रेहड़ी-पटरियां लगाए दिखते हैं। उनसे बात की तो पता चला कि सभी पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थी हैं। ब्रिज के नीचे उनका कैंप है। काम न मिलने की वजह से ज्यादातर शरणार्थी हाईवे पर रेहड़ी-पटरी लगाते हैं। इसी से उनका घर चलता है। कैंप में ज्यादातर बांस के घर बने हैं। बांस का ही एक छोटा सा मंदिर है। हर 4 से 5 घरों के लिए एक पक्का टॉयलेट है। नए आने वाले शरणार्थी ज्यादातर पहले से रह रहे लोगों के परिवार के ही सदस्य होते हैं।

सीताराम पहले तो कैमरे पर बात करने के लिए तैयार नहीं थे। वे बताते हैं कि उनके परिवार के करीब 40 सदस्य पहले ही भारत आ गए। मैं 14 अप्रैल को आया हूं। अब भी पाकिस्तान में परिवार के कुछ लोग बचे हैं। सीताराम को डर है कि उनका वीडियो पाकिस्तान में देखा गया, तो वहां रहे रहे परिवार को परेशान किया जाएगा। उन्हें जान का खतरा भी हो सकता है।

पहचान उजागर न करने की शर्त पर वे बात करने के लिए तैयार हो गए। वे बताते हैं, 'मेरा वीजा रद्द हो गया है। जांच अधिकारी ने लॉन्ग टर्म वीजा के लिए अप्लाई करने को कहा है। इसके बाद भी डर है कि मुझे पाकिस्तान भेज दिया जाएगा।'

पाकिस्तान में गुजारे दिनों को याद करते हुए वे बताते हैं, 'हम वहां सिंध प्रांत के सांग्ली जिले में रहते थे। किसानी और मजदूरी करते थे। पाकिस्तान में हिंदू धर्म की पहचान से काफी दूर हो गए थे। वहां की पुलिस को देखकर शरीर कांप जाता था। बच्चों को छिप-छिपकर पढ़ाते थे। मैं चाहता हूं कि बच्चे भारत में ही रहें और यहां के नागरिक बनें। हमें यहां से निकालें नहीं बस। मेरी बेटी अब भी पाकिस्तान में है। उसकी सलामती के लिए काफी डर लगता है। हम भारत आए तो लगा अब सब बदल जाएगा, लेकिन 7-8 दिन बाद यहां भी हालात खराब हो गए।

पहलगाम हमले के खिलाफ सीताराम के अंदर भी गुस्सा है। वे कहते हैं कि भारत सरकार को दहशतगर्दों को बख्शना नहीं चाहिए। फिर थोड़ा ठहरकर बोलते हैं, 'लेकिन वहां से आए हिंदुओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। अगर वे पाकिस्तान वापस गए तो उन्हें मार देंगे।' शांतिलाल (बदला हुआ नाम) भी सिग्नेचर ब्रिज के नीचे ही रहते हैं। वे कैमरे पर चेहरा दिखाने और नाम जाहिर होने से डरते हैं। शांतिलाल परिवार के साथ करीब 8-9 महीने पहले पाकिस्तान के सिंध से आए थे। उनके साथ पाकिस्तान से 28-29 लोग आए थे। परिवार से कुल 16 लोग हैं।

वे बताते हैं, 'थोड़ी बहुत दिक्कत है, लेकिन धीरे-धीरे सही हो जाएगा। वहां के मुकाबले यहां अच्छा लग रहा है। वहां पढ़ाई-लिखाई की दिक्कत थी। बच्चे सही से पढ़ नहीं सकते थे, क्योंकि वहां इस्लामिक पढ़ाई थी।'

हालांकि यहां भी उनके बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। शांतिलाल कहते हैं, 'यहां आकर भी जंगल में बैठ गए हैं। बच्चों को पढ़ाने का कोई इंतजाम नहीं है। एडमिशन नहीं मिल रहा है। 9 महीने हो गए, लेकिन अब तक आधार कार्ड नहीं बना। वहां से पढ़ाने के लिए आए थे, वही नहीं हो रहा है।'

पुलिस की हालिया कार्रवाई पर शांति लाल बताते हैं, 'रोज आकर हमसे डॉक्यूमेंट मांगे रहे हैं। हमने वीजा बढ़वाने की बात कही है। हम यहां रहना चाहते हैं। हमारा वीजा 45 दिन का था, वो खत्म हो गया था। आगे बढ़ाने के लिए हमने डॉक्यूमेंट्स दिए हुए हैं। यहां हमें कोई डर नहीं है। हम चाहते हैं कि यहां कोई अच्छा घर मिल जाए, कमाने का सिस्टम बन जाए और बच्चे पढ़-लिख लें।'

मजनू का टीला कैंप में करीब 800 लोग

हम दूसरे कैंप मजनू का टीला में भी पहुंचे। यहां सड़क किनारे कैंप बने हुए हैं। सिग्नेचर ब्रिज से अलग यहां पक्के घर भी काफी बने हैं। इस कैंप में करीब 700 से 800 लोग रहते हैं। इनमें से 181 लोग ऐसे हैं, जिन्हें नागरिकता मिल चुकी है। 81 लोगों को नागरिकता मिलने की प्रोसेस चल रही है।

आपसी सहमति से लोगों ने अपने मुद्दों को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए तीन प्रमुख चुने हैं। इनमें सोनादास भी हैं। वे 2011 में भारत आए थे। उनके बाद 8 भाई भी परिवार के साथ 2013 तक भारत आ गए। हम सोनादास के पास पहुंचे, तब वे लोगों के साथ मिलकर कैंप में रहने वालों के कागजों की लिस्ट बना रहे थे। 25 अप्रैल को पुलिस कैंप में आई थी। इसके बाद से ही सोनादास ने सबसे कागज जुटाने शुरू किए। वे कहते हैं कि कैंप में सभी के पास वैध सबूत हैं, इसलिए कोई डरा हुआ नहीं है। कुछ परिवारों के लोग अभी पाकिस्तान में रह गए हैं। वे जरूर डरे हुए हैं।

वे बताते हैं, 'हमारे यहां प्रक्रिया चल रही है। जांच की जा रही है कि कोई अवैध रूप से तो नहीं रह रहा है। यहां ऐसा कोई नहीं है, जो बॉर्डर से घुसकर आया हो। सभी वैध तरीके से आए हैं। जिन्हें नागरिकता नहीं मिली है, उनके पास लॉन्ग टर्म वीजा है।'

'कुछ परिवार हाल में ही आए हैं। उन्होंने भी लॉन्ग टर्म वीजा के लिए अप्लाई किया हुआ है। हालांकि सबके पास वैध कागज हैं। यहां कोई घुसपैठिए नहीं हैं, सब हिंदू परिवार हैं। घुसपैठियों को निकालने का सरकार का फैसला सही है।'

वे अपनी नागरिकता के कागज दिखाकर कहते हैं कि ये कागज हैं, फिर भी हमें दस्तावेज दिखाने पड़ रहे हैं। फिर भी हम सरकार की जांच में हर संभव मदद कर रहे हैं।

'पाकिस्तान में हिंदू, कसाई के सामने बकरे जैसे'

पाकिस्तान के दिनों को याद कर सोनादास बताते हैं कि मैं सिंध से भारत आया था। जमीन-जायदाद सब वहीं छूट गई। भुट्टो साहब के समय माहौल ठीक था। तब हिंदू परिवारों पर खतरा कम था। धीरे-धीरे हालात बिगड़ गए। लोगों में डर बैठ गया।

झारखंड के डीजीपी पर केंद्र-राज्य में तकरार

केंद्र ने किया रिटायर लेकिन राज्य सरकार ने पद पर रखा बरकरार

रांची, 4 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच तकरार छिड़ गई है। केंद्र सरकार ने इस पद पर कार्यरत 1990 बैच के आईपीएस अनुराग गुप्ता को रिटायर घोषित कर दिया है, जबकि झारखंड सरकार ने राज्य में पिछले साल लाई गई डीजीपी नियुक्ति नियमावली का हवाला देते हुए उन्हें इस पद पर बरकरार रखा है। देश के किसी भी राज्य में डीजीपी जैसे पद को लेकर ऐसी अजीबोगरीब स्थिति संभवतः पहली बार पैदा हुई है।

केंद्र ने दूसरी बार रिटायरमेंट की दी सूचना

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को नौ दिनों में दूसरी बार पत्र लिखकर आईपीएस अनुराग गुप्ता की रिटायरमेंट की सूचना दी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अखिल भारतीय सेवा की नियमावली के अनुसार 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर वह 30 अप्रैल, 2025 को स्वतः सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस तिथि के बाद उन्हें इस पद पर बनाए रखना अवैध, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 के नियम 16(1) के विपरीत और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना है।

केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी संजीव कुमार के हस्ताक्षर से 22 अप्रैल को झारखंड के मुख्य सचिव को भेजे गए पहले पत्र में आईपीएस अनुराग गुप्ता को 30 अप्रैल की तिथि से रिटायर करने का निर्देश दिया गया था।

अनुराग गुप्ता को दो वर्षों के लिए डीजीपी बनाया गया

इसके जवाब में झारखंड सरकार ने 30 अप्रैल को केंद्र को मेल भेजकर बताया कि राज्य में 'पुलिस महानिदेशक का चयन और नियुक्ति नियमावली-2025' गठित और अधिसूचित की गई है। इसी नियमावली के तहत अनुराग गुप्ता को 2 फरवरी, 2025 को दो वर्षों के लिए पुलिस महानिदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। झारखंड सरकार ने अपने पत्र में सर्वोच्च न्यायालय के उस निर्णय का हवाला दिया, जिसमें डीजीपी के पद पर न्यूनतम दो वर्षों के लिए नियुक्ति होनी है।

गिरिडीह और कोडरमा में रिश्वत लेते दो सरकारी कर्मी गिरफ्तार

रांची, 4 मई (एजेंसियां)। झारखंड के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की अलग-अलग टीम ने शुक्रवार को गिरिडीह और कोडरमा जिले में दो सरकारी कर्मियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

राज्य में पिछले 10 दिनों के भीतर रिश्वत लेने के मामलों में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को एसीबी ने पहली कार्रवाई गिरिडीह जिले के धनवार खोरीमहुआ अनुमंडल में भूमि सुधार उपसमाहर्ता (एलआरडीसी) कार्यालय में की। यहां पदस्थापित लिपिक मनीष भारती को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वह एक रैयत इलाही मियां से 10 हजार रुपए बतौर घूस ले रहा था।

जमीन म्यूटेशन के लिए आवेदन मामले में कार्रवाई

बताया गया कि इलाही मियां ने कुछ माह पहले खरीदी गई एक जमीन के म्यूटेशन के लिए आवेदन दाखिल किया था, लेकिन इस पर आपत्ति दर्ज कराई गई थी। मामला एलआरडीसी ऑफिस में पेंडिंग चल रहा था। वहां कार्यरत लिपिक मनीष भारती म्यूटेशन की फाइल निपटाने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था।

इलाही मियां ने इसकी जानकारी एसीबी की धनबाद इकाई को दी। इसके बाद एसीबी ने ट्रैप लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की इस कार्रवाई से अनुमंडल कार्यालय में हड़कंप मच गया।

दूसरा मामला कोडरमा के अंचल कार्यालय का है। यहां एसीबी की हजारीबाग इकाई की टीम ने राजस्व कर्मचारी सुरेंद्र प्रसाद को एक रैयत से 10 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ा। कोडरमा के बेकोबार गांव निवासी बहादुर राणा ने हजारीबाग एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि राजस्व कर्मी सुरेंद्र प्रसाद उनकी जमीन से संबंधित कार्य के लिए पैसे की मांग कर रहा है।

बांग्लादेश में इस्लामिक राज की आहट

महिला अधिकार की बात करते ही मोहम्मद यूनुस पर भड़के कट्टरपंथी, शरिया कानून की मांग

ढाका, 4 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में इस्लामिक राज की आहट सुनाई देने लगी है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के प्रस्तावित महिला सुधारों के खिलाफ इस्लामिक कट्टरपंथी भड़क गए हैं। शनिवार को इस्लामिक समूहों के हजारों समर्थक राजधानी ढाका की सड़कों पर उतरे और मुस्लिम महिलाओं के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने वाले प्रस्तावित सुधारों के खिलाफ चेतावनी दी। हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश के नेताओं ने देश में शरिया की मांग की और प्रस्तावित सुधारों को इस्लाम विरोधी बताया। सुधारों में महिलाओं को संपत्ति में पुरुषों के बराबरी हिस्सेदारी की बात कही है, जिस पर कट्टरपंथी सबसे ज्यादा भड़के हैं। 20000 से ज्यादा इस्लामिक कट्टरपंथी ढाका विश्वविद्यालय के पास रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर और तख्तियां थीं, जिस पर लिखा था 'हमारी महिलाओं पर पश्चिमी कानूनों को न थोपो, बांग्लादेश जागो।' समूह ने धमकी दी है कि अगर सरकार उनकी मांग पूरी नहीं करती है तो वे 23 मई को पूरे देश में रैलियां आयोजित करेंगे। समूह के एक नेता मामुनुल हक ने मांग की अंतरिम सरकार के सुधार आयोग को समाप्त किया जाए और इसके सदस्यों को प्रस्तावित परिवर्तनों के लिए सजा दी जाए। हक ने कहा कि उत्तराधिकार के धार्मिक कानूनों को पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता का मुख्य कारण बताकर 'देश के बहुसंख्यक लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है।'

भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान ने बुलाई नेशनल असेंबली की मीटिंग

क्या शहबाज शरीफ को मिलेगा इमरान खान की पीटीआई का साथ?

इस्लामाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में टेंशन का माहौल है। उन्हें इस बात का डर सता रहा है कि भारत उन पर कभी भी हमला कर सकता है। इसको देखते हुए पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने नेशनल असेंबली की मीटिंग बुलाई है। ये बैठक 5 मई, 2025 को शाम 5 बजे इस्लामाबाद स्थित संसद भवन में होगी। इस मीटिंग में सभी दल के नेता मौजूद रहेंगे। ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बैठक के बाद इमरान खान की पार्टी पीटीआई प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मदद करेगी या नहीं। हालांकि, जेल में बंद इमरान खान ने एक बयान में कहा था कि वह भारत के खिलाफ सरकार का साथ देंगे। इससे पहले सेना प्रमुख ने भी इमरान खान से मदद मांगने के लिए अपने चार जनरल को उनसे मुलाकात करने के लिए जेल भी भेजा था। पाकिस्तान में इस तरह की आपात बैठकें तब बुलाई जाती हैं जब राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा महसूस हो। राष्ट्रपति की तरफ से बुलाई गई नेशनल असेंबली की इस विशेष बैठक में सभी दलों के नेता, सुरक्षा विशेषज्ञ और मंत्रीगण उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में कई सारे जरूरी मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है, जो खासकर मौजूदा स्थिति पर आधारित हो सकते हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान के सारे राजनयिक संबंध खत्म कर लिए हैं। इसमें सिंधु जल संधि को खत्म करना सबसे बड़ा फैसला माना जा रहा है। इस वजह से पड़ोसी मुल्क में हलचल पैदा हो गई है। इसके अलावा भारत सरकार ने देश में रहने वाले हर पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया और उन्हें वापस पाकिस्तान भेजा रहा है। इन सब के बीच पाकिस्तान लगातार भारत को गीदड़ भभकी भी दे रहा है। बिलावल भुट्टो ने तो सिंधु नदी में पानी की जगह खून बहाने तक की बात कर दी। पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर भी लगातार बैठक कर रहे हैं, जिससे साफ पता चल रहा है कि पाकिस्तान वाकई में खौफ में है। यही वजह है कि वह सीमा पर सायरन लगा रहा है और लगातार मिसाइल परिक्षण कर रहा है।

जेलेंस्की की किस बात पर भड़का रूस यूक्रेन को दी भारी तबाही की चेतावनी

कीव, 4 मई (एजेंसियां)। रूस हर साल 9 मई को होने वाली विक्ट्री परेड के लिए तैयारी कर रहा है। इस परेड में शामिल होने के लिए दुनियाभर से मेहमान मास्को आ रहे हैं। ये परेड हर साल द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत संघ और उसके सहयोगियों की जीत की 80वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए निकाली जाती है। जिसके लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को यूक्रेन के साथ युद्ध में मई में तीन दिवसीय युद्ध विराम की ऐलान किया है। हालांकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इसको खारिज कर दिया है और रूस को अपने तेवर दिखाए हैं। तीन दिवसीय युद्ध विराम के क्रेमलिन के प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को 9 मई को रेड स्क्वायर परेड देखने के लिए रूस द्वारा आमंत्रित विदेशी मेहमानों को चेतावनी दी कि वह उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते हैं। आरबीसी समाचार पोर्टल ने जेलेंस्की के हवाले से कहा, "रूसी संघ के क्षेत्र में जो कुछ भी होता है, उसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हो सकते। रूस एजेंसी आपको सुरक्षा प्रदान करते हैं और इसलिए हम आपको कोई गारंटी नहीं देंगे।" यूक्रेन 30 दिनों के युद्ध विराम की मांग कर रहा है और द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए रूस की ओर से घोषित युद्ध विराम को एक "नाटकीय कदम" बता रहा है। मेहमानों की सुरक्षा की गारंटी ना देने वाले बयान के बाद रूस भड़क गया है। रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने शनिवार को धमकी दी कि यदि यूक्रेन ने 9 मई को द्वितीय विश्व युद्ध के विजय समारोह के दौरान मास्को पर हमला किया तो कोई भी इसकी गारंटी नहीं दे सकता कि यूक्रेन की राजधानी कीव 10 मई तक जीवित रहेगी या नहीं।

पीएम मोदी ने एंथनी अल्बनीज को दोबारा ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री चुने जाने पर दी बधाई

मेलबर्न, 4 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को एंथनी अल्बनीज को दोबारा ऑस्ट्रेलिया का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह जीत ऑस्ट्रेलियाई जनता के भरोसे को दर्शाती है। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि वे अल्बनीज के साथ मिलकर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे और इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। वहीं एंथनी अल्बनीज की यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक है। वे पिछले 21 वर्षों में पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने हैं जिन्हें लगातार दूसरी बार तीन साल का कार्यकाल मिला है। 2004 के बाद यह पहली बार हुआ है जब कोई प्रधानमंत्री लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटा है। उनकी लेबर पार्टी ने संसद की 151 सीटों में से बहुमत की ओर मजबूती से बढ़त बनाई है, जबकि आमतौर पर दूसरे कार्यकाल में सीटों की संख्या कम हो जाती है। अल्बनीज ने सिडनी में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया अब अपने मूल्यों और जनता की प्रेरणा से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई जनता ने भविष्य की चुनौतियों का सामना एकजुट होकर करने का फैसला किया है। अपनी जीत के बाद उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "धन्यवाद, ऑस्ट्रेलिया।" दूसरी ओर, विपक्षी लिबरल पार्टी और उसके नेता पीटर डटन ने चुनाव में हार स्वीकार कर ली। पीटर डटन पिछले 24 वर्षों से सांसद थे, लेकिन इस बार वे अपनी सीट भी हार गए। चुनाव प्रचार के दौरान अल्बनीज का प्रदर्शन विपक्ष की तुलना में अधिक प्रभावशाली रहा। इस ऐतिहासिक चुनाव नतीजे से साफ है कि ऑस्ट्रेलियाई जनता ने अल्बनीज और उनकी नीतियों में फिर से भरोसा जताया है, जिससे उन्हें देश के अहम कानूनों को लागू करने में आगे आसानी हो सकती है। भारत के साथ उनकी रणनीतिक सोच और सहयोग आने वाले समय में दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बना सकती है।

पहलगाम आंतकियों के पीछे भारत ही नहीं

श्रीलंका की पुलिस भी पड़ी है पीछे; कोलंबो एयरपोर्ट पर हुई गहन जांच

कोलंबो, 4 मई (एजेंसियां)। भारत के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की तलाश श्रीलंकाई पुलिस भी कर रही है। भारत की मदद करने के लिए श्रीलंका की पुलिस ने शनिवार को चेन्नई से कोलंबो आ रहे एक विमान की तलाशी ली, क्योंकि उसे सूचना मिली थी कि पहलगाम आतंकवादी हमले से जुड़ा एक संदिग्ध विमान में सवार हो सकता है। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। इस सूचना के बाद गहन जांच की गई। हालांकि ये नहीं बताया गया कि संदिग्ध पकड़ा गया या नहीं। राष्ट्रीय विमानन कंपनी श्रीलंकन एयरलाइंस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उसका विमान चेन्नई से कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11:59 बजे पहुंचा और आगमन पर उसकी व्यापक सुरक्षा जांच की गई। बयान में कहा गया, ''भारत में वांछित एक संदिग्ध के बारे में चेन्नई क्षेत्र नियंत्रण केंद्र द्वारा अलर्ट किये जाने के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर तलाशी ली गई, क्योंकि माना जा रहा था कि वह जहाज पर सवार है।'' बयान में कहा गया कि विमान की गहन जांच की गई और बाद में उसे आगे के परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई।

जापान के हवाई क्षेत्र में घुसा चीन का हेलीकॉप्टर टोक्यो ने लड़ाकू विमान पीछे लगाकर दौड़ाया

टोक्यो, 4 मई (एजेंसियां)। जापान और चीन ने आपस में एक दूसरे पर पूर्वी चीन सागर द्वीपों के आसपास हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि पहले एक चीनी हेलीकॉप्टर ने जापान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया, जिसका टोकियो की ओर से विरोध दर्ज कराया गया। मगर चीन के नहीं मानने पर टोकियो ने भी बीजिंग के हवाई क्षेत्र में घुसकर जवाब दिया। इससे दोनों देशों के बीच तनाव का आलम व्याप्त हो गया है। जापान और चीन ने पूर्वी चीन सागर में जापानी नियंत्रण वाले उन द्वीपों के आसपास के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का एक-दूसरे पर आरोप लगाया है, जिन पर बीजिंग भी अपना दावा करता है। जापान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि शनिवार को चीन की चार तटरक्षक नौकाओं में से एक से उड़ान भरने वाले एक चीनी हेलीकॉप्टर ने सेनकाकू द्वीप के आसपास जापानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया था, तथा लगभग 15 मिनट तक क्षेत्र का उल्लंघन किया था, जिसे लेकर उसने बीजिंग के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हवाई क्षेत्र में घुसपैठ के जवाब में उसने भी लड़ाकू विमान भेजे। चीन नियमित रूप से द्वीपों के आसपास के जलक्षेत्र और वायुक्षेत्र में क्रमशः तटरक्षक जहाजों और विमानों को भेजता है, ताकि क्षेत्र में जापानी जहाजों को परेशान किया जा सके। चीन ने जापान के जिस हवाई क्षेत्र में अपना हेलीकॉप्टर भेजा था, उस पर बीजिंग का अधिकार जताता है। चीन इन द्वीपों को दियाओयू कहता है। जापानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने जापान में चीनी दूतावास के समक्ष ''बहुत गंभीर विरोध'' दर्ज कराया है। विरोध में कहा गया है कि चीन के तटरक्षक बल की कार्रवाई जापान की संप्रभुता का उल्लंघन करती है और चीनी सरकार से निवारक उपाय सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। चीन ने भी एक बयान में कहा कि उसने भी इसी तरह का कदम उठाया है और जापान के एक नागरिक विमान द्वारा द्वीपों के आसपास उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने पर जापान के समक्ष विरोध जताया है। उसने कहा कि वह जापान द्वारा चीन की संप्रभुता के उल्लंघन से बेहद अप्रसन्न है। इस घटना के बाद जापान और चीन ने पूर्वी चीन सागर में एक दूसरे पर हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। जापानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने जापान में चीनी दूतावास के समक्ष ''बहुत गंभीर विरोध'' दर्ज कराया है।

अब इमरान खान और बिलावल पर गिरी गाज भारत ने एक्स अकाउंट को किया ब्लॉक

इस्लामाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पहले पाकिस्तानियों का भारत में रहना और उसके बाद पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल भारत में बंद किया जाना शामिल है। इसके साथ ही कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और पाकिस्तानी वेबसाइट पर भारत में बैन लगा दिया गया है। इसी कड़ी में एक बार फिर भारत सरकार ने कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का एक्स अकाउंट बैन कर दिया है। भारत में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के एक्स अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत विरोधी गतिविधियों और बयानों को देखते हुए की गई है। हालांकि इमरान खान अभी जेल में बंद हैं। इससे पहले भी सरकार ने कई पाकिस्तानी हस्तियों का इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स और यूट्यूब को भारत में बैन किया गया था। जिसमें हनिया आमिर और माहिरा खान सहित कई पाकिस्तानी अभिनेताओं के अकाउंट भी शामिल हैं। लगातार पाकिस्तानियों और उनकी बयानबाजी के कारण भारत सरकार की तरफ से ये कार्रवाई की जा रही है।

एक दिन पहले ही किया था मंत्री ने बड़ा दावा

पाकिस्तान के सूचना प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार के 'एक्स' अकाउंट पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे एक दिन पहले ही उन्होंने दावा किया था कि इस्लामाबाद के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है, जिससे पता चलता है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली 24 से 36 घंटे के भीतर पड़ोसी देश पर सैन्य हमला कर सकता है।

भारत की तरफ से लगातार हो रही कार्रवाई

भारत ने पाकिस्तान के करीब 16 यूट्यूब चैनलों पर बैन लगाया है। गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद यह कार्रवाई की गई थी। जिन खिलाड़ियों के सोशल मीडिया हैंडल देश में रोक दिए गए थे, उनमें बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी, शोएब मलिक, शोएब अख्तर और कई अन्य शामिल हैं। इससे पहले, आतंकी हमले के बाद शाहिद अफरीदी, कामरान अकमल, बासित अली और शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनलों पर भी भारत में प्रतिबंध लगा दिया गया था। पाकिस्तान के अन्य प्रतिबंधित यूट्यूब चैनलों की सूची में डॉन न्यूज, समा टीवी, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज और जियो न्यूज जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

गीदड़ भभकियों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान; तनाव के बीच पड़ोसी के राजदूत ने उगला परमाणु हमले वाला जहर

इस्लामाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। इस वजह से पड़ोसी मुल्क के राजनेताओं से लेकर नौकरशाहों तक की बेचैनी और बड़बोलापन दुनिया के सामने आ गया है। इसी बौखलाहट के क्रम में रूस में आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के राजदूत ने खुलेआम भारत को धमकी दी है। राजदूत ने कहा कि अगर नई दिल्ली अपने पड़ोसी पर हमला करता है तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों सहित अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा। हालांकि, वो शायद यह भूल गए उनका देश पाई-पाई के लिए दुनियाभर के सामने हाथ फैला रहा है। उनकी खुद की आवाम आटे और पानी के लिए जद्दोजहद कर रही है। ऐसे में उन्हें वैश्विक नेता के तौर पर उभर रहे भारत के लिए कुछ भी बोलने से पहले कई बार सोचना चाहिए था। रूसी मीडिया आरटी को दिए गए साक्षात्कार में राजदूत मुहम्मद खालिद जमाली ने दावा किया कि कुछ लीक हुए दस्तावेजों से पता चला है कि भारत पाकिस्तान के कुछ इलाकों पर हमला करेगा। ऐसा होकर ही रहेगा। उन्होंने कहा, 'भारत के मीडिया और उस तरफ से आने वाले गैरजिम्मेदाराना बयानों ने हमें ऐसा सोचने लिए मजबूर किया है। कुछ अन्य लीक हुए दस्तावेज भी हैं, जिनके मुताबिक पाकिस्तान के कुछ इलाकों पर हमला करने का फैसला किया गया है। इसलिए, हमें लगता है कि ऐसा होने वाला है और यह होकर रहेगा। उन्होंने कहा, 'जब भारत और पाकिस्तान की बात आती है, तो हम ताकत की इस बहस में शामिल नहीं होना चाहते। हम अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेंगे यानी पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह की ताकत। जमाली ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के लोगों की ओर से समर्थित सशस्त्र बल पूरी ताकत से जवाब देंगे। दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में पाकिस्तानी आतंकवादियों की ओर से पर्यटकों पर हमला किए जाने के बाद से पाकिस्तान को भारत की जवाबी कार्रवाई का डर सता रहा है। पाकिस्तान के मंत्री हनीफ अब्बासी ने खुले तौर पर भारत को परमाणु जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी। उन्होंने गीदड़भभकी देते हुए कहा था कि पाकिस्तान के शस्त्रागार में घोरी, शाहीन और गजनवी मिसाइलों के साथ-साथ 130 परमाणु हथियार हैं। इन्हें केवल भारत के लिए रखा गया है। अब्बासी ने कहा था कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान की जल आपूर्ति को रोकने की हिम्मत करता है, तो उसे पूरी तरह से युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। बीते बुधवार को पाकिस्तान के एक अन्य मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया था कि उनके देश को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है कि भारत अगले 24 से 36 घंटों के भीतर सैन्य हमला कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि किसी भी आक्रामक कार्रवाई का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि भारत हमला होकर रहेगा। पाकिस्तान हाईअलर्ट पर है, लेकिन अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल केवल तभी करेगा जब हमारे अस्तित्व को सीधा खतरा होगा। 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने बैसरन घाटी में घूमने आए पर्यटकों की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी। इलाके को मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है।

भीषण तबाही के बीच दो हिस्सों में बंट जाएंगे ये देश, वैज्ञानिकों की चेतावनी से चौंकी दुनिया

वॉशिंगटन, 4 मई (एजेंसियां)। पृथ्वी की सतह के नीचे की विशाल चट्टानी प्लेट्स, जिन्हें टेक्टोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये प्लेट्स पृथ्वी के मेंटल पर तैरती रहती हैं और धीरे-धीरे खिसकती हैं। यह धीमी गति लाखों सालों में बड़े भूवैज्ञानिक परिवर्तनों का कारण बनती है। ये बदलाव अफ्रीका महाद्वीप में देखा जा रहा है। पूर्वी अफ्रीका में दो प्रमुख टेक्टोनिक प्लेट्स- न्युबियन और सोमालियाई, एक-दूसरे से दूर जा रही हैं। यह अलगाव पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट सिस्टम (ईएआरएस) का निर्माण कर रहा है, जो पृथ्वी पर सबसे सक्रिय भूवैज्ञानिक क्षेत्रों में से एक है। वैज्ञानिक इस प्रक्रिया को एक नए महासागर के जन्म की शुरुआत मान रहे हैं, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। ईएआरएस इथियोपिया से शुरू होकर केन्या, तंजानिया और मोजाम्बिक तक लगभग 3,500 किलोमीटर तक फैला हुआ है। यह क्षेत्र टेक्टोनिक प्लेटों के खिंचाव और पतले होने के कारण होने वाली दरारों और भ्रंशों की एक श्रृंखला से चिह्नित है। यह प्रक्रिया धीमी है, प्लेटें हर साल सिर्फ कुछ मिलीमीटर ही खिसकती हैं, लेकिन लाखों सालों में यह एक महत्वपूर्ण अंतर पैदा कर सकती है।

नए महासागर का होगा जन्म

जब टेक्टोनिक प्लेटें अलग होती हैं, तो उनके बीच की जमीन खिंचती और पतली होती है। इससे दरारें बनती हैं, जो धीरे-धीरे गहरी होती जाती हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि लाल सागर और अदन की खाड़ी का पानी इन दरारों में भर सकता है, जिससे अंततः एक नया महासागर बनेगा। यह प्रक्रिया लाखों साल पहले अटलांटिक महासागर के बनने के समान है।

अफार क्षेत्र में 2005 की घटना

2005 में इथियोपिया के अफार क्षेत्र में 420 से अधिक भूकंपों की एक श्रृंखला ने 60 किलोमीटर लंबी और 10 मीटर गहरी दरार बना दी। यह घटना वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत थी कि अफ्रीका का विभाजन उम्मीद से कहीं तेज हो रहा है। यह दरार हर साल लगभग आधा इंच चौड़ी हो रही है, जो नए महासागर के बनने की प्रक्रिया को दर्शाती है।

कौन-कौन से देश होंगे प्रभावित देश?

इस टेक्टोनिक हलचल से इथियोपिया, केन्या, तंजानिया और सोमालिया जैसे देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। युगांडा, जाम्बिया और रवांडा जैसे लैंडलॉक्ड देशों को भविष्य में समुद्री तट मिल सकता है, जिससे उन्हें समुद्री व्यापार और अर्थव्यवस्था के नए अवसर मिलेंगे। वहीं, सोमालिया और इथियोपिया का कुछ हिस्सा एक अलग महाद्वीप बन सकता है, जिसे वैज्ञानिक 'न्युबियन महाद्वीप' कह रहे हैं।

वैज्ञानिकों की चेतावनी

पहले वैज्ञानिक मानते थे कि यह प्रक्रिया करोड़ों साल लेगी, लेकिन हाल की स्टडीज और अफार क्षेत्र की घटना से पता चला है कि यह 5 से 10 लाख साल में पूरी हो सकती है। टुलेन यूनिवर्सिटी की भू-वैज्ञानिक सिंथिया एबिंगर के मुताबिक, भूकंप या ज्वालामुखी विस्फोट जैसी घटनाएं इस प्रक्रिया को और तेज कर सकती हैं। नए महासागर के बनने से अफ्रीका का पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह बदल जाएगा। समुद्री जलवायु के कारण मौसम, कृषि और जैव-विविधता पर गहरा असर पड़ेगा।

गोंडवाना सुपरकॉन्टिनेंट के समान प्रक्रिया

लगभग 180 मिलियन साल पहले गोंडवाना सुपरकॉन्टिनेंट टूटा था, जिससे अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका अलग हुए और अटलांटिक महासागर बना। वैज्ञानिकों का कहना है कि पूर्वी अफ्रीका में चल रही प्रक्रिया उसी का एक छोटा संस्करण है। वैज्ञानिक जीपीएस ट्रैकिंग, भूकंपीय डेटा और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करके इन भूवैज्ञानिक परिवर्तनों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। अफार क्षेत्र में मैग्मा की गतिविधियां और भ्रंश विस्तार इस प्रक्रिया को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह अनुसंधान पृथ्वी के भविष्य को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

सिंगापुर के आम चुनाव में प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की पार्टी ने दर्ज की बंपर जीत, पीएम मोदी ने दी बधाई

सिंगापुर/नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर के आम चुनाव में प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की शानदार जीत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उन्हें बधाई दी और कहा कि वह उनके साथ मिलकर काम करते रहने के लिए उत्साहित हैं। वोंग के दल पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने सिंगापुर के आम चुनाव में 97 संसदीय सीट में से 87 सीट हासिल कर भारी जीत दर्ज की। वह सिंगापुर में फिर से सत्ता संभालेंगे। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''लॉरेंस वोंग, आम चुनावों में शानदार जीत पर आपको हार्दिक बधाई। भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत और बहुआयामी साझेदारी है जो लोगों के आपसी घनिष्ठ संबंधों पर आधारित है।''प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के वास्ते अपने सिंगापुरी समकक्ष के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को सिंगापुर के आम चुनाव में 97 संसदीय सीटों में से 87 सीटें हासिल कर भारी जीत दर्ज की। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। अमेरिकी व्यापार शुल्कों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच वोंग और पीएपी को आम चुनाव से नया जनादेश मिला है।

वोंग ने जताया जनता का आभार

सिंगापुर की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी पीएपी ने 1965 में स्वतंत्रता के बाद से ही यहां शासन किया है। मार्सिलिंग-यू टी ग्रुप रिप्रेजेंटेशन कांस्टिट्यूएंसी (जीआरसी) के नतीजे घोषित होने के बाद वोंग ने कहा कि यह उनका पहला और "विनम्र अनुभव" था। उन्होंने मतदाताओं के लिए कड़ी मेहनत करने का संकल्प लिया। वोंग (52) ने कहा, ''हम आपके मजबूत जनादेश के लिए आभारी हैं तथा आप सभी के लिए और भी अधिक मेहनत करके आपके द्वारा हमें दिए गए विश्वास का सम्मान करेंगे।'' इस चुनाव को प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की पहली अहम परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने पिछले वर्ष पदभार ग्रहण किया था। वह पीएपी का नेतृत्व कर रहे हैं, जो स्वतंत्रता के बाद से सिंगापुर पर शासन कर रही है।

अगली सरकार में आएगा ईआरसीपी का पानी

जलदाय मंत्री का बड़ा बयान, 4 साल में पूरे होंगे आधे काम

अलवर, 4 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने अलवर में पेयजल को लेकर समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने ईआरसीपी (अब रामसेतु जल योजना) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों के टेंडर हो चुके हैं, उन्हें 4 वर्षों में और बाकी कार्यों को 5 से 6 वर्षों में पूरा किया जाएगा। ऐसे में साफ है कि योजना के तहत राजस्थान और अलवर में पानी मौजूदा सरकार के कार्यकाल में नहीं, बल्कि अगली सरकार के दौरान ही आ सकेगा।

हालांकि मंत्री ने यह भी कहा कि बीसलपुर और ईसरदा बांध से संबंधित कार्य मौजूदा कार्यकाल के दौरान पूरे कर दिए जाएंगे और इनसे पानी पहुंचाने की प्रक्रिया इस सरकार में शुरू हो जाएगी।

अलवर के मिनी सचिवालय में वन मंत्री संजय शर्मा और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित समीक्षा बैठक में जलदाय मंत्री ने जल संकट की स्थिति को लेकर अधिकारियों से फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ईआरसीपी योजना को लेकर एमओयू किया जा चुका है, डीपीआर तैयार हो चुकी है और 12,000 करोड़ रुपये के कार्यों के लिए वर्क ऑर्डर जारी किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि जिन कार्यों के टेंडर हो चुके हैं, उन्हें अगले 4 वर्षों में पूरा किया जाए, जबकि बाकी कार्यों को पूरा होने में 5-6 वर्षों का समय लगेगा।

जलदाय मंत्री ने पूर्व कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि कांग्रेस जल जीवन मिशन योजना का काम करती, तो सब बर्बाद हो जाता। कांग्रेस ने न तो सही सुपरविजन किया, न ही स्रोतों का विकास किया। बिना यह देखे कि नीचे पानी है या नहीं, लाइनें बिछा दी गईं। कई स्थानों पर लाइनें डाली ही नहीं गईं और भुगतान भी कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार पिछले डेढ़ साल से इन कमियों को सुधारने में जुटी है। कई स्थानों पर गंभीर लापरवाही और घोटाले सामने आए हैं। हमने कई कर्मचारियों को निलंबित किया है, लेकिन विभाग खाली होने की स्थिति में आ गया है।

अलवर में पानी की समस्या को लेकर उन्होंने कहा कि शहर को कुल 94 एमएलडी पानी की जरूरत है, लेकिन वर्तमान में केवल 31 एमएलडी पानी की आपूर्ति हो पा रही है। हाल ही में 9 एमएलडी की नई स्वीकृति से आपूर्ति 40 एमएलडी तक पहुंचेगी। आगे नए बोरवेल्स से 20 एमएलडी पानी और जोड़ा जाएगा, जिससे कुल आपूर्ति 60 एमएलडी हो जाएगी। शेष 30 एमएलडी पानी सिलीसेढ़ योजना के जरिए उपलब्ध कराने की योजना है।

इस समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला, जलदाय विभाग के अधिकारी, भाजपा से जुड़े वर्तमान एवं पूर्व विधायक और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सचिन पायलट पर तंज कसते हुए बोले बेनीवाल

डॉक्टरों ने उन्हें धूप से बचने की सलाह दी है

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट पर चुटकी लेते हुए कहा कि अब वो जून के बाद ही सड़कों पर उतरेंगे क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें धूप से बचने की सलाह दी है। बेनीवाल ने तंज कसते हुए कहा कि डॉक्टरों ने पायलट साहब से कहा है कि अगर आप धूप में निकल गए तो काले हो जाओगे, इसलिए वो जून के बाद बारिश आने पर ही आंदोलन करेंगे।

उन्होंने कहा कि अब नेताओं को जनता के बीच आना चाहिए लेकिन पायलट जैसे नेता सिर्फ अनुकूल मौसम का इंतजार कर रहे हैं। बेनीवाल ने कहा कि उन्होंने दो बार पायलट की मदद की लेकिन पायलट ने उनके लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब पायलट साहब पहले मेरा कर्ज तो उतारें, जो मैंने उनके लिए किया है।

कांग्रेस पार्टी के संविधान बचाओ आंदोलन को लेकर बेनीवाल ने मल्लिकार्जुन खड़गे पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि खड़गे साहब की उम्र हो चुकी है। कांग्रेस पार्टी अब उन्हें पकड़-पकड़कर ले जाती है, कहीं जयपुर के मौसम में कुछ अनहोनी हो गई तो कौन जिम्मेदार होगा?

उन्होंने भाजपा और कांग्रेस के संबंधों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बीजेपी ने अपने कुछ नेता कांग्रेस में फिट कर रखे हैं, जो समय-समय पर बयानबाजी कर पार्टी को हास्यास्पद स्थिति में ला देते हैं।

बेनीवाल का मानसिक संतुलन बिगड़ा

सस्ती लोकप्रियता के लिए दे रहे हैं अनर्गल बयान- कन्हैयालाल चौधरी

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि खींवसर विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद से वे मीडिया में सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए अनर्गल और अमर्यादित बयानबाजी कर रहे हैं।

मंत्री चौधरी ने कहा कि बेनीवाल की बचकानी हरकतें यह साबित करती हैं कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें किसी योग्य मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

चौधरी ने कहा- हमारी पार्टी ने संगठित रूप से खींवसर उपचुनाव लड़ा और जीत दर्ज कर बेनीवाल और उनके कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी व ब्लैकमेलिंग का खात्मा किया। अब वे लगातार भाजपा विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ अनर्गल और अशोभनीय टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और बेनीवाल की सस्ती लोकप्रियता की चालें अब सफल नहीं होंगी।

गौरतलब है कि आरएलपी सुप्रीमो बीते सात दिनों से जयपुर के शहीद स्मारक पर एसआई भर्ती परीक्षा रद्द किए जाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं और इसी दौरान उन्होंने कई भाजपा नेताओं पर तंज कसते हुए उन्हें आड़े हाथों लिया है। उन्होंने राजस्थान सरकार के मंत्री केके बिश्नोई द्वारा उन पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि एसआई भर्ती में हुई गड़बड़ियों को लेकर जो तथ्य उन्होंने उठाए हैं, वे एसओजी की रिपोर्ट में दर्ज हैं और यह सब रिपोर्ट में लिखा है।

किरोड़ीलाल मीना की अफसरों को चेतावनी

घोटाला किया तो 48 डिग्री के तापमान में लगवाऊंगा दौड़

दौसा, 4 मई (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव में भाई जगमोहन मीना की हार के बाद पहली बार कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने दौसा में सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया। खास बात यह रही कि इस समारोह में कई माह बाद किरोड़ीलाल मीना ने सांसद मुरारीलाल मीना के साथ मंच साझा किया। इस दौरान कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा कि घोटाला किया तो 48 डिग्री के तापमान में दौड़ लगवाऊंगा।

जलदाय विभाग की ओर से आयोजित अधीक्षण अभियंता

कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि दौसा के किसी विभाग में कोई घोटाला या गड़बड़ी हुई तो अधिकारी को 48 डिग्री के तापमान में दौड़ लगवाने की जिम्मेदारी मेरी होगी। अब तक चार को सस्पेंड कर चुका हूं, गड़बड़ किसी सूरत में नहीं होने दूंगा। साथ ही यह भी कहा कि पिछले राज में जिस अधिकारी ने मिल-जुलकर खाया, भारी राजनीतिक भेदभाव किया उनको इस इलाके में रहने नहीं दूंगा।

पिछली सरकार पर ऐसे ली चुटकी

किरोड़ीलाल मीना ने चुटकी लेते हुए कहा कि पिछली सरकार के समय पानी में भी लीकेज था और परीक्षा में भी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मंत्री ने कहा कि राज आने पर प्रशासन बदलना जरूरी होता है, लेकिन किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने तो मुरारीलाल मीना की भांजा बहू को मनचाही जगह लगवाया है। अधीक्षण अभियंता कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा और लालसोट विधायक रामबिलास मीना भी मंच पर मौजूद रहे।

नीट एग्जाम से एक दिन पहले फंदे से लटकी छात्रा

कोटा, 4 मई (एजेंसियां)। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही एक नाबालिग छात्रा ने कल देर शाम गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। वह आज होने वाले नीट एग्जाम में बैठने वाली थी। घटना कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र की पार्श्वनाथपुरम कॉलोनी की है, जहां छात्रा ने कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। जब यह हादसा हुआ, उस वक्त छात्रा परिवार घर पर ही मौजूद था। थाना प्रभारी अरविंद भारद्वाज के अनुसार छात्रा का परिवार मूल रूप से मप्र के श्योपुर जिले का रहने वाला है और कोटा में रहकर बेटी की प्रतियोगी प्रवेश परीक्षा की तैयारी करवा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को तुरंत एमबीएस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा

कल जैसलमेर में धरा गया था आईएसआई जासूस, ताबड़तोड़ एक्शन

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल को आज एक बड़ी सफलता मिली है। यहां बीएसएफ के जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक पाकिस्तानी रेंजर को गिरफ्तार किया है। वहीं कल राजस्थान इंटेलिजेंस ने जैसलमेर से एक ISI जासूस को गिरफ्तार किया है। पहलगाम हमले के बाद भारत का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है।

राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर से बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी रेंजर गंगानगर से सटी भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। मुस्तैदी से पहरा दे रहे बीएसएफ जवानों ने तुरंत पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ लिया। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से बीएसएफ की तरफ से इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

बदले की कार्रवाई!

ये कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को पाकिस्तानी रेंजर्स ने 23 अप्रैल को पंजाब में भारत-पाक सीमा से पकड़ा था और भारतीय बल द्वारा दर्ज कराए गए कड़े विरोध के बावजूद उन्होंने उसे सौंपने से इनकार कर दिया था।

जैसलमेर में आईएसआई का जासूस धरा गया था

हालांकि भारत की तरफ से कार्रवाई रूक नहीं रही है। बीते शुक्रवार को ही राजस्थान खुफिया विभाग ने जैसलमेर निवासी पठान खान को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार पठान खान वर्ष 2013 में पाकिस्तान गया था, जहां वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के संपर्क में आया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान में खान को पैसों का लालच देकर जासूसी के लिए तैयार किया गया था और उसे विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया था।

सीमावर्ती इलाके में सतकर्ता बढ़ाई गई

खैर पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान सीमा से सटे राजस्थान के शहरों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी सिलसिले में श्रीगंगानगर में बाहर से आने लोगों का पुलिस सत्यापन करना अनिवार्य कर दिया गया है। पुलिस को अंदेशा है कि यहां रहने वाले कई लोगों की पहचान जरूरी है। कलेक्टर के निर्देश अनुसार करीब 40 हजार लोगों का सत्यापन सात दिन में पुलिस को करना है।

संदिग्ध बांग्लादेशियों की धरपकड़ के लिए चलाया जांच अभियान

बांसवाड़ा, 4 मई (एजेंसियां)। अहमदाबाद के चंदोला में अवैध रूप से बांग्लादेशियों को बसाने वाले आरोपी लल्ला बिहारी की बांसवाड़ा से गिरफ्तारी के बाद जिले में पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी है। जिले के सभी थाना क्षेत्र में संदिग्ध बांग्लादेशियों की धरपकड़ को लेकर जांच अभियान शुरू किया गया है। दूसरी ओर जिले में एक पिता-पुत्र भारतीय नागरिकता के लिए भारत सरकार की मंजूरी मिलने के इंतजार में हैं।

बांसवाड़ा के झेरमोटी गांव से अहमदाबाद पुलिस क्राइम ब्रांच द्वारा लल्ला बिहारी को गिरफ्तार करने के बाद बांसवाड़ा पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की जांच-पड़ताल के लिए घर-घर सर्वे करना शुरू कर दिया है।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने जानकारी देते हुए बताया कि 300 से अधिक लोगों के दस्तावेजों की जांच विभिन्न थाना क्षेत्र में की गई है, जिसमें कुशलगढ़, गढ़ी, आनंदपुरी, सल्लोपाट बांसवाड़ा, कलिंजरा आदि क्षेत्र शामिल हैं। इसमें कलिंजरा और सल्लोपाट थाना क्षेत्र से एक-एक संदिग्ध सामने आने की जानकारी है, जिनके दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि वे भारतीय हैं अथवा अवैध रूप से बांग्लादेश से आकर जिले में रह रहे हैं। अन्य थाना क्षेत्र में भी पुलिस की टीमें आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट सहित अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही हैं।

नागरिकता के इंतजार में पिता-पुत्र

इधर वर्षों पहले पाकिस्तान से यहां आकर बसे एक हिंदू परिवार में पिता-पुत्र को भारतीय नागरिकता का इंतजार है। परिवार के दो सदस्यों को नागरिकता मिल चुकी है, जबकि पिता-पुत्र लॉन्ग टर्म वीजा पर जिले में निवासरत हैं। बताया जा रहा है कि उक्त परिवार की पाकिस्तान में संपत्ति है और पिता- पुत्र वापस पाकिस्तान जाकर संपत्ति को बेचकर भारत में स्थाई रूप से बसने का निर्णय कर चुके हैं। उन्होंने भारतीय नागरिकता के लिए केंद्र सरकार से आवेदन भी कर दिया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष पूंजीलाल गायरी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी एवं अन्य विदेशी नागरिकों की विशेष जांच की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया है कि जिले की लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां अवैध रूप से बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या समुदाय के लोग निवास कर रहे हैं। ये लोग ना केवल अवैध तरीके से यहां बसे हुए हैं, बल्कि कई स्थानों पर इनसे जुड़ी अवैध गतिविधियां और कारोबार भी सामने आ रहे हैं। इनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं हैं और ये नकली दस्तावेज बनवाकर यहां रह रहे हैं।

मामूली विवाद में अवैध असलहे से दागी गोली

युवक की हुई मौत

उदयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। उदयपुर के मांडवा थाना क्षेत्र में गोली चली है। बीती शाम दो चचेरे भाइयों के बीच शुरू हुआ विवाद इस कदर बढ़ा की गोली चलने की नौबत आ गई। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। दरअसल, मांडवा थाना क्षेत्र के बोरली गांव में दो चचेरे भाइयों के बीच विवाद हो गया. मामला इतना बढ़ गया कि एक चचेरे भाई ने टोपीदार बन्दूक से दूसरे युवक पर फायरिंग कर दी। आनन-फानन में घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। टोपीदार बंदूक से घायल युवक इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना की सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक राजेंद्र सिंह, मांडवा एएसआई शांतिलाल अहारी सहित भारी संख्या में पुलिस टीम घटना स्थल पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। युवक की मौत के बाद डेड बॉडी को कोटड़ा सीएचसी के मोर्चरी में रख गया है। पुलिस ने बताया कि गोली चलाने के बाद आरोपी युवके मौके से फरार हो गया है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है.

डॉक्टर बनने का सपना टूटा

नीट परीक्षा देने जा रहीं दो सहेलियों समेत तीन को डंपर ने रौंदा, मौत

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। जयपुर के बस्सी इलाके में आज सवेरे बड़ा सड़क हादसा हुआ है। डॉक्टर बनने का सपना लिए नीट की परीक्षा देने जा रही दो छात्राओं समेत तीन को एक डंपर ने रौंद दिया। डंपर बजरी से भरा बताया जा रहा है। जिस बाइक पर तीनों सवार थे उसे टक्कर मारने के बाद डंपर चालक ने तीनों को कुचल दिया। घटना के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस मौके पर पहुंची और मोबाइल एवं अन्य दस्तावेज की मदद से पहचान की गई। हादसा आज सवेरे करीब नौ बजे के आसपास का बताया जा रहा है।

बस्सी पुलिस ने प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बताया कि आज सवेरे बस्सी ओवर ब्रिज के नजदीक यह हादसा हुआ। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। बाइक चला रहे युवक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। उसके साथ बाइक पर जो दो युवतियां सवार थीं उनकी पहचान 22 साल प्रिया और 21 साल की खुशी के रूप में हुई है। दोनों बस्सी की ही रहने वाली थीं। निजी एंबुलेंस की मदद से तीनों शवों को बस्सी अस्पताल में रखवाया गया है। परिजनों को इसकी सूचना दी गई है। बाइक और डंपर जब्त कर लिया गया है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। युवक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने कहा कि डंपर के नंबरों के आधार पर डंपर मालिक और चालक की तलाश कर रहे हैं।

27 साल की महिला को 52 साल के बकरी चराने वाले से हुआ प्यार

पति को दिया धोखा तो मिली मौत !

हनुमानगढ़, 4 मई (एजेंसियां)। संगरिया इलाके में लिव-इन में रह रही पंजाब की महिला की हत्या के बाद कई बड़े राज सामने आ रहे हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि हत्या के समय महिला गर्भवती थी। बीते कुछ समय पहले अपने पति को छोड़कर प्रेमी के साथ रहने के लिए पंजाब से राजस्थान चली आई थी।

दरअसल, गांव ढाबां में एक प्रेमी ने अपनी गर्भवती महिला पार्टनर की हत्या कर दी और खुद भी फांसी पर झूल गया। लिव-इन में रह रही मृतका की पहचान गांव भगतपुरा निवासी सुमन (27) पत्नी कर्मजीत सिंह उर्फ मराठा सिंह के रूप में हुई है। वह पिछले कई माह से ढाबां में संतोषी माता मंदिर के पास रहने वाले राजू सिंह (52) पुत्र वीरासिंह रामदासिया के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थी। दोनों घर से बाहर नहीं आए तो पड़ोसी ने घर में जाकर देखा तो दोनों मृत मिले। पूर्व सरपंच गुरपाससिंह बराड़ व ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। डीएसपी कर्णसिंह बराड़ व एसडीएम जय कौशिक मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने क्राइम प्लेस का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार महिला नग्न अवस्था में मृत मिली। उसके नाक व कान से खून बह रहा था। ऐसे में प्रथमदृष्ट्या गला दबाकर हत्या करना प्रतीत हो रहा है। प्रेमिका की हत्या के बाद राजू सिंह ने घर के दूसरे कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

हवलदार कैलाश मीणा ने बताया कि स्थानीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिए गए। इस संबंध में मृतका के भाई किंदर सिंह निवासी जंडवाला, पंजाब व पिता सार्दुल सिंह निवासी ढाबां ने केस दर्ज कराया है। दोनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

चालान काटने से नाराज ट्रेलर चालक ने आरटीओ की गाड़ी को उड़ाया

इंस्पेक्टर की मौत, एक गंभीर घायल

कोटा, 4 मई (एजेंसियां)। कोटा-झालावाड़ रोड पर तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़ी आरटीओ टीम की गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना से गाड़ी के अंदर बैठे आरटीओ इंस्पेक्टर की मौत हो गई, वहीं चालक भी घायल हो गया। हादसा मंडाना थाना इलाके ने टोल प्लाजा के नजदीक हुआ। जहां पर आरटीओ की टीम रात को वाहनों की चेकिंग कर रही थी। सूचना के बाद पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और हादसे के बारे में जानकारी ली। वहीं हादसे के बाद ट्रेलर भी अनियंत्रित होकर रोड के किनारे उतर गया और मौका पाकर चालक फरार हो गया।

प्रादेशिक परिवहन अधिकारी मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि टीम नेशनल हाईवे 52 पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान कोटा से झालावाड़ की तरफ जा रहे ट्रेलर का चालान आरटीओ टीम ने बनाया था, जिससे नाराज ट्रेलर चालक ट्रेलर को वापस तेज गति से लेकर आया और आरटीओ टीम की गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से आरटीओ इंस्पेक्टर नरेश बारवाल की मौत हो गई और चालक देवेंद्र गंभीर घायल हो गए। शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। सूचना पर कोटा जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी सहित अन्य अधिकारी भी मोर्चरी पहुंचे और परिजनों से बातचीत की।

कोटा ग्रामीण पुलिस उपाधीक्षक राजेश ढाका ने बताया कि जिस समय यह घटना हुई आरटीओ टीम के अन्य सदस्य सड़क पर ही खड़े थे। ट्रेलर चालक के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। पता चला है कि ट्रेलर चालक ने नंबर प्लेट को काला किया हुआ था और उसमें माल भी काफी ऊंचाई तक भरा हुआ था, जिसके कारण टीम ने उसे रुकने का इशारा किया लेकिन वह नहीं रुका और तेज गति से आगे चल गया। इसके बाद आरटीओ इंस्पेक्टर नरेश ने उसका 15,500 रुपये का ऑनलाइन चालान बना दिया। जैसे ही यह मैसेज चालक के पास पहुंचा वह वापस ट्रेलर को घुमाकर लाया और सरकारी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी।

पारिवारिक विवाद में बड़ा फैसला

पत्नी को 1.40 लाख मासिक भरण-पोषण देगा पायलट पति

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। राजधानी के एक पारिवारिक विवाद में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने पायलट पति को अपनी पत्नी और बेटी को प्रतिमाह 1.40 लाख रुपये का भरण-पोषण देने का आदेश दिया है। पारिवारिक न्यायालय-1 ने यह आदेश सुनाया। कोर्ट ने पायलट पत्नी को 80 हजार रुपये प्रतिमाह और बेटी को 60 हजार रुपये प्रतिमाह देने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याची-प्रार्थी पत्नी के पास आय का कोई पर्याप्त स्रोत नहीं है। जबकि उसके पति की तुलना में उसकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर है। कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि प्रार्थी पत्नी अपने वैवाहिक घर में जिस जीवन स्तर पर रह रही थी, उसे उसी स्तर का जीवन यापन करने का अधिकार है। प्रार्थी पत्नी की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट ने कोर्ट को बताया कि प्रार्थी का विवाह पायलट पति के साथ 2 मई 2015 को हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। इस दौरान उनकी एक बेटी का जन्म भी हुआ। एडवोकेट ने बताया कि शादी के बाद से ही प्रार्थी पत्नी अपने पति के साथ ही रह रही थी।

वाहन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

चोरी के चार वाहन बरामद, घटना में तीन किशोर भी शामिल

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के कमिश्नर टास्क फोर्स, नॉर्थ जोन टीम ने हुमायूंनगर, नरसिंगी, कोठुरु और शमशाबाद पुलिस के साथ मिलकर ऑटो मोबाइल चोरी करने वाले अपराधियों और रिसीवर को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से हैदराबाद और साइबराबाद कमिश्नरेट की सीमा में चोरी की गई 3 डियो गाड़ियां, 1 ऑटो रिक्शा और 1 एक्टिवा और अपराध करने के लिए इस्तेमाल की गई 1 ऑटो रिक्शा जब्त की गई है। पुलिस उप आयुक्त, टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर, वाई.वी.एस. सुधीन्द्र ने कहा कि आरोपियों मोहम्मद नवीद, निवासी खाजी गली, टोलीचौकी, मोहम्मद सोहेल निवासी, हकीमपेट, टोलीचौकी, शेख मोहित अली, निवासी हकीमपेट, टोलीचौकी, मोहम्मद मेहराज निवासी गोलकोंडा, शेख समद, निवासी बैक, जिरा, आसिफनगर, शेख नसीर निवासी, बिलालनगर, मिसरीगंज बहादुरपुरा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से चोरी के वाहनों को प्राप्त करने वाले मोहम्मद बासित अली निवासी भोलकपुर, मुशीराबाद, मोहम्मद समीर निवासी, हसमतपेट, बोइनपल्ली के साथ तीन नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों ने कई घटनाओं को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि आरोपी व्यक्ति मोहम्मद नवीद और समी दोनों बचपन के दोस्त हैं और वे मोटर साइकिल चोरी करने के लिए ऑटो रिक्शा टीएस 34 टीए 6418 बजाज ऑटो रिक्शा पर सवार होकर निकले थे। उन दोनों ने नरसिंगी पुलिस थाने की सीमा में एक डियो वाहन देखा। उन्होंने होंडा डियो वाहन चोरी की है। उन्होंने चोरी की गाड़ी इब्बा-उर-रहमान को 10 लाख रुपये में बेच दी। विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरोपी मोहम्मद नवीद को गिरफ्तार कर लिया गया तथा पकड़े गए रिसीवर इबाद उर रहमान की निशानदेही पर चोरी के वाहन रिसीवर मोहम्मद बसित का पता चला। चोरी की गई डियो गाड़ी बासित अली से बरामद कर ली गई। आरोपी मोहम्मद सोहेल हकीमपेट का निवासी है और प्लंबिंग का काम करता है। आय कम होने के कारण उसने वाहन चोरी की योजना बनायी। उसने होंडा डियो वाहन चोरी की थी। इसे उन्होंने मोहम्मद समीर को रुपये में बेच दिया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरोपी सोहेल को पकड़ लिया गया, पूछताछ करने पर वह हसमतपेट पहुंचा और रिसीवर समीर को दिखाया, उसके कब्जे से चोरी की गई डियो गाड़ी बरामद की गई। आरोपी व्यक्ति शेख मोहित अली, मो. मेहराज और अब्बास (फरार) सभी टोलीचौकी, गोलकोंडा क्षेत्र के निवासी हैं और बचपन के दोस्त हैं। मोहित बाइक मैकेनिक है, मेहराज किराना स्टोर में काम करता है और अब्बास वेल्डर है। उन सभी ने वाहन चोरी करने, उसे बेचकर आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। वाहन चोरी करने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने होंडा डियो वाहन चोरी की है। चोरी की गई गाड़ी डियो वाहन को रेहान खान निवासी हशमथपेट को 15 लाख रुपये में बेचा गया था। विश्वसनीय सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों शेख मोहित अली और मोहम्मद मेहराज को पकड़ लिया गया। आगे चलकर हसमतपेट पहुंचे और रेहान खान को पकड़ लिया तथा उसके पास से चोरी की गई डियो गाड़ी बरामद कर ली। आरोपी शेख समद और नासिर दोनों आपस में साले-बहनोई हैं। उन्होंने वाहनों की चोरी करने, उन्हें बेचकर आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई है। वे नासिर के वाहन एक्टिवा पर शमशाबाद पुलिस स्टेशन की सीमा में चले गए और ऑटो रिक्शा की चोरी की और उसे बेचने की योजना बना रहे थे। इस बीच, विश्वसनीय सूचना के आधार पर शेख समद और नासिर दोनों को पकड़ लिया गया और चोरी की गई ऑटो रिक्शा बरामद कर ली गई। आरोपियों की पुलिस निरीक्षक, टास्क फोर्स, एसआई श्रीनिवासुलु दासू, नॉर्थ जोन टास्क फोर्स टीम के सी.राघवनेडर रेड्डी और हुमायूंनगर, नरसिंगी, कोठुरु और शमशाबाद पीएस के क्राइम स्टाफ द्वारा गिरफ्तारी की गई।

जुआ खेलने के आरोप में 15 लोग गिरफ्तार

आदिलाबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात यहां एक समारोह हॉल में प्रतिबंधित जुआ खेलने के आरोप में पंद्रह लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों से 89,160 नकद, 13 मोबाइल फोन और छह मोटरसाइकिलें जब्त कीं। आदिलाबाद ग्रामीण इंस्पेक्टर के. एक गुप्त सूचना के बाद दोपहर करीब 1 बजे शहर के बाहरी इलाके में 15 व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डायल 100 ने की सांप द्वारा काटे गए मछुआरे की मदद

जगतियाल, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भीरपुर मंडल मुख्यालय के बाहरी इलाके में सांप द्वारा काटे गए एक मछुआरे को शनिवार रात को तब बचा लिया गया जब उसने स्वयं 'डायल 100' सुविधा पर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने बताया कि निर्मल जिले के निवासी गणपति, झींगा पकड़ने के लिए रोलावागु परियोजना में आए थे, तभी यह घटना घटी। काम के दौरान उन्हें सांप ने काट लिया। उन्होंने तुरंत पुलिस हेल्पलाइन पर फोन किया। तुरंत ही, भीरपुर के प्रोबेशनरी सब-इंस्पेक्टर राजू और उनकी टीम मौके पर पहुंची और उन्हें 108 एंबुलेंस से जगतियाल सरकारी अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

यूओएच ने सूजन संबंधी विकारों के उपचार विकसित करने के लिए उद्योग के साथ हाथ मिलाया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) और एस्पायर-बायोनेस्ट में इनक्यूबेट की गई एक होनहार जैव प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप क्रिस्मो बायोसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड ने आज सूजन संबंधी बीमारियों और गंभीर संक्रामक स्थितियों के लिए अगली पीढ़ी के उपचार विकसित करने के उद्देश्य से एक सहयोग की घोषणा की। इस साझेदारी में दोनों संस्थान सूजन संबंधी विकारों की एक श्रृंखला को लक्षित करने वाले अभिनव चिकित्सीय उत्पादों पर शोध और विकास करने के लिए अपनी-अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे। डेंगू, कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा सहित वायरल संक्रमणों के साथ-साथ गैस गैंग्रीन जैसी दुर्बल करने वाली स्थितियों के लिए जिम्मेदार हानिकारक बैक्टीरिया द्वारा उत्पादित शक्तिशाली विषाक्त पदार्थों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एंटीबॉडी-आधारित उपचारों के डिजाइन पर भी मुख्य ध्यान दिया जाएगा। यह समझौता प्रासंगिक अनुसंधान अनुदान के लिए आवेदन करने के साझा लक्ष्य के साथ प्रीक्लिनिकल टॉक्सिकोलॉजी और गैर-जीएलपी अध्ययनों को शामिल करते हुए, नए उपचार विकसित करने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार करता है। हस्ताक्षर समारोह में बोलते हुए, हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के पशु जीवविज्ञान विभाग के संकाय, प्रोफेसर नूरुद्दीन खान ने सहयोग की तालमेल पर जोर देते हुए कहा, यह साझेदारी दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करती है-अकादमिक उत्कृष्टता और उद्योग नवाचार- तत्काल स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

क्रिस्मो बायोसाइंसेज के सीईओ डॉ. कृष्ण मोहन ने इस भावना को दोहराया, उन्होंने आशा व्यक्त की कि सहयोग से रोगियों के लिए व्यावहारिक, किफायती और प्रभावशाली समाधान मिलेंगे। इस पहल को विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्र (यूओएच-टीईसी) द्वारा सुगम बनाया गया था, जिसे भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के समर्थन से स्थापित किया गया था। यूओएच-टीईसी के परियोजना समन्वयक प्रोफेसर एस राजगोपाल ने इस तरह के सहयोग को बढ़ावा देने में केंद्र की भूमिका पर प्रकाश डाला, प्रेस को बताया, हम अपने संकाय सदस्यों को अपने बहुमूल्य ज्ञान को मूर्त प्रौद्योगिकियों और उत्पादों में बदलने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहे हैं जो गंभीर रूप से सामाजिक जरूरतों को संबोधित कर सकते हैं। प्रो. राजगोपाल ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए यूओएच को मान्यता देने के लिए डीएसटी के प्रति आभार व्यक्त किया और यूओएच-टीईसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, ताकि अकादमिक नवोन्मेषकों को स्थापित उद्योग भागीदारों के साथ जोड़ा जा सके, ताकि उनके नवोन्मेषों को सबसे आगे लाया जा सके। यूओएच-टीईसी के प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. सुनील और एस्पायर-बायोनेस्ट के सीईओ डॉ. अनिल कोंडेड्डी ने समझौते समारोह में भाग लिया। यह समझौता भारत में अनुवादात्मक अकादमिक अनुसंधान की बढ़ती गति को रेखांकित करता है और समाज के लाभ के लिए चिकित्सा नवाचारों को आगे बढ़ाने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है।

ट्रक से लकड़ी के लट्ठे गिरने से कार सवार घायल

पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे हरीश राव

संगारेड्डी, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव शनिवार को सदाशिवपेट मंडल के पेद्दापुर के पास एनएच-65 पर दुर्घटना के पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे। ट्रक से लकड़ी के लट्ठे दो कारों पर गिर गए, जिससे कार सवार घायल हो गए। राव ने घटना को देखते ही तुरंत अपनी गाड़ी रोक दी।

उन्होंने घायलों को बचाने के लिए बीआरएस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय किया और उन्हें इलाज के लिए तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की। बाद में उन्होंने जिला कलेक्टर वल्लूरु क्रांति और पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज से संपर्क किया और उन्हें स्थिति से अवगत कराया तथा पीड़ितों के लिए शीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

रंगारेड्डी दुर्घटना में 30 लोग घायल

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम में शनिवार शाम एक निजी बस और आरटीसी बस की टक्कर में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। 20 यात्रियों को लेकर निजी ट्रैवल्स की बस कंडुकुर से हैदराबाद की ओर जा रही थी, जबकि टीजीएसआरटीसी की बस शहर से कलवाकुर्ती जा रही थी। महेश्वरम के सब-इंस्पेक्टर एम मधुसूदन ने बताया कि तुमलूर गेट पर निजी बस गलत दिशा में आ गई और आरटीसी बस से टकरा गई। करीब 30 लोग घायल हो गए और पुलिस ने उन्हें निजी और सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

अफजलगंज में बस की चपेट में आने से व्यापारी की मौत

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज में ट्रैफिक सिग्नल पर बाइक का इंतजार कर रहे एक व्यापारी की शनिवार रात बस की टक्कर से मौत हो गई। अफजलगंज निवासी और राजस्थान के मूल निवासी जसवंत सिंह (24) ट्रैफिक सिग्नल लाल होने के बाद सलार जंग ब्रिज ट्रैफिक जंक्शन पर रुके थे। अफजलगंज पुलिस ने बताया कि जसवंत ने अपनी गाड़ी बस के पीछे रोकी और सिग्नल के हरे होने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान पीछे से एक बस आई और उसे टक्कर मार दी। उसे उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बस चालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया गया है। पुलिस जांच कर रही है।

कविता को सीबीआई कोर्ट ने अमेरिका यात्रा की अनुमति

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता अपने बेटे आदित्य के स्नातक समारोह में भाग लेने के लिए 16-23 मई तक संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर जाएंगी। कविता और उनके पति अनिल 16 मई को अमेरिका के लिए रवाना होंगे और कार्यक्रम के बाद 23 मई को हैदराबाद लौटेंगे। उनकी यात्रा से पहले, दिल्ली के राउज एवेन्यू विशेष सीबीआई अदालत ने उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति दे दी।

इस संबंध में शनिवार को आधिकारिक आदेश जारी किये गये। उनकी यात्रा से संबंधित कानूनी बाधाओं के कारण यह अनुमोदन आवश्यक था।

थैलेसीमिया पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता : सांसद

थैलेसीमिया जागरूकता कार्यक्रम में बच्चे और समन्वयक सम्मानित

खम्मम, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर थैलेसीमिया जागरूकता के एक भाग के रूप में, थैलेसीमिया एवं सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) ने खम्मम में एक भव्य जागरूकता एवं सम्मान समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 15 बच्चों को उनके साहस एवं उपलब्धियों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सोसाइटी ने सभी स्वैच्छिक रक्तदान शिविर समन्वयकों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में रोगियों, परिवारों, डॉक्टरों, स्वयंसेवकों और गणमान्य व्यक्तियों सहित 250 से अधिक उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए सांसद रघुराम रेड्डी ने कहा, थैलेसीमिया पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और हम इसके प्रति जागरूकता और उन्मूलन की दिशा में काम करने का संकल्प ले रहे हैं।

हम संसद में भी इससे संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम निश्चित रूप से मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष इस मुद्दे को उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो इस मुद्दे के प्रति उनके मजबूत समर्थन को दर्शाता है। टीएससीएस की उपाध्यक्ष रत्नावली कोत्तापल्ली की अगुवाई में इस पहल ने टीएससीएस के कर्मचारियों के साथ मिलकर थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों द्वारा विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ मजेदार खेलों और आकर्षक गतिविधियों के साथ अद्वितीय सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिससे सभी के चेहरे पर मुस्कान और सकारात्मकता आई।

कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए सुश्री रत्नावली ने कहा, हम टीएससीएस की ओर से इस कार्यक्रम को सार्थक रूप से सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों, हितधारकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। टीएससीएस भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी, खम्मम और भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) को उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। पूरे कार्यक्रम के समन्वय और संचालन में उनके अथक प्रयासों के लिए डॉ. प्रदीप गरु को विशेष धन्यवाद, टीएससीएस श्री किरण और श्री शिवरतन के योगदान को उनकी सक्रिय भागीदारी और समर्थन के लिए भी स्वीकार करता है।

श्री वीर तेजाजी स्मारक का प्राण-प्रतिष्ठा आज से

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चंडावल नगर स्थित ब्रह्मलीन पूज्य स्वामी श्री वासुदेवजी महाराज के सानिध्य में जाट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में मरुधरा की पावन धरा पर श्री वीर तेजाजी स्मारक का तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सोमवार 5 मई से बुधवार 7 मई तक भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष राजेन्द्र कागट (लहर) ने बताया कि चंडावल की पावन धरा पर गौरवक्ष सत्यवादी आराध्य देवाधिदेव श्री वीर तेजाजी महाराज के ऐतिहासिक स्मारक का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव स्मारक स्थल को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर दरियावजी धौलिया भोपाजी खरनाल, पंडित भावेश त्रिवेदी, पंडित सुनिल गौड़ के मंत्रोच्चारण से पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ कर सोमवार 5 मई से कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

मंगलवार 6 मई अतिथियों के सम्मान समारोह में पधारे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, राज्य मंत्री झाबरसिंह खर्रा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, पूर्व मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे, सांसद पी.पी.चौधरी, विधायक शोभा चौहान, जिलाध्यक्ष सुनिल भंडारी, पूर्व जिला प्रमुख पुनाराम चौधरी, सांसद हनुमान बेनीवाल, दिलीप चौधरी का सम्मान किया जाएगा।

वैशाख सुदी दशमी बुधवार 7 मई प्रात: 8.30 बजे से भव्य प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजितकर कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथिगण, कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा, प्रदेश जाट महासभा अध्यक्ष राजाराम मील, पूर्व मुख्यसचिव निरंजन आर्य, बद्रीराम जाखड़, संगीता बेनीवाल, भीमाराम भाटी, अभिषेक चौधरी, हरीश चौधरी, जिला परिषद सदस्य कालूराम कंडारा, पंचायत समिति सदस्या सोजत सुश्री दुर्गा परमार व देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे सम्मानित अतिथियों का राजस्थानी परम्परा से विशेष सम्मान कर छत्तीस कोम सर्व समाज के लिए प्रात: 11 बजे से महाप्रसादी की विशेष व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच घेवरचन्द भाटिया व सदस्यगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

समाज के गोविन्द कागट ने हैदराबाद व सभी सम्मानित आमंत्रित अतिथियों व समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि प्राण-प्रतिष्ठा के इस भव्य आयोजन में सपरिवार, इष्ट मित्रों सहित समय पर पधारकर लाभ लेवें।

पाकिस्तानी नागरिकों को तुरंत वापस भेजा जाए : राकेश जायसवाल

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग के पार्षद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश जायसवाल ने कांग्रेस सरकारों के रवैये को शर्मनाक बताते हुए कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों को पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की पहल करनी चाहिए।

उन्होंने आलोचना की कि जब पूरे देश में पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने और उन्हें उनके देश वापस भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं, तब कांग्रेस शासित राज्य पहल क्यों नहीं कर रहे हैं। इस लापरवाही के विरोध में रविवार को भाजपा के नेतृत्व में चारमीनार से गुलजार हाउस तक विरोध मार्च निकाला गया।

इस अवसर पर राकेश जायसवाल ने मांग की कि तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों को भी तुरंत पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने और उन्हें वापस भेजना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस सरकारों से कार्रवाई करने और भारत में वैध और अवैध रूप से रह रहे सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजने का आग्रह किया।

उन्होंने इस गंभीर मुद्दे पर तेलंगाना और कर्नाटक सरकारों द्वारा दिखाई गई उदासीनता की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसले का सभी राज्य स्वागत कर रहे हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस शासित राज्य इसे लागू करने में विफल हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि अब भी कांग्रेस सरकारों को अपना रुख बदलना चाहिए और जिम्मेदारी से काम करके राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन गोलकोंडा जिला अध्यक्ष उमा महेंद्र ने किया, लाल सिंह कॉरपोरेटर, अमर सिंह कारवां एवं अनेक वरिष्ठ भाजपा नेता और कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए।

जीएम ने चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर फॉल्स सीलिंग गिरने वाले स्थान का निरीक्षण किया

महाप्रबंधक ने अधिकारियों को मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रविवार को चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर पोर्टिको में फॉल्स सीलिंग गिरने वाले स्थान का निरीक्षण किया। उनके साथ नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर, सत्य प्रकाश, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, एससीआर और भारतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान रेलवे के अन्य वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी भी मौजूद थे। दौरे के दौरान, एससीआर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और निर्माण विंग के विभाग के प्रमुख सत्य प्रकाश ने महाप्रबंधक को नुकसान की सीमा और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से बचने के लिए किए जा रहे उपायों से अवगत कराया। जवाब में, महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्य प्रवेश द्वार खोलने से पहले पोर्टिको की शेष टूटी छत को युद्ध स्तर पर हटाने के सख्त निर्देश दिए। श्री जैन ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को आवश्यक सुधारात्मक और सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया।

बताया जाता है कि कल की घटना के दौरान संबंधित रेलवे अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और क्षेत्र की घेराबंदी कर दी, ताकि यात्रियों को कोई चोट न पहुंचे। इसके अलावा, अधिकारियों ने गिरी हुई छत की सामग्री को हटा दिया है और यात्रियों को वैकल्पिक प्रवेश/निकास के माध्यम से मार्गदर्शन किया है ताकि स्टेशन पर आए यात्रियों को किसी भी असुविधा से बचाया जा सके। एससीआर के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने जोर देकर कहा कि यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और संबंधित इंजीनियरिंग अधिकारियों को तदनुसार मरम्मत कार्य करने का निर्देश दिया।

हैदराबाद और आसपास के जिलों में आया आंधी-तूफान

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम को हैदराबाद और उसके आसपास के जिलों में बिजली, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ तूफान आया। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के स्थानीय मौसम केंद्रों के अनुसार तेलपुर, सेरिलिंगमपल्ली, मियापुर, गाच्चीबावली, नानकरामगुडा, नरसिंगी और बीएचईएल के कुछ हिस्सों में गरज और तेज हवाओं के साथ 10 से 15 मिनट तक मध्यम बारिश होने की सूचना मिली है। रविवार शाम तक रंगारेड्डी जिले में सेरिलिंगमपल्ली, आरसी पुरम पाटनचेरु और अंबरपेट मंडलों में बारिश की अधिकांश गतिविधियां देखी गईं। जबकि शनिवार दोपहर तक इन सभी क्षेत्रों में 4.3 मिमी से लेकर 2 मिमी तक बारिश हुई है, कई स्थानों पर अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई। रविवार शाम तक हैदराबाद के अन्य भागों में भी तूफान फैलने की संभावना है। आईएमडी-हैदराबाद के अनुसार, अगले 24 घंटों तक हैदराबाद में गरज के साथ तूफान और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से छात्रा समय पर पहुंची परीक्षा केंद्र

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से एक नीट यूजी-2025 अभ्यर्थी रविवार को समय पर अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंच सकी। दोपहर करीब 1 बजे, एक नीट यूजी-2025 अभ्यर्थी गलती से अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र, डिफेंस लेबोरेटरी स्कूल, कंचनबाग के बजाय, डिफेंस लेबोरेटरी स्कूल, रिसर्च सेंटर इमारत, हैदराबाद पहुंच गई।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने का समय समाप्त होने के साथ ही, अपने पिता के साथ आई अभ्यर्थी घबरा गई। उसकी इस विकट स्थिति के बारे में जानने पर, एडिशनल डीसीपी, बीवी सत्यनारायण, एसीपी महेश्वरम, पी लक्ष्मीकांत रेड्डी, एसएचओ, बालापुर पीसी, एम सुधाकर ने उसकी मदद के लिए तुरंत कदम उठाया। बालापुर पुलिस थाने के एसआई श्रीनिवास को छात्रा को डिफेंस लेबोरेटरी स्कूल, कंचनबाग स्थित उसके सही नीट परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने का काम सौंपा गया और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वह समय पर पहुंच जाए। राचकोंडा पुलिस ने बताया कि अभ्यर्थी के माता-पिता ने इस महत्वपूर्ण समय में समय पर हस्तक्षेप करने तथा सहानुभूतिपूर्ण सहयोग देने के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया।

परीक्षा केंद्र पर देर से पहुंचने पर नीट अभ्यर्थी को प्रवेश से रोका गया

सिद्दीपेट, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सिद्दीपेट के सरकारी डिग्री कॉलेज में स्थित परीक्षा केंद्र में प्रवेश से वंचित कर दिए जाने पर एक नीट अभ्यर्थी और उसकी मां फूट-फूट कर रो पड़ीं। कम से कम दो छात्राएं परीक्षा केंद्र पर देरी से पहुंचीं। परीक्षार्थी और उसकी मां द्वारा अधिकारियों से बार-बार अपील करने के बावजूद, अधिकारियों ने यह कहते हुए प्रवेश देने से मना कर दिया कि वहां सख्त दिशा-निर्देश हैं। सिद्दीपेट में दो परीक्षा केंद्रों पर आवंटित 883 छात्रों में से 26 ने परीक्षा छोड़ दी।

कलेक्टर एम मनु चौधरी, अतिरिक्त कलेक्टर गरिमा अग्रवाल और अन्य ने सुनिश्चित किया कि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। मेदक कस्बे में दो परीक्षा केन्द्रों पर आवंटित 487 अभ्यर्थियों में से 17 अभ्यर्थियों ने विभिन्न कारणों से परीक्षा छोड़ दी। संगारेड्डी कस्बे में, जिले के सात परीक्षा केंद्रों में आवंटित 3,320 में से 98 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। अन्यथा, पूर्ववर्ती मेदक जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, जहां पहली बार नीट का आयोजन किया गया था।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से हराया

कोलकाता, 4 मई (एजेंसियां)। 4 मई को डबल हेडर में पहला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने आंद्रे रसल की तूफानी पारी के दमपर 206 रनों का विशाल स्कोर बनाया। रसेल ने 22 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर कोहराम मचाया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की ओर से रियान पराग का बल्ला खूब बोला। उन्होंने लगातार 6 गेंदों में 6 छक्के जड़कर केकेआर की गेंदबाजों का धागा खोल दिया। हालांकि राजस्थान को 1 रनों से मुकाबला गंवाना पड़ा था।

केकेआर ने बनाए थे 206

सलामी बल्लेबाजी की भूमिका में उतरे रहमानउल्लाह गुरबाज ने 25 गेंदों में 35 रनों की पारी खेली।

हालांकि उनका साथ देने आए सुनील नरेन ने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। वह दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर 9 गेंदों में 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 24 गेंदों में 30 रन बनाए। बाद में अंगकृष रघुवंशी ने भी अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी का समा बांधा। उन्होंने 31 गेंदों पर 44 रनों का योगदान दिया। केकेआर ने आखिरी 5 ओवर में 82 रन बनाए थे, क्योंकि आंद्रे रसल ने 22 गेंदों पर तूफानी फिफ्टी जड़ी थी। उनके बल्ले से 25 गेंदों में 57 रनों की नाबाद पारी निकली। केकेआर ने 4 विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाए थे।

207 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान को भी अच्छी शुरुआत नहीं मिली। वैभव सूर्यवंशी 2 गेंदों में 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि यशस्वी जायसवाल ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 21 गेंदों में 34 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि 7वें ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने टीम का साथ छोड़ दिया।

जायसवाल को मोईन अली ने अपने जाल में फंसाया। लेकिन रियान पराग ने कमाल कर दिया। उन्होंने लगातार 6 गेंदों में 6 छक्के जड़कर महफिल लूट ली।

पराग ने 45 गेंदों में 95 रनों की शानदार पारी खेली थी। उन्होंने 6 चौके के अलावा 8 छक्के अपने नाम किए। उनकी तूफानी पारी बेकार चली गई। राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए थे और केकेआर ने मुकाबला 1 रन से जीत लिया।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट कोहली ने रचा इतिहास

500 रन बनाकर डेविड वॉर्नर को छोड़ा पीछे

बेंगलुरु, 4 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के हर सीजन में बल्लेबाजों के बीच सबसे ज्यादा रन बनाने की होड़ लगी रहती है। इनमें से कुछ ही खिलाड़ी होते हैं, जो हर सीजन में शानदार प्रदर्शन कर पाते हैं। इन खिलाड़ियों में एक नाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का भी है, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जोरदार रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। विराट अब आठ आईपीएल सीजन में 500 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

विराट ने वॉर्नर को पछाड़ा

उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को पछाड़ा है, जिन्होंने यह कारनामा सात बार किया था। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उनका योगदान उन्हें आईपीएल के सबसे भरोसेमंद विदेशी खिलाड़ियों में शामिल करता है। उन्होंने आईपीएल के 184 मैचों में 40.52 की औसत से 6565 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका हाई-स्कोर 126 रनों का है।

केएल राहुल तीसरे नंबर पर

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर केएल राहुल हैं, जिन्होंने छह बार यह कारनामा किया है। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन ने भी 5 बार एक सीजन में 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की तकनीक और अनुभव उन्हें लगातार रन बनाने में मदद करते हैं।

विराट ने टीम को दिलाई धांसू शुरुआत

मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने वाली आरसीबी को विराट और जैकब बेथेल ने धांसू शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिए 97 रन जोड़े। इस दौरान बेथेल ने 55 जबकि कोहली ने 62 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी में पांच चौके और पांच छक्के शामिल थे। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा रोमारियो शेफर्ड की तूफानी फिफ्टी के दम पर टीम निर्धारित ओवरों में 213 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में चेन्नई टारगेट से सिर्फ दो रन पीछे रह गई।

5 फिफ्टी, 500 से ज्यादा रन

साई सुदर्शन को मिलेगा आईपीएल 2025 में 'विस्फोट'का इनाम?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। शुभमन गिल की अगुवाई में गुजरात टाइटंस आईपीएल के मौजूदा सीजन धमाकेदार प्रदर्शन कर रही है और प्लेऑफ में जगह बनाने के काफी करीब है। टीम की इस सफलता में सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की अहम भूमिका है, जो टीम के लिए लगातार रन बना रहे हैं। उनके बल्ले से इस सीजन अब तक 500 से ज्यादा रन निकले हैं, जिसमें पांच फिफ्टी शामिल हैं। उनके इस धमाकेदार प्रदर्शन के बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुना जा सकता है।

रिपोर्ट्स की मानें तो तमिलनाडु के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आईपीएल 2025 के बाद इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बैकअप ओपनर के रूप में शामिल किया जा सकता है। इस बीच, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के टॉप ऑर्डर में बने रहने की संभावना है। 'क्रिकब्लॉगर' के अनुसार, ओपनर के तौर पर रोहित और यशस्वी सिलेक्टर्स की पहली पसंद हैं, जबकि सुदर्शन का नाम बैकअप के तौर पर लिया जा रहा है।

सुदर्शन के कमाल के आंकड़े

सुदर्शन ना सिर्फ आईपीएल में, बल्कि इससे पहले रणजी ट्रॉफी में भी कमाल की फॉर्म में दिखे थे, जहां उन्होंने 76 की औसत से 304 रन बनाए, जिसमें दिल्ली के खिलाफ 213 रनों की मैराथन पारी भी शामिल है। आईपीएल में सुदर्शन के आंकड़े कमाल के हैं, जहां उन्होंने 35 मैचों में 48.06 की शानदार औसत से 1538 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 11 फिफ्टी निकली हैं।

दो ही बार सिंगल डिजिट में आउट हुए सुदर्शन

हैरानी वाली बात यह है कि इन 35 मैचों में सिर्फ दो ही बार ऐसा हुआ है, जब वो सिंगल डिजिट में आउट हुए हैं। खास बात यह है कि उनकी रेड बॉल से खेलने की योग्यता सिर्फ घरेलू क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने सरे के लिए काउंटी क्रिकेट भी खेला है, जिससे उन्हें इंग्लिश कंडीशंस में खेलने का भी अनुभव है। उन्होंने भारत ए के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एक अनऑफिशियल टेस्ट में शतक बनाया है, जिसका मतलब है कि उनके पास सेना देशों की परिस्थितियों में खेलने का भी अनुभव है।

पहलगाम हमले के बाद खेलों के प्रसारण पर गाज!

फैंस अब नहीं देख सकेंगे लाइव टेलीकास्ट

इस्लामाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। जो हुआ वो तो होना ही था. आईपीएल पर बैन लगना था, सो लग गया. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आईपीएल मैचों का लाइव प्रसारण सरहद के उस पार बंद हो गया है. पड़ोसी देश के लोग अब आईपीएल मुकाबलों का लुत्फ नहीं उठा पा रहे. यहां हमारा मतलब पाकिस्तान और उसके लिए स्टैंड से है. रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान ने आईपीएल को बैन कर दिया है. हालांकि, इसे लेकर आशंका तभी से थी, जब भारत में पाकिस्तान सुपर लीग बैन हो गया था. ऐसे में सीधे शब्दों में कहें तो पाकिस्तान का आईपीएल को बैन करना भारत के पीएसएल को लेकर उठाए कदम का असर है और कुछ नहीं.

भारत-पाकिस्तान के रिश्ते तो पहले से ही खराब थे. 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने उस आग में और घी डालने का काम किया है. उस घटना के बाद भारत में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के सोशल मीडिया अकाउंट बंद करने से लेकर पीएसएल का प्रसारण रोकने जैसे कई कदम उठाए गए. इंडियन ब्राडकास्टर्स फैनकोड, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने पीएसएल का प्रसारण तत्कार प्रभाव से रोक दिया. बाबर आजम जैसे स्टार पाकिस्तानी क्रिकेटर का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद हो गया.

भारत की ओर से हुए उसी एक्शन का अब पाकिस्तान की ओर से रिएक्शन आया है, जिसके तहत उसने आईपीएल को बैन किया है. पाकिस्तान में इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के आधिकारिक पार्टनर टैपमैड ने 3 मई को आईपीएल का प्रसारण रोकने की घोषणा कर दी. टैपमैड के इस ऐलान के बाद ये साफ हो गया कि पाकिस्तानी फैंस को अब आईपीएल मैचों का लाइव एक्शन देखे बिना ही रहना होगा.

आर्यना सबालेंका ने जीता 20वां खिताब

कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराया

मैड्रिड, 4 मई (एजेंसियां)। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना तीसरा और करियर का 20वां खिताब जीता। सबालेंका ने पहले सेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया और काजा मैजिका क्ले कोर्ट पर अमेरिकी खिलाड़ी को 6-3, 7-6 (3) से हराया।

सबालेंका ने 2021 और 2023 में मैड्रिड में खिताब जीता था। इस तरह से उन्होंने पेट्रा क्वितोवा के टूर्नामेंट रिकॉर्ड की बराबरी की। ब्रिस्बेन और मियामी के बाद यह सबालेंका का इस वर्ष का तीसरा खिताब भी है। गॉफ अगर इस मुकाबले में जीत हासिल कर लेती तो वह विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच जाती लेकिन सबालेंका के सामने उनकी एक नहीं चली।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया

नवनीत कौर ने दागा मैच का एकमात्र गोल

पर्थ, 4 मई (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया। इसी के साथ ही भारत ने इस दौरे पर एकमात्र जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। पर्थ हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत के लिए स्ट्राइकर नवनीत कौर ने 21वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल दागा जो अंत में निर्णायक साबित हुआ और इसी के दम पर टीम जीत हासिल करने में सफल रही। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-5 और 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद टीम को एक मई और तीन मई को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ क्रमशः 0-2 और 2-3 से शिकस्त मिली थी। मेहमानी टीम ने ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर पांचवें और अंतिम मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेला और करीबी मुकाबले में जीत दर्ज की। पहले क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने दबदबा बनाया और दो पेनल्टी कॉर्नर प्राप्त किए, लेकिन भारत के मजबूत डिफेंस ने उन्हें पहला गोल करने से रोक दिया। दूसरे क्वार्टर में छह मिनट बाद भारत ने उपकप्तान नवनीत कौर के मैदानी गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। नवनीत ने शनिवार को भारत की 2-3 की हार में भी गोल किया था। दूसरे हाफ में दोनों टीमें गोल करने के लिए बेताब थीं, लेकिन भारत ने संयम बनाए रखा और बढ़त का सफलतापूर्वक बचाव किया।अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया।

धोनी ने हार के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराया

मुझे कुछ और शॉट लगाने चाहिए थे

बेंगलुरु, 4 मई (एजेंसियां)। आरसीबी द्वारा मिले 214 रनों का पीछा करते हुए रवींद्र जडेजा (77*) के साथ जब आयुष म्हात्रे (94) क्रीज पर थे, तब सीएसके की जीत की संभावना 75 प्रतिशत थी लेकिन म्हात्रे के आउट होने के बाद मैच पलट गया. डेवाल्ड ब्रेविस के आउट होने के बाद एमएस धोनी क्रीज पर आए, लेकिन वह भी टीम को जीत नहीं दिला पाए. अंतिम 3 गेंदों में सीएसके को 6 रन चाहिए थे, लेकिन यश दयाल ने शानदार यॉर्कर गेंदों से इसे डिफेंड कर लिया.

मैच के बाद सीएसके कप्तान एमएस धोनी ने माना कि उनकी टीम में अधिकांश बल्लेबाज पैडल शॉट मारने में असहज थे, जबकि आधुनिक युग में बल्लेबाजों को इसके खेलना आना चाहिए. उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हम पीछे रह गए. उन्होंने ये भी माना कि उनसे भी गलती हुई, जो बड़े शॉट्स नहीं खेल पाए.

धोनी ने कहा, मुझे लगा कि मुझे कुछ और शॉट खेलने चाहिए थे और दबाव कम करना चाहिए था, इसलिए मैं इस हार का दोष लेता हूँ. डेथ ओवरों में शेफर्ड बेहतरीन थे, हम जो भी गेंदबाजी कर रहे थे, वह अधिकतम रन बनाने में सक्षम था. हमें यॉर्कर का अधिक अभ्यास करने की आवश्यकता है.

अक्सर ऐसा होता है कि जब बल्लेबाज सेट होने लगते हैं और गेंद उनके बल्ले पर अच्छे से आती है, तो आपको यॉर्कर पर निर्भर रहना पड़ता है. यदि आप यॉर्कर को ठीक से नहीं मार सकते हैं, तो लो फुल टॉस अगला सबसे अच्छा (विकल्प) है. पथिराना जैसा कोई, उसके पास गति है, वह बाउंसर भी फेंक सकते है, और यदि वह यॉर्कर से चूक जाते है, तो बल्लेबाज के पास इसे मारने का मौका होता है. उन्होंने आगे कहा, सभी बल्लेबाज पैडल शॉट को खेलने में सहज नहीं होते हैं. आधुनिक युग में बल्लेबाजों को इसका अभ्यास करने की आवश्यकता है. लेकिन हमारे अधिकांश बल्लेबाज इसे खेलने में सहज नहीं हैं. जडेजा वह शॉट खेलते हैं लेकिन वह अपने शॉट्स को (नीचे की ओर) अधिक पीछे से खेल रहे थे. बल्लेबाजी एक ऐसा क्षेत्र था जहां हम थोड़ा पीछे थे.

कोरिया में तीसरे अंतरराष्ट्रीय मेडल पर निशाना साधेंगी शूटर

खेल डेस्क, 4 मई (एजेंसियां)। निशानेबाजी में काशी का नाम रोशन कर रही पैरा शूटर सुमेधा पाठक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। वह 27 मई को कोरिया रवाना होंगी। अब तक नेशनल में आठ और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में दो रजत पदक जीत चुकी हैं। इस बार पदक का रंग सुनहरा करने के लिए उतरेंगी। सुमेधा 10 मीटर पिस्टल में 14 पदक जीत चुकी हैं।

पिता ब्रजेश पाठक ने बताया कि 2013 में दसवीं के दौरान मल्टी ड्रग ट्यूबरक्लॉसिस की वजह से सुमेधा के शरीर के निचले हिस्से (कमर से लेकर पैर तक) ने काम करना बंद कर दिया, लेकिन उसने हार नहीं मानी। शुरुआत 10 मीटर एयर पिस्टल से की और 2018 में पहली सफलता प्री-स्टेट शूटिंग में स्वर्ण जीतने पर मिली। फ्रांस में रजत और कोरिया में भी रजत जीता था। 2023 में चीन में एशियन गेम्स शूटिंग प्रतियोगिता में सातवें स्थान पर संतोष करना पड़ा था।

पाकिस्तान से छिनी वॉलीबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी

भारत से तनाव के बाद सीएवीए ने लिया फैसला

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सेंट्रल एशिया वॉलीबॉल एसोसिएशन (कावा) ने पुरुष राष्ट्रीय लीग को किर्गिस्तान में कराने का फैसला लिया है। इसकी जानकारी देते हुए कावा ने बताया था कि कुछ देशों ने पाकिस्तान की यात्रा करने की अनिच्छा जताई है।

कावा की वार्षक बैठक में लिया गया निर्णय

पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 29 मई से चार जून तक होना था। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच कई टीमों ने पाकिस्तान की यात्रा करने की अनिच्छा जताई, जिसके बाद कावा ने 18-25 जून के बीच टूर्नामेंट को किर्गिस्तान में कराने का फैसला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह निर्णय 25 अप्रैल को नेपाल में हुई आम वार्षिक बैठक में लिया गया।

कार्तिक ने दो, अमृता ने जीते नौ मेडल

अब एशियाई पावरलिफ्टिंग में खेलेंगे

वाराणसी, 4 मई (एजेंसियां)। एशिया अंतर विश्वविद्यालयीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयीय टीम में वाराणसी के दो खिलाड़ियों का चयन हुआ है। पुरुष वर्ग में काशी विद्यापीठ के कार्तिक और महिला वर्ग में अमृता का चयन हुआ है। प्रतियोगिता उत्तराखंड के नैनीताल में 5 से 12 मई तक खेली जाएगी। चयनित दोनों खिलाड़ी महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से संबद्ध गहनी के सरस्वती उच्च शिक्षा व तकनीक महाविद्यालय के छात्र हैं।

महिला वर्ग में अमृता कुमारी एमए प्रथम वर्ष जबकि कार्तिक बीए प्रथम वर्ष के छात्र हैं। खिलाड़ियों के चयन पर प्रो. संतोष कुमार, डॉ. नवरत्न सिंह, डॉ. अमरेंद्र सिंह, नवीन कुमार सिंह (बबलू) ने बधाई दी है। दोनों ने ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पिछले साल रजत पदक जीता था।

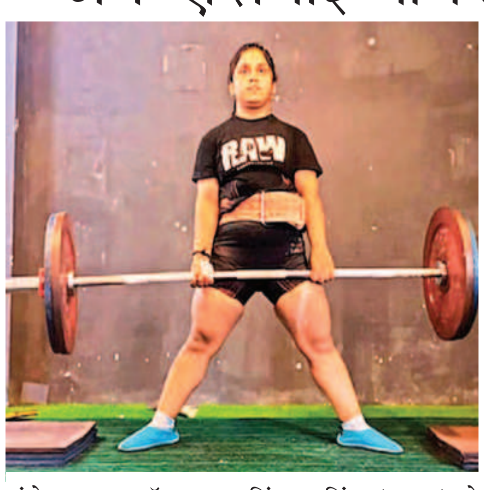

कोच डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि कश्मीर में हुई प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने विद्यापीठ का प्रतिनिधित्व किया था। अमृता ने चौथा और कार्तिक ने छठवां स्थान हासिल किया था। अमृता बिहार के पटना की रहने वाली हैं। कार्तिक उत्तराखंड के रहने वाले हैं।

कोच ने बताया कि दो अंतरविश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में अमृता ने दो रजत, नेशनल ओपन में एक रजत और एक कांस्य, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पांच गोल्ड जीत चुकी हैं। अब तक वह नौ पदक हासिल कर चुकी हैं। कार्तिक ने दो नेशनल में दो कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की है।

हैदराबाद में मेट्रो रेल का किराया बढ़ने की संभावना!

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेट्रो रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी चौंकाने वाली खबर है। एक सप्ताह के भीतर मेट्रो रेल का किराया बढ़ने वाला है। एलएंडटी हैदराबाद मेट्रो रेल इस दिशा में काम कर रही है। खबर है कि इस महीने की 8 तारीख को होने वाली बैठक में मेट्रो किराए में बढ़ोतरी पर अहम फैसला लिया जाएगा और संभव है कि बढ़ा हुआ मेट्रो किराया 10 मई से लागू हो जाए। खबर है कि मेट्रो रेल प्रबंधन राज्य सरकार की अनुमति के बिना टिकट दरों में बढ़ोतरी करने की योजना बना रहा है। मेट्रो रेल अधिकारियों का मानना है कि मेट्रो घाटे में चल रही है और किराए में बढ़ोतरी घाटे से उबरने का रास्ता है। कोरोना वायरस महामारी के दौरान एक साल से मेट्रो यात्रियों की संख्या में कमी आने से मेट्रो रेल प्रबंधन पर वित्तीय बोझ बढ़ना शुरू हो गया है। खबर है कि यह बोझ अब 6,598 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, मेट्रो रेल प्रबंधन पिछले कुछ समय से राज्य सरकार से मेट्रो रेल किराया बढ़ाने की अनुमति देने का अनुरोध कर रहा है।

पोन्नम ने एक बार फिर आरटीसी कर्मचारियों से प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने की अपील की

हुस्नाबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के कर्मचारियों द्वारा 7 मई को हड़ताल शुरू करने की तैयारी के साथ, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने एक बार फिर कर्मचारियों से अपनी योजनाबद्ध कार्रवाई पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। रविवार को मंत्री ने सिद्दीपेट जिले के हुस्नाबाद बस स्टेशन का दौरा किया, जहां उन्होंने यात्रियों से बातचीत की। अपने दौरे के दौरान, पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि निगम कर्मचारियों के साथ बातचीत के लिए तैयार है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार 5 और 6 मई को होने वाली बैठकों के दौरान उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार है। राज्य सरकार आरटीसी कर्मचारियों के कल्याण और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। पिछले एक दशक से निगम को उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन हाल ही में इसने लाभप्रदता की ओर बढ़ना शुरू किया है। निगम की सुरक्षा करना कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। संगठन तीन मुख्य उद्देश्यों पर काम करता है, जिसमें सुरक्षा, श्रमिकों का कल्याण और यात्रियों की सुविधा शामिल है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य की मौजूदा वित्तीय स्थिति को देखते हुए, कर्मचारियों को कोई शर्मनाक स्थिति पैदा नहीं करनी चाहिए, जबकि आरटीसी अभी आगे बढ़ रहा है।

सिद्दीपेट में शर्मनाक घटना, भैंस और गाय के साथ बलात्कार

सिद्दीपेट, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेजंकी मंडल के नरसिंहुलपल्ली गांव में अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर एक भैंस और एक गाय के साथ बलात्कार किया। यह घटना 28 अप्रैल को हुई थी, लेकिन किसानों ने शनिवार को पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। बेजंकी के एसआई शंकर राव के अनुसार, किसान जंगापल्ली श्रवण और जेट्टी श्रीकांत ने 28 अप्रैल को अपने मवेशियों को गांव के बाहरी इलाके में शेड में रखा था। जब श्रवण अगली सुबह गाय का दूध निकालने के लिए वापस लौटे, तो उन्होंने गाय को एक खंभे से बंधा हुआ पाया। जानवर की बारीकी से जांच करने पर उन्हें उसके निजी अंगों पर चोट के निशान मिले। बाद में उन्होंने अन्य किसानों को इसकी जानकारी दी। श्रीकांत को अपनी भैंस के गुप्तांगों पर भी चोटें मिलीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

मुख्य सचिव ने हैदराबाद में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने रविवार को हैदराबाद में प्रमुख बुनियादी ढांचे के कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव का दौरा शहर के शहरी परिवर्तन के लिए इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए है। निरीक्षण चल रहे विकास कार्यों की एक व्यापक समीक्षा थी, यह सुनिश्चित करते हुए कि परियोजनाएं योजना के अनुसार पूरी हों, जो शहर के शहरी बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बंजारा हिल्स में बन रहे फुट ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया जो पूरा होने वाला है और वहां चल रहे काम का जायजा लिया। इलांबर्ती ने मुख्य सचिव को बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों में 42 एफओबी कार्यात्मक चरण में हैं, जबकि अन्य स्थानों पर भी एफओबी के निर्माण के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा है। पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, यातायात प्रवाह को आसान बनाने और आधुनिक वास्तुशिल्प तत्वों के माध्यम से शहरी सौंदर्य और पहुंच को बढ़ाने के लिए एफओबी का निर्माण किया जा रहा है।

बाद में, मुख्य सचिव ने मेट्रो रेल के विस्तार के लिए एमजी बस स्टेशन से चंद्रायणगुट्टा (पुराने शहर) तक सड़क चौड़ीकरण के चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया, जिसे 2,741 करोड़ रुपये की लागत से लिया जा रहा है मुख्य सचिव ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण और पहले से अधिग्रहित प्रभावित संपत्तियों को हटाने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने हुसैनी आलम, चारमीनार में खुर्शीद जाह देवड़ी के संरक्षण, जीर्णोद्धार और मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मूसारामबाग फ्लाईओवर, फलकनुमा रोड ओवर ब्रिज और अंबरपेट में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। विभिन्न कार्यों का निरीक्षण करते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को समय पर पूरा करने के लिए काम की गति में तेजी लाने का निर्देश दिया और यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक कार्य के गुणवत्ता मापदंडों का सख्ती से पालन किया जाए। उनके साथ जीएचएमसी आयुक्त आर वी कर्णन, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, एचएमडब्ल्यूएसएसबी के एमडी अशोक रेड्डी और विभिन्न नागरिक विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

डिप्टी सीएम ने श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने खम्मम जिले के अपने गृह नगर, स्नानाला लक्ष्मीपुरम गांव, वैरा मंडल का दौरा किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने लक्ष्मीपुरम गांव में श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और सुझाव दिए। इसके बाद उन्होंने श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर के सामने वैरा नदी तट पर बनने वाले रिटेनिंग वॉल, चेक डैम और फ्लाईओवर ब्रिज कार्यों का करीब एक घंटे तक निरीक्षण किया और निर्माण के संबंध में उचित सुझाव दिए। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने और उन्हें जनता के लिए सुलभ बनाने के निर्देश दिए हैं।

निज़ामपेट में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई ब्राजीलियाई महिला

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 57 वर्षीय ब्राज़ील की नागरिक की शनिवार को बाचुपल्ली के निज़ामपेट स्थित अपने अपार्टमेंट में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि संदेह है कि उसकी मौत गंभीर बीमारी के कारण हुई है। महिला की पहचान ओलिवेरा डॉस सैंटोस लूसिया ग्लाइड उर्फ लूसिया गोडेस चौबे के रूप में हुई है, जो वर्तमान में निज़ामपेट में ग्रीन एवेन्यू के विला नंबर 79 में रहती है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, लूसिया कई पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त थी, वह मधुमेह, पेट के कैंसर, थायरॉयड की समस्याओं और धूल से होने वाले अस्थमा जैसी बीमारियों से ग्रस्त थी। शिकायतकर्ता पादरी प्रभुदास के अनुसार, शुक्रवार शाम को वे लूसिया से मिलने गए थे और पाया कि उनकी तबीयत खराब है। उन्होंने लूसिया को अस्पताल जाने की सलाह दी थी, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद पादरी ने परिसर में मौजूद सुरक्षाकर्मियों से उस पर नजर रखने को कहा और चले गए। बाद में, शनिवार को प्रभुदास ने चर्च के एक सदस्य किशोर को उससे मिलने भेजा। वह बिस्तर पर बेहोश पड़ी मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। लूसिया 2012 में ओडिशा के सुनील चौबे से शादी करके भारत आई थीं। 2015 में वे अलग हो गए। उसके बाद, वह निजी मामलों पर कानूनी कार्रवाई और पादरी प्रभुदास की मदद से भारत में ही रहती रहीं। प्रभुदास की शिकायत के आधार पर बाचुपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

'किसानों के दरवाजे पर वैज्ञानिक' कार्यक्रम

कृषि मजदूरों के बच्चों के लिए की कोटा की घोषणा

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू) ने किसानों को कृषि पद्धतियों के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से 'किसानों के दरवाजे पर वैज्ञानिक' कार्यक्रम की घोषणा की है। विश्वविद्यालय ने खेतिहर मजदूरों के बच्चों के लिए 15 प्रतिशत प्रवेश कोटा की भी घोषणा की है। शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीजेटीएयू के कुलपति प्रोफेसर अलदास जनैया ने कहा कि वैज्ञानिकों की लगभग 200 टीमें कार्यक्रम के तहत राज्य भर के लगभग 1,200 राजस्व गांवों का दौरा करेंगी, जो 5 मई से 13 जून तक आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक टीम में दो वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, कृषि छात्र और प्रगतिशील किसानों सहित अन्य स्थानीय सरकारी कर्मचारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिनिधि, शिक्षक और छात्र भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि टीमें यूरिया के उपयोग को कम करने, रसायनों के विवेकपूर्ण उपयोग के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने, सिंचाई जल के कुशल उपयोग, फसल चक्र, वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रमुख पहलुओं पर जागरूकता पैदा करेंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा में प्रवेश के लिए किसानों के बच्चों के लिए आरक्षित 40 प्रतिशत कोटे में से खेतिहर मजदूरों के बच्चों के लिए 15 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है।

सरकार आज किसानों को खेती से जुड़े मुद्दों पर शिक्षित करने के लिए नया कार्यक्रम शुरू करेगी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने घोषणा की है कि तेलंगाना सरकार प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक नया कार्यक्रम शुरू करेगी, जिसमें किसानों को खेती से जुड़े मुद्दों पर शिक्षित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 5 मई से 13 जून तक तेलंगाना राज्य के करीब 1,200 गांवों में आयोजित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि इस अवसर के लिए वैज्ञानिकों की 200 से अधिक टीमें गठित की गई हैं। दक्षिणी तेलंगाना मंडलों में करीब 100 टीमें भाग लेंगी, जबकि उत्तरी और मध्य तेलंगाना मंडलों में करीब 50 टीमें भाग लेंगी। अपने दैनिक कार्यक्रम के अलावा, प्रत्येक टीम किसानों को यूरिया का उपयोग कम करने, रसायनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने, भुगतान रसीदों को सुरक्षित रखने, सिंचाई जल का संरक्षण करने, फसल चक्र अपनाने तथा सप्ताह के दिनों में सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक चयनित गांवों में या किसी अन्य सुविधाजनक स्थान पर किसान मंचों पर वृक्षारोपण करने के बारे में शिक्षित करेगी। इन मुद्दों के साथ-साथ, कृषक समुदाय के सामने आने वाली अनेक चुनौतियों पर सुझाव और सलाह दी जाती है। प्रत्येक टीम में दो वैज्ञानिक, कृषि छात्र, कृषि विभाग के अधिकारी, अन्य स्थानीय सरकारी अधिकारी, प्रगतिशील किसान, संघ शामिल होंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्कूल शिक्षक और छात्र भी शामिल होंगे। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी कृषि महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, कृषि अनुसंधान संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों, इरुवाका केंद्रों द्वारा कृषि विभाग के सहयोग से आयोजित किया जाता है।

भू-भारती अधिनियम आज से 28 मंडलों में लागू होगा

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार भू-भारती अधिनियम के दूसरे चरण को सोमवार से 28 मंडलों में लागू करेगी, जिसमें हैदराबाद को छोड़कर तेलंगाना के सभी जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रति जिला एक मंडल का चयन किया जाएगा। रविवार को यहां एक बयान में, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि 5 मई से 20 मई तक तेलंगाना के 28 जिलों के 28 मंडलों में राजस्व बैठकें आयोजित की जाएंगी, जो पिछले महीने की 17 अप्रैल से 30 तारीख तक चार जिलों के चार मंडलों में आयोजित बैठकों के समान है। उन्होंने कहा कि राजस्व बैठकों का प्राथमिक उद्देश्य लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना और समाधान के लिए निर्धारित मंडलों में भूमि संबंधी मुद्दों से संबंधित आवेदन एकत्र करना है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जोर देकर कहा कि किसानों द्वारा उठाई गई किसी भी चिंता को समझने योग्य तरीके से स्पष्ट करने के लिए प्रत्येक जिला कलेक्टर को इन राजस्व बैठकों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कलेक्टरों को भू-भारती अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए, जिसे जमीनी स्तर पर किसानों के सामने आने वाली भूमि चुनौतियों का स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक विकसित किया गया है।

विधायक वेंकटेश ने अंबरपेट फ्लाईओवर पर सर्विस रोड की मांग की

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक कलेरू वेंकटेश ने आज कहा कि अंबरपेट फ्लाईओवर निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण पिछले आठ वर्षों से लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिना उचित योजना के किए जा रहे फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण हजारों छात्र और स्थानीय लोग नरक का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि कम से कम सर्विस रोड बनाए बिना फ्लाईओवर का आधिकारिक उद्घाटन कैसे किया जाएगा। वह इस बात से नाराज थे कि फ्लाईओवर उपलब्ध होने के बावजूद स्थानीय लोगों को इसका कोई फायदा नहीं मिल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्विस रोड बनने के बाद अगर इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी से नहीं बल्कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी कराया जाए तो भी उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, अंबरपेट में 415 करोड़ रुपये की लागत से 1.7 किलोमीटर लंबा, चार लेन का फ्लाईओवर बनाया गया है, जो गोलनाका में शालेम चर्च से शुरू होकर अंबरपेट के मुकरम होटल तक जाएगा। इस पर पहले से ही यातायात चल रहा है, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, किशन रेड्डी और अन्य सोमवार को इसका आधिकारिक उद्घाटन करने की तैयारी कर रहे हैं। कलेरू वेंकटेश ने रविवार को गोलनाका कैंप कार्यालय में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बात की और फ्लाईओवर के निर्माण के कारण स्थानीय लोगों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अंबरपेट फ्लाईओवर के निर्माण पर कुल 415 करोड़ रुपये खर्च किए गए और कहा कि इसमें से 192 करोड़ रुपये जीएचएमसी ने भूमिहीन लोगों के लिए खर्च किए, जबकि लगभग 323 करोड़ रुपये राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने खर्च किए। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि इस फ्लाईओवर का काम केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुरू किया था, लेकिन केंद्र सरकार भूमि अधिग्रहण में देरी, धार्मिक संरचनाओं में बाधा और अन्य जैसी समस्याओं को हल करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने आलोचना की कि फ्लाईओवर का निर्माण कार्य लगभग आठ वर्षों से कछुए की गति से चल रहा था। विधायक कलेरू वेंकटेश ने दुख व्यक्त किया कि स्थानीय लोग नरक का अनुभव कर रहे थे क्योंकि अधिकारियों ने उचित योजना के साथ फ्लाईओवर का निर्माण नहीं किया था।

नवविवाहितों ने तिरुमला कल्याण वेदिका की सुविधाओं की सराहना की

तिरुमला, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में विशाल कल्याण वेदिका में टीटीडी द्वारा आयोजित नि:शुल्क विवाह को नवविवाहितों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। टीटीडी 25 अप्रैल, 2016 से पापविनासनम रोड पर स्थित तिरुमला के कल्याण वेदिका में योग्य और गरीब हिंदू परिवारों के लिए नि:शुल्क विवाह सेवाओं का आयोजन कर रहा है। 25 अप्रैल, 2016 से 1 मई, 2025 तक तिरुमाला में कल्याण वेदिका में अब तक रिकॉर्ड 26,214 विवाह संपन्न हो चुके हैं। सेवाओं के एक हिस्से के रूप में टीटीडी विवाह के दौरान जोड़े को अर्चक, मंगलवाद्यम, हल्दी, केसर और कंकनम नि:शुल्क प्रदान करता है। दूल्हा और दुल्हन को कुछ अन्य शादी के सामान लाने होंगे। शादी के लिए दूल्हा और दुल्हन के माता-पिता का मौजूद होना ज़रूरी है। यदि वे विवाह में शामिल नहीं हो पाते हैं, तो उन्हें सहायक दस्तावेज प्रस्तुत करने चाहिए। विवाह के बाद, दूल्हा, दुल्हन और उनके माता-पिता सहित कुल छह लोगों को एटीसी में कतार में खड़े होकर 300 रुपये के विशेष प्रवेश द्वार से श्रीवरु के नि:शुल्क दर्शन की अनुमति दी जाएगी। दर्शन के बाद, छह लोग लड्डू काउंटरों से छह लड्डू नि:शुल्क प्राप्त करेंगे। टीटीडी ने नवविवाहितों को 9 मई, 2016 से तिरुमाला में विवाह स्थल पर नि:शुल्क विवाह के लिए ऑनलाइन विवाह स्लॉट बुक करने की सुविधा प्रदान की है। इच्छुक लोगों को टीटीडी की वेबसाइट https://ttdevasthanams.ap.gov.in पर लॉग इन करना होगा।

हैदराबाद चिड़ियाघर आगंतुकों को बाघों के करीब ले जाने के लिए तैयार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू प्राणी उद्यान (एनजेडपी) में आने वाले पर्यटकों को बाघों की केवल बाड़ के पीछे या खाई में खेलते हुए दूर से ही झलक देखने को मिली है। हालांकि, यह अनुभव जल्द ही बदलने वाला है। आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने और उन्हें चिड़ियाघर के प्रतिष्ठित निवासियों में से एक के करीब ले जाने के लिए, एनजेडपी अपने सफेद बाघों के आवास के लिए आधुनिक कांच के बाड़े बनाने जा रहा है। ये पारदर्शी कांच की बाड़ आगंतुकों को बड़ी बिल्लियों से बस कुछ इंच की दूरी पर खड़े होने और सेल्फी लेने में सक्षम बनाएगी। यह परियोजना सिर्फ़ सफ़ेद बाघों तक ही सीमित नहीं है। सफलता के आधार पर चिड़ियाघर ने शेरों और तेंदुओं सहित अन्य मांसाहारी जानवरों के लिए भी ऐसे ही बाड़े बनाने की योजना बनाई है।

डॉ. सुनील एस हिरेमठ, निदेशक चिड़ियाघर पार्क तेलंगाना ने बताया कि कांच के बाड़े, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगे, मौजूदा सफेद बाघों के आवास में बनाए जाएंगे। इसके पीछे का विचार चिड़ियाघर में आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाना है। हमने निविदाएं आमंत्रित की हैं और जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। इसके आधार पर, अन्य मांसाहारी जानवरों के लिए भी कांच की बाड़ लगाने की योजना बनाई गई है। आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाने के अलावा, कांच की दीवारें लगाने के पीछे दूसरा मुख्य कारण यह है कि चिड़ियाघर ने गीली खाइयों को सूखी खाइयों में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। चिड़ियाघर के सूत्रों के अनुसार, मीर आलम टैंक का पानी खाइयों में रिस रहा है, जिससे प्रदूषण के कारण जानवरों के स्वास्थ्य को होने वाले संभावित खतरे की चिंता बढ़ गई है। हालांकि अभी तक किसी भी जानवर में पानी की समस्या के कारण बीमारी के लक्षण नहीं दिखे हैं, लेकिन चिड़ियाघर ने सक्रिय कदम उठाए हैं।

सूत्रों ने बताया कि हालांकि चिड़ियाघर में पानी का रिसाव लगभग बंद हो गया है, लेकिन हम जोखिम नहीं लेना चाहते। इसलिए सूखी खाई बनाने का फैसला किया गया है। वर्तमान में, ग्लास बैरियर की सुविधा गुजरात के वंतारा वन्यजीव अभयारण्य और कर्नाटक के मैसूर चिड़ियाघर के नाम से प्रसिद्ध श्री चामराजेंद्र प्राणी उद्यान में उपलब्ध है। कांच के बाड़ों के अलावा, एनजेडपी एक सुरंग मछलीघर की भी योजना बना रहा है जो आगंतुकों को समुद्री जीवन के मनोरम दृश्य को देखने के लिए नीचे चलने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, घरेलू और विदेशी पक्षियों के लिए एक एवियरी और एक इमर्सिव 9डी वर्चुअल रियलिटी एक्सपीरियंस सेंटर भी पाइपलाइन में है।

झूठे आरोप लगाने के लिए यूट्यूबर अन्वेश के खिलाफ केस

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सट्टेबाजी ऐप घोटाले के संबंध में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के आरोप में यूट्यूबर अन्वेश के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अन्वेश ने एक वीडियो में कहा कि कई उच्च स्तरीय आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने मेट्रो रेल में विज्ञापनों के माध्यम से सट्टेबाजी ऐप्स और इसके प्रचार की अनुमति देने के लिए कुछ लोगों से कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये स्वीकार किए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

बिक्री समझौते को एकतरफा रद्द करने के लिए हैदराबाद बिल्डर की खिंचाई

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (टीजीआरईआरए) ने एक शहर स्थित डेवलपर को एकतरफा तरीके से बिक्री समझौते को रद्द करने के लिए फटकार लगाई है और बिल्डर के इस दावे को खारिज कर दिया है कि खरीदार द्वारा भुगतान अनुसूची का उल्लंघन करने के कारण बिक्री समझौते को रद्द किया गया था। 2 मई को जारी अपने अंतरिम आदेश में प्राधिकरण ने सेरिलिंगमपल्ली मंडल के गुट्टला बेगमपेट में अय्यन्ना प्राइमा परियोजना के डेवलपर्स मेसर्स अय्यन्ना इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड को फ्लैट नंबर 801, जिसमें तीन कार पार्किंग स्थल और 105 वर्ग गज का अविभाजित हिस्सा शामिल है, बेचने से रोक दिया। बिल्डर को संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने और परियोजना को पूरा करने के लिए सभी वैधानिक दायित्वों का पालन करने का निर्देश दिया गया। टीजीआरईआरए आदि वनजा द्वारा दायर की गई शिकायत पर कार्रवाई कर रहा था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि अय्याना प्राइमा में फ्लैट नंबर 801 के लिए 3.45 करोड़ रुपये का भुगतान करने के बावजूद, तीन कार पार्किंग स्पेस और 105 वर्ग गज के अविभाजित हिस्से के साथ, बिल्डर ने 14 सितंबर, 2023 को उनके पति के ईमेल पते पर भेजे गए ईमेल के माध्यम से एकतरफा समझौता रद्द कर दिया। उनके दावे का समर्थन करने के लिए 30 जनवरी, 2021 की तारीख वाले दो बिक्री समझौते प्रस्तुत किए गए। वनजा ने रद्दीकरण की वैधता पर विवाद किया और बताया कि कोई भी रिफंड शुरू नहीं किया गया था, यहां तक कि कथित ज़ब्ती खंड के अनुसार भी नहीं। हालांकि, बिल्डर ने दावा किया कि खरीदार भुगतान अनुसूची का पालन करने में विफल रहा, और इसलिए समझौता रद्द कर दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.